प्रो. रविन्द्र कुमार शर्मा कार्यशाला का संचालन करते हुए

कार्यशाला के दौरान प्रो. शर्मा ने प्रभावशाली डिज़ाइन निर्माण हेतु कला के मूल सिद्धांतों पर विशेष ज़ोर दिया। उन्होंने अपनी सौ से अधिक प्रशंसित कलाकृतियों का प्रदर्शन करते हुए समझाया कि चित्रों में भावनाओं और स्थानिक गहराई को अभिव्यक्त करने के लिए रेखाओं, आकृतियों, पुनरावृत्ति, रंगों के स्वर एवं मूल्य, संतुलन, कंट्रास्ट, ज़ोर, विविधता, अनुपात, छायांकन और रंग मिश्रण का किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने रचनात्मक रंग अनुप्रयोग तकनीकों तथा पुरानी पत्रिकाओं और समाचार पत्रों से कोलाज बनाने की कला का प्रदर्शन भी किया, जिससे छात्रों को अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति को निखारने के व्यावहारिक तरीके प्राप्त हुए।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'उद्यमिता' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में, भारत के माननीय प्रधानमंत्री के अभियान 'भारत में डिजाइन, विश्व के लिए डिजाइन' के दृष्टिकोण के अनुरूप, छात्रों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ नवाचार और सृजन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 14 से 18 अक्टूबर 2024 तक 'उद्यमिता' पर चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

द्यमी छात्र और एयरसेंस लैब प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक

पांच प्रमुख संस्थानों—फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई), भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी)—के सहयोग से स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन श्री रोहित और उनकी टीम ने किया। श्री रोहित स्टार्ट-अप एयरसेंस लैब प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक हैं, जो दुनिया के पहले स्मार्ट एयर प्यूरीफायर मास्क के अग्रदूत हैं।

कार्यशाला में छात्रों को उद्यमशीलता नेतृत्व को विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान किया गया। उद्यमिता के परिचय से शुरू होकर, प्रतिभागियों ने फैशन उद्योग में उद्यमिता पर विशेष ध्यान देते हुए, एक स्टार्ट-अप के निर्माण, लॉन्चिंग और विस्तार की गहरी समझ हासिल की।

इस कार्यशाला का एक प्रमुख आकर्षण छात्रों को अपने स्टार्टअप विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना था। आईआईपी के स्नातकोत्तर छात्रों सहित विभिन्न स्कूलों के तीस छात्रों ने सात टीमें बनाईं और विभिन्न सत्रों के दौरान अभिनव स्टार्टअप अवधारणाएँ विकसित कीं। अंतिम दिन, प्रत्येक टीम ने एक पिच सत्र में अपने विचार प्रस्तुत किए और एयरसेंस टीम तथा अन्य उद्योग विशेषज्ञों से रचनात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त की।

एफडीडीआई, रोहतक में 'क्रिएटिव हैंड एम्ब्रॉयडरी' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 7 और 8 अक्टूबर 2024 को फैशन डिजाइन (एफडी), फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन (एफडीपी) और फाउंडेशन बैच के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'क्रिएटिव हैंड एम्ब्रॉयडरी' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का एक दृश्य

पारंपरिक और रचनात्मक हस्त कढ़ाई में छह वर्षों का अनुभव रखने वाली डॉ. संगीता तोमर ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। उन्होंने छात्रों को सादे कपड़े के टुकड़े को एक सुंदर कढ़ाईदार कलाकृति में बदलने में मदद करने के लिए व्यावहारिक सुझाव और तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला में कढ़ाई के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें सामग्री और उपकरण, बुनियादी और उन्नत सिलाई तकनीक, डिजाइन सिद्धांत और संरचना, साथ ही रिबन कार्य शामिल थे, जिससे छात्रों को अपने रचनात्मक और तकनीकी कौशल को बढ़ाने में मदद मिली।

एफडीडीआई, हैदराबाद द्वारा निफ्ट, हैदराबाद के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में 24 सितंबर 2024 को, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), हैदराबाद के मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट (एमएफएम) छात्रों के लिए 'फुटवियर फंडामेंटल्स एंड फ्यूचर ट्रेंड्स' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का समन्वयन एफडीडीआई हैदराबाद के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के संकाय श्री हरीश कुमार द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा फुटवियर डिजाइन और उत्पादन की व्यापक जानकारी प्रदान करना था।

कार्यशाला का एक दृश्य

एफडीडीआई-हैदराबाद के संकाय के साथ निफ्ट-हैदराबाद के छात्र

सत्रों में प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें फुटवियर की शब्दावली, वर्गीकरण और उन्नत 3डी फुटवियर डिज़ाइन शामिल थे, जिन्हें एफडीपी के वरिष्ठ संकाय श्री अब्दुल रहमान एम. ने प्रस्तुत किया। श्री नरेश कुमार, एफडीपी के संकाय, ने प्रतिभागियों को फुटवियर उत्पादन में ऊपरी सामग्रियों के उपयोग पर मार्गदर्शन दिया, जिसमें क्लिकिंग और क्लोजिंग तकनीक का लाइव प्रदर्शन भी शामिल था। इसके अतिरिक्त, श्री एलायाराजा, एफडीपी के वरिष्ठ संकाय, ने निचली सामग्रियों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला, टिकाऊपन प्रक्रिया की जानकारी दी और नवीन सोल तकनीकों के विकास को प्रदर्शित किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद में '3डी-प्रिंटिंग और रैपिड प्रोटोटाइपिंग' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में मेकुवा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 13 सितंबर 2024 को, '3डी प्रिंटिंग और रैपिड प्रोटोटाइपिंग' पर एक आकर्षक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का एक दृश्य

मेकुवा टेक्नोलॉजीज, एक अग्रणी प्रोटोटाइपिंग कंपनी है, जो पेशेवर 3डी प्रिंटर के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है और 3डी प्रिंटिंग, औद्योगिक डिजाइन और विभिन्न पारंपरिक विनिर्माण प्रक्रियाओं में सेवाएं प्रदान करती है।

कार्यशाला के दौरान, फाउंडेशन बैच के छात्रों ने रैपिड प्रोटोटाइपिंग के लिए 3D प्रिंटिंग का व्यावहारिक अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त की। उन्होंने डिज़ाइन प्रक्रिया में तेज़ी लाने, मॉडल विकास को बेहतर बनाने और विनिर्माण, चिकित्सा, एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव जैसे उद्योगों में इसके परिवर्तनकारी प्रभावों में इसके अनुप्रयोगों का पता लगाया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने केआईए इंडिया डिजाइन, हैदराबाद के डिजाइनरों के लिए कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर ने केआईए इंडिया, हैदराबाद की डिजाइन टीम के लिए 9 और 10 सितंबर 2024 को, दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

ये सत्र स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) और स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के संकाय द्वारा आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिभागियों को रचनात्मक चमड़े के सामान और फुटवियर डिजाइन दोनों में नवीन डिजाइन तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव एवं प्रदर्शन प्रदान किया गया।

पहले दिन (9 सितंबर 2024) 'क्रिएटिव लेदर गुड्स' पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसमें श्री वैष्णव गुडीमेटला (वरिष्ठ डिजाइनर), श्री उल्लास राजन (वरिष्ठ डिजाइनर), श्री अरुल कृष्णन यू (डिजाइनर), श्री साई चैतन्य जी (वरिष्ठ डिजाइनर), और श्री एवीजी कार्तिक (वरिष्ठ डिजाइनर) ने भाग लिया।

कार्यशाला की शुरुआत चमड़े एवं चमड़े के उत्पादों के परिचय के साथ हुई, जिसमें आवश्यक सामग्रियों और औज़ारों पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को डिज़ाइन की अवधारणा, पैटर्न बनाने और काटने की तकनीकों से परिचित कराया गया। सत्र के अंत में चमड़े के उत्पादों की असेंबली की प्रक्रिया शुरू हुई, जहाँ डिज़ाइनरों ने विशेषज्ञों की देखरेख में अपनी कृतियों को बारीकी से तैयार किया। इस दिन की कार्यशाला का समापन फिनिशिंग तकनीकों और प्रतिभागियों के अभिनव उत्पादों की प्रस्तुति के साथ हुआ।

क्रिएटिव लेदर गुड्स डिज़ाइन पर कार्यशाला का एक दृश्य

केआईए इंडिया के डिजाइनरों द्वारा बनाए गए चमड़े के सामान

दूसरे दिन (10 सितंबर 2024) का ध्यान 'क्रिएटिव फुटवियर' पर केंद्रित था और इसमें श्री बाला कृष्ण के (वरिष्ठ डिजाइनर और प्रमुख), श्री राजीव गौड़ पनम (वरिष्ठ डिजाइनर), श्री अरुल कृष्णन यू (डिजाइनर), श्री सैयदाजारुद्दीन ए (वरिष्ठ डिजाइनर), और श्री अभिषेक मोहंती (डिजाइनर) ने भाग लिया।

क्रिएटिव फुटवियर डिजाइन पर कार्यशाला

केआईए इंडिया के डिजाइनरों द्वारा बनाए गए फुटवियर

प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के फुटवियर स्टाइल्स की जानकारी दी गई और फुटवियर बनाने की प्रक्रिया की व्यापक समझ हासिल करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं से परिचित कराया गया। इसके बाद, संकाय सदस्यों और कुशल प्रयोगशाला सहायकों ने उन्हें कॉर्क फुट-बेड सैंडल डिज़ाइन करने और तैयार करने के लिए चरण-दर-चरण मार्गदर्शन दिया। प्रत्येक डिज़ाइनर ने रचनात्मकता और सटीकता का प्रदर्शन करते हुए सफलतापूर्वक अपनी जोड़ी बनाई।

एफडीडीआई हैदराबाद के कार्यकारी निदेशक द्वारा प्रमाणपत्र प्रस्तुति का एक दृश्य, केआईए डिजाइनरों के साथ टीम एफडीडीआई हैदराबाद

कार्यशाला का समापन एफडीडीआई हैदराबाद के कार्यकारी निदेशक द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों के प्रयासों और उपलब्धियों को मान्यता दी गई।

एफडीडीआई, नोएडा मुख्यालय में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, नोएडा में 'सामग्री, विनिर्माण, डिजाइन, ब्रांड और प्रचार में नवीनतम रुझान एवं नवाचार' पर 5 जुलाई 2024 को एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजीव सिंह ठाकुर, आईएएस, अपर सचिव (एएस), उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (एमओसीएंडआई), भारत

सरकार उपस्थित रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में एफडीडीआई की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य, मेसर्स संदीप रबर के निदेशक और भारतीय फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएफसीओएमए) के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता; चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के क्षेत्रीय निदेशक (आरडी) श्री अतुल कुमार मिश्रा; चमड़ा क्षेत्र कौशल परिषद (एलएसएससी) के कार्यकारी निदेशक (ईडी) श्री संजय कुमार; और टुडे फुटवियर के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक तथा भारतीय फुटवियर उद्योग परिसंघ (सीआईएफआई) के उपाध्यक्ष श्री सुभाष जग्गा शामिल थे।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

एएस, डीपीआईआईटी 'मुख्य भाषण' देते हुए

एफडीडीआई की ओर से, सचिव/प्रबंध निदेशक कर्नल पंकज कुमार सिन्हा ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट प्रतिनिधियों, उद्योगपतियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का स्वागत किया, जबकि कर्मचारियों और छात्रों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की अगुवाई में पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुआ।

मंच पर विशिष्ट वक्ता

श्री राजीव सिंह ठाकुर ने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि, "अब उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित हो चुका है और अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित है, इसलिए एफडीडीआई को भविष्य की उद्योग संबंधी माँगों

को पूरा करने के लिए इन संसाधनों का पूरा लाभ उठाना चाहिए।" उन्होंने उद्यमिता के महत्व पर ज़ोर दिया और स्नातक छात्रों से आग्रह किया कि वे न केवल उद्योग में प्लेसमेंट के लिए, बल्कि अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए भी आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान और कौशल हासिल करें।

श्री सुभाष जग्गा, संस्थापक और एमडी – टुडे फुटवियर एवं वीपी-सीआईएफआई अपने विचार साझा करते हुए

ईसीजीसी के अधिकारी अपने विचार साझा करते हुए

आरडी-सीएलई अपने विचार साझा करते हुए

कार्यशाला में इन्वेस्ट इंडिया, ईसीजीसी, सीएलआरआई, सीएलई, सीआईएफआई, आईएफसीओएमए और एलएसएससी सहित उद्योग के प्रमुख हितधारकों की भागीदारी को सुगम बनाया गया। इससे विचारों के आदान-प्रदान, नई तकनीकों की खोज तथा फुटवियर उद्योग के सतत विकास के लिए सहयोग को बढ़ावा देने का एक मंच उपलब्ध हुआ।

कार्यशाला में दस प्रतिष्ठित वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की और सामग्री, निर्माण, डिज़ाइन, ब्रांडिंग और प्रचार में नवीनतम प्रगति का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। उनके सत्रों का उद्देश्य उद्योग उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और हितधारकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना था।

क्र. सं.	विशेषज्ञ विवरण	विषय
1.	श्री संदीप भाटिया, डीजीएम - एसए एंड ईडी, एफडीडीआई	राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में एफडीडीआई का अवलोकन
2.	डॉ. मधुसूदन पाल, सीओई - निदेशक, एफडीडीआई	अनुसंधान और उत्पाद विकास के लिए सीओई की क्षमताएँ और अवसर
3.	श्री शरद श्रीवास्तव, मुख्य संकाय, एफडीपी, एफडीडीआई	फुटवियर तकनीक में हालिया विकास और रुझान
4.	श्री सिद्धार्थ विक्रम, कनि. संकाय, एफडीपी, एफडीडीआई	फुटवियर के सोल सामग्री में नवीनतम संशोधन
5.	श्री कार्तिक खत्री, निर्देशक - नंदी फुटवियर, बहादुरगढ़, सीआईएफआई का प्रतिनिधित्व	खेल के फुटवियर में अत्याधुनिक निर्माण तकनीकें 3डी प्रिंटिंग से लेकर कस्टमाइज़ेशन तक
6.	श्री अतुल मिश्रा, क्षेत्रीय निदेशक, सीएलई	चमड़े के फुटवियर में वैश्विक रुझान एवं नवाचार निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर ज़ोर
7.	श्री एस. के. वर्मा, ईडी, आईएफसीओएमए	फुटवियर कंपोनेन्ट क्षेत्र में नवाचार और विकास निर्यात के लिए प्रदर्शन और स्थायित्व को बढ़ाने पर फोकस
8.	श्री रणवीर किशोर, प्रबंधक, ईसीजीसी	फुटवियर निर्यातकों के लिए जोखिम प्रबंधन रणनीतियाँ ईसीजीसी से बहुमूल्य जानकारी
9.	श्री संजय कुमार, ईडी, एलएसएससी	चमड़ा क्षेत्र में कौशल विकास में नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्योग सहयोग का लाभ उठाना
10.	श्री सुभाष जग्गा, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक – टुडे फुटवियर एवं उपाध्यक्ष - सीआईएफआई	आज के प्रतिस्पर्धी फुटवियर व्यवसाय में नवाचार, टुडे फुटवियर की पहलों का प्रदर्शन

कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ सीधे अपने प्रश्नों को स्पष्ट करने का अवसर मिला। उपस्थित लोगों ने विशेषज्ञों से बातचीत करने और फुटवियर क्षेत्र में उभरती तकनीकों और रुझानों के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने के अवसर की सराहना की।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 'सस्टेनेबल लेदर एंड एडवांसिंग मैन-मेड सॉल्यूशंस' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर ने 15 मई, 2024 को, 'सस्टेनेबल लेदर एंड एडवांसिंग मैन-मेड सॉल्यूशंस' विषय पर एक कार्यशाला-सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें श्री मणिकम मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। श्री मणिकम ने चमड़ा प्रौद्योगिकी में बी.टेक और स्वीडन से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है, जो वर्तमान में कलर्स इंडिया लिमिटेड में दक्षिण भारत के क्षेत्रीय प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं।

कार्यशाला के दौरान, श्री मणिकम ने विभिन्न प्रकार के चमड़े एवं उनसे जुड़ी जटिल टैनिंग प्रक्रियाओं का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने टैनिंग की विभिन्न विधियों की व्याख्या की, उद्योग की नवीनतम तकनीकों और फिनिशिंग पर प्रकाश डाला, और विभिन्न खालों की उत्पत्ति एवं विशिष्ट विशेषताओं के साथ-साथ वनस्पति टैनिंग के उद्देश्यों के बारे में भी जानकारी दी।

श्री मणिकम, प्रस्तुति देते हुए

कार्यशाला में भाग लेते छात्र

उन्होंने अर्ध-तैयार चमड़े के प्रमुख चरणों, जैसे कि गीले नीले चरण, का भी प्रदर्शन किया, जिसमें व्यावहारिक प्रदर्शनों के साथ-साथ विस्तृत व्याख्याएँ भी शामिल थीं। इस दृष्टिकोण ने छात्रों को चमड़ा प्रसंस्करण और उद्योग में स्थायी प्रथाओं की व्यापक समझ हासिल करने में सक्षम बनाया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर द्वारा 3 दिवसीय 'ऑनलाइन कार्यशाला' का आयोजन

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) ने 1 से 3 मई 2024 तक तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की मेजबानी की, जिसमें जोधपुर, पटना, अंकलेश्वर और बनूर सहित एफडीडीआई परिसरों के छात्रों और संकाय ने भाग लिया।

क्र. सं.	अतिथि वक्ता विवरण	विषय	तिथि
1	श्री मोहम्मद उमर, फैशन टेक्नोलॉजी के सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, कांगड़ा	परिधान उद्योग में परिधान और विनिर्माण सेटअप, मार्कर मोड और स्प्रेडिंग मोड	1 मई 2024
2	श्री नीरज जयसवाल, फैशन टेक्नोलॉजी के सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, कांगड़ा	उत्पाद विश्लेषण और लागत निर्धारण, परिधानों में लागत प्रभावी और कुशल विनिर्माण सेटअप का डिज़ाइन तैयार करना	2 मई 2024
3	डॉ. दीपक, सहायक प्रोफेसर (एमएफएम) और संयुक्त निदेशक (प्रभारी), निफ्ट, दिल्ली	उन्नत विनिर्माण तकनीकें और नवीन फैशन प्रबंधन पद्धतियाँ	3 मई 2024

कार्यशाला के दौरान, प्रख्यात अतिथि वक्ताओं ने बहुमूल्य जानकारी साझा की, जिससे प्रतिभागियों को अपने विचारों और कौशल को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में बदलने में मदद मिली - जो महत्वाकांक्षी फैशन पेशेवरों के लिए एक अमूल्य अनुभव था।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में कार्यशाला में भाग लेते एफडी के छात्र

कार्यशाला ने फैशन डिजाइन की दुनिया में एक गहन जानकारी प्रदान की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि यह न केवल रुझान बनाने के बारे में है, बल्कि पहचान और संस्कृतियों को आकार देने के बारे में भी है।

कार्यशाला में वर्चुअल मोड का उपयोग करके अन्य परिसरों की प्रतिभागिता

संवादात्मक सत्रों ने विचारों एवं ज्ञान के समृद्ध आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया, जिससे प्रतिभागियों के रचनात्मक और पेशेवर कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

एफडीडीआई, रोहतक ने जिब्रा केमिकल्स का उपयोग करके 'शू फिनिशिंग' पर एक कार्यशाला का आयोजन

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने 3 मई 2024 को 'शू फिनिशिंग' पर एक व्यापक, एक दिवसीय की कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें जिब्रा केमिकल्स द्वारा प्रदान किए गए नवीन फॉर्मूलेशन का उपयोग किया गया।

श्री मनीष कुमार छात्रों को समझाते हुए

संसाधन व्यक्ति, शशि एंटरप्राइजेज के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर, श्री मनीष कुमार ने चमड़े की फिनिश की विस्तृत श्रृंखला के बारे में गहन जानकारी प्रदान की, ऊपरी हिस्से को क्रीमिंग और पॉलिश करने की तकनीकों का प्रदर्शन किया, साथ ही सटीकता के साथ जिब्रा केमिकल्स का उपयोग करके तलवों और एड़ियों के किनारों को इंकिंग और पॉलिश किया।

'शू फिनिशिंग' पर कार्यशाला में भाग लेते छात्र

फुटवियर की फिनिशिंग की जटिल बारीकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कार्यशाला में छात्रों की उत्साहपूर्ण और सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने पेशेवर फुटवियर फिनिशिंग तकनीकों में मूल्यवान अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'फुटवियर एवं एक्टिव वियर कैड रेंडरिंग' पर कार्यशाला

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा 2 मई 2024 को 'फुटवियर एवं एक्टिववियर कैड रेंडरिंग' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन पेस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, बवाना औद्योगिक क्षेत्र के कॉन्सेप्ट डिजाइनर श्री ध्यानेश्वर सोलंकी ने किया और इसमें एफडीपी के छात्रों ने भाग लिया।

श्री ध्यानेश्वर सोलंकी प्रस्तुति देते हुए

कार्यशाला के दौरान, श्री सोलंकी ने नवीनतम स्पोर्ट्स फुटवियर डिज़ाइन तकनीकों, जैसे मास्किंग, मानक विकास और पैटर्न इंजीनियरिंग, जो वर्तमान में फुटवियर उद्योग में उपयोग की जाती हैं, के बारे में जानकारी प्रदान की। छात्रों को फ़ोटोशॉप एवं इलस्ट्रेटर का उपयोग करके यथार्थवादी उत्पाद रेंडरिंग का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हुआ, जिससे उन्हें आत्मविश्वास के साथ पेशेवर स्तर के डिज़ाइन बनाने का कौशल प्राप्त हुआ।

टी-वर्क्स, हैदराबाद में 'स्मार्ट वियरेबल्स एण्ड प्रोटोटाइपिंग' कार्यशाला में एफडीडीआई, हैदराबाद और एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों ने भाग लिया

25 अप्रैल 2024 को टी-वर्क्स, हैदराबाद में 'स्मार्ट वियरेबल्स और प्रोटोटाइपिंग' पर एक समृद्ध कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें एफडीडीआई के हैदराबाद और चेन्नई परिसरों के छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

टी-वर्क्स, भारत का सबसे बड़ा प्रोटोटाइपिंग केंद्र और तेलंगाना सरकार की पहल, हैदराबाद के केन्द्र में एक संपन्न नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य करता है।

एफडीडीआई, हैदराबाद और एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र 'स्मार्ट वियरेबल्स और प्रोटोटाइपिंग' कार्यशाला में भाग लेते हुए

इस कार्यशाला में तकनीक एवं डिज़ाइन के अंतर्संबंध पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को स्मार्ट वियरेबल्स बनाने और उनके प्रोटोटाइप बनाने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। सलाहकार श्री

सुब्रमण्यन और मुख्य उत्पाद वास्तुकार श्री माधव के नेतृत्व में, टी-वर्क्स के आठ सेंसर प्रयोगशाला विशेषज्ञों की एक टीम के साथ, इस सत्र में वियरेबल तकनीक, जिसमें कंपोनेन्ट, शब्दावली और आवश्यक उपकरण आदि के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।

छात्रों को वियरेबल्स तकनीकी की दुनिया में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हुए

छात्रों ने अभिनव प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए बीआईपीईएस सॉफ़्टवेयर (ब्लॉक-आधारित एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म फ़ॉर एम्बेडेड सिस्टम्स) का लाभ उठाना सीखा। उन्होंने प्रोग्रामिंग भाषाओं, पीसीबी बोर्ड आउटपुट और अल्ट्रासोनिक सेंसर एवं बजर जैसे उपकरणों का गहन अध्ययन किया, जिससे उन्हें स्मार्ट वियरेबल डिज़ाइन की गहरी समझ प्राप्त हुई।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण सोल्डरिंग सत्र था, जहां प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ मार्गदर्शन में सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू किया, जिससे उनके व्यावहारिक प्रोटोटाइपिंग कौशल में वृद्धि हुई और पहनने वियरेबल्स तकनीकी विकास में रचनात्मकता को बढ़ावा मिला।

एफडीडीआई, भारत ने तंजानिया के दार-ए-सलाम में 'फैशन परिधान और सहायक उपकरण में डिजाइन थिंकिंग के पहलुओं' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई कोलकाता के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की प्रभारी श्रीमती बसुमित्रा घोष मुखर्जी ने 20 अप्रैल 2024 को 'फैशन परिधान और सहायक उपकरण में डिजाइन थिंकिंग के पहलुओं' पर एक दिवसीय की कार्यशाला का आयोजन किया। भारतीय उच्चायोग, दार-ए-सलाम, तंजानिया द्वारा आयोजित कार्यशाला, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), दार एस सलाम में आयोजित की गई थी, और इसमें तंजानिया के फैशन डिजाइनरों, कारीगरों एवं शिल्पकारों ने भाग लिया था।

एसवीसीसी, जिसे पहले भारतीय सांस्कृतिक केंद्र कहा जाता था, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अंतर्गत भारतीय उच्चायोग की सांस्कृतिक शाखा के रूप में कार्य करता है, जो भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

प्रतिभागियों का एक दृश्य

इस कार्यशाला का उद्घाटन द्वितीय सचिव (संस्कृति) एवं आईसीसीआर तंजानिया की निदेशक डॉ. सौम्या एम. चव्हाण ने किया, जिसके बाद भारतीय उच्चायोग में द्वितीय सचिव (राजनीतिक) एवं उच्चायुक्त की निजी सहायक डॉ. जयश्री कुमारेश ने एक प्रेरक संबोधन दिया। लगभग 20 तंजानियाई फैशन और सहायक उपकरण डिज़ाइनरों, प्रमुख कारीगरों और दार-ए-सलाम में प्रवासी भारतीयों के प्रतिनिधियों ने भी इसमें भाग लिया।

श्रीमती घोष मुखर्जी ने डिज़ाइन थिंकिंग पर एक गहन प्रस्तुति दी, जिसके बाद डिज़ाइन के प्रति मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हुए एक व्यावहारिक, संवादात्मक गतिविधि आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने इस अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया और ऐसे नवीन विचार प्रस्तुत किए जिनसे डिज़ाइन थिंकिंग के प्रमुख सिद्धांतों की उनकी समझ प्रदर्शित हुई।

कार्यशाला ने प्रतिभागियों को उभरते फैशन उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित किया। इसने उभरते तंजानियाई फैशन समुदाय के साथ सार्थक ज्ञान के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा दिया और भारत और तंजानिया के बीच द्विपक्षीय सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने में योगदान दिया।

श्रीमती बसुमित्रा घोष मुखर्जी, सीओई प्रभारी, एफडीडीआई कोलकाता को आईसीसीआर निदेशक द्वारा सम्मानित किया

औद्योगिक और शैक्षिक दौरे

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के छात्रों के लिए रेमंड लाइफ स्टाइल लिमिटेड में औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर द्वारा स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन और स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के फाउंडेशन बैच के छात्रों के लिए 22 मार्च 2025 को, सौंसर, छिंदवाड़ा में रेमंड लाइफस्टाइल लिमिटेड इकाई में एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया।

रेमंड लाइफ स्टाइल लिमिटेड में छात्र एवं संकाय

पैंतीस छात्रों के एक समूह ने अपने संकाय सदस्यों—डॉ. आज्ञा प्रीत, श्री अर्तित्रा दास, श्री प्रशांत सक्सेना, डॉ. पंकज दुबे और सुश्री श्रद्धा झलोया—के साथ कपड़ा इकाई का दौरा किया। मानव संसाधन प्रबंधक, श्री आशीष शर्मा ने कपड़ा निर्माण प्रक्रिया का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, जिसमें रेशा तैयार करने से लेकर धागा उत्पादन, कताई और कपड़ा निर्माण के बाद के चरणों तक की जानकारी दी गई।

छात्रों को कार्यप्रणाली के क्रम की जानकारी दी गई तथा कार्यशाला में चरण-दर-चरण प्रदर्शन भी किया गया। इस बैच ने कताई, रंगाई, बुनाई, परिष्करण और अंतिम गुणवत्ता नियंत्रण सहित विभिन्न उप-विभागों का दौरा किया और कपड़ा उत्पादन के प्रत्येक चरण की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई चेन्नई ने 17 मार्च 2025 को अपने छात्रों को एक मजबूत आधार प्रदान करने और उनके व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए, 110 फाउंडेशन प्रोग्राम के छात्रों के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) तथा स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के वरिष्ठ संकाय के मार्गदर्शन में, छात्रों ने क्रोमपेट में बालामुरुगन लेदर्स, द जनरल एंड इंडस्ट्रियल लेदर्स (पी) लिमिटेड और चेन्नई के अनागाबुथुर में अनानाफिट नेचुरल फाइबर क्लस्टर का दौरा किया।

बालामुरुगन लेदर्स में छात्र

जनरल एंड इंडस्ट्रियल लेदर्स (पी) लिमिटेड में छात्र

बालामुरुगन लेदर्स फ्रांस, वियतनाम और कंबोडिया को निर्यात के लिए शू अपर, स्यूड लेदर एवं गारमेंट्स बनाने में माहिर हैं, जबकि द जनरल एंड इंडस्ट्रियल लेदर (पी) लिमिटेड फुटवियर और चमड़े के सामान उद्योगों के लिए गाय के ऊपरी चमड़े, स्पिलिट लेदर और बफ चमड़े का निर्माण करता है।

इस भ्रमण के दौरान, छात्रों को चमड़ा प्रसंस्करण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई, जिसमें नमक से चमड़ा तैयार करना, टैनिंग से पहले की प्रक्रियाएँ, भिगोना, चूना लगाना, चूना हटाना, पिक्लिंग करना, भैंस एवं बकरी के चमड़े की क्रोम टैनिंग, टैनिंग के बाद की प्रक्रियाएँ और विभिन्न गुणवत्ता जाँच बिंदु शामिल थे। उन्होंने चमड़े की बंडलिंग और पैकेजिंग, खतरनाक टैनिंग अवशेषों के लिए जल उपचार, और फुटवियर डिज़ाइन से लेकर अंतिम संयोजन प्रक्रिया तक इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक का भी अवलोकन किया।

अनानाफिट पारंपरिक करघे का उपयोग करके वस्त्र बुनने में माहिर है, जो अनुकूलित साड़ियां और धोतियां तैयार करता है और राज्य सरकार के हथकरघा विभाग और स्थानीय दुकानों को आपूर्ति करता है।

अनानाफिट में विनिर्माण प्रक्रिया को देखते हुए छात्र

इन विनिर्माण इकाइयों में व्यावहारिक अनुभव से छात्रों को चमड़ा और वस्त्र उद्योग की गहन समझ प्राप्त हुई।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए चेन्नई और आंध्र प्रदेश का औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के फुटवियर डिजाइन और उत्पादन (एफडीपी) छात्रों के लिए, वास्तविक दुनिया की औद्योगिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने तथा कक्षा में सीखने एवं उद्योग प्रथाओं के बीच की खाई को पाटने के लिए, चेन्नई और टाडा, आंध्र प्रदेश (एपी) की अग्रणी फुटवियर निर्माण कंपनियों में एक औद्योगिक दौरा आयोजित किया गया था।

हिंदुस्तान यूनिलीवर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड (फुटवियर डिवीजन) में कटिंग पर छात्रों को जानकारी देते हुए

छात्रों ने हिंदुस्तान यूनिलीवर (फुटवियर डिवीजन) का दौरा किया, जहां महाप्रबंधक (उत्पादन) श्री पांडियन ने उन्हें गैर-चमड़े के फुटवियर उत्पादन (स्केचर्स ब्रांड) के विभिन्न चरणों के बारे में मार्गदर्शन दिया, तथा बड़े पैमाने पर फुटवियर निर्माण में शामिल मशीनरी और प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

छात्रों ने 30 जनवरी 2025 को, अपाचे फुटवियर ग्रुप लिमिटेड का दौरा किया, जो 350 एकड़ में फैला एक विशाल कारखाना है जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 13 लाख जोड़े है। इस दौरे का संचालन तकनीकी एवं मानव संसाधन टीमों ने किया, जिन्होंने कंपनी की अभिनव गैर-चमड़े के फुटवियर निर्माण प्रक्रियाओं और उन्नत स्वचालन तकनीकों का गहन अवलोकन प्रदान किया। छात्रों ने उत्पादन में अत्याधुनिक तकनीक के एकीकरण को देखा और सीखा कि कैसे स्वचालन दक्षता बढ़ाता है, उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखता है और बड़े पैमाने पर विनिर्माण को सुव्यवस्थित करता है। इस दौरे में अपाचे की स्थिरता, अपशिष्ट न्यूनीकरण और उच्च उत्पादन मांगों को पूरा करने की रणनीतियों के प्रति प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला गया। इस गहन अनुभव ने छात्रों को फुटवियर निर्माण के भविष्य एवं आधुनिक उत्पादन लाइनों में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।

एडिडास ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड, टाडा, एपी में छात्र

छात्रों ने 31 जनवरी 2025 को, संघवी एक्सेसरीज़ प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया, जहाँ उन्होंने फुटवियर के फर्मा के विकास की प्रक्रिया देखी। यह कंपनी उच्च-गुणवत्ता वाले फुटवियर के फर्मा के डिज़ाइन एवं उत्पादन में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध है, जो फुटवियर निर्माण का एक महत्वपूर्ण आधार है। संघवी एक्सेसरीज़ प्राइवेट लिमिटेड के प्रभारी श्री राज कुमार ने छात्रों को बताया कि कार्यात्मक और सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक फुटवियर बनाने में सटीकता और नवीनता कितनी महत्वपूर्ण है।

सांघवी एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई में छात्र

रिया लेदर, क्रोमपेट, चेन्नई में छात्र

छात्रों ने 4 फ़रवरी 2025 को, क्रोमपेट स्थित एक प्रमुख चमड़ा निर्यातक, रिया लेदर का दौरा किया, जो सयूड और नुबक चमड़े में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। इस दौरे के दौरान, छात्रों ने चमड़ा बनाने की जटिल प्रक्रिया की बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की और वैश्विक बाज़ारों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली सामग्री के उत्पादन में शामिल शिल्प कौशल एवं विशेषज्ञता का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

छात्रों ने सेरेन शू कंपनी का भी दौरा किया, जो एक प्रसिद्ध फुटवियर निर्माता है और मोकासिन तथा स्नीकर्स बनाने में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है। इसकी निर्यात उपस्थिति, विशेष रूप से स्विट्ज़रलैंड में, मज़बूत है। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने सेरेन शू कंपनी के निदेशक श्री फैज़ल के साथ एक संवादात्मक सत्र में भाग लिया, जहाँ उन्हें वैश्विक फुटवियर बाज़ार, डिज़ाइन नवाचारों और निर्यात रणनीतियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

सेरेन शू कंपनी, क्रोमपेट, चेन्नई में छात्र

एफडीडीआई संकाय के साथ, छात्रों ने कंपनी की विनिर्माण प्रक्रियाओं और संचालन का अवलोकन किया, यह सीखते हुए कि उच्च गुणवत्ता वाले फुटवियर कुशलतापूर्वक उत्पादन करने के लिए उन्नत तकनीकों को कैसे नियोजित किया जाता है।

एफडीडीआई, कोलकाता द्वारा आयोजित 'चमड़ा उद्योग प्रशिक्षण - कच्चे चमड़े से तैयार चमड़ा'

एफडीडीआई नोएडा, हैदराबाद एवं कोलकाता परिसरों के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने 9 से 13 दिसंबर 2024 तक, वेब्लेक टेनरी प्राइवेट लिमिटेड एवं डायमंड टेनरी, कोलकाता के औद्योगिक दौरे में भाग लिया।

इस औद्योगिक दौरे का उद्देश्य छात्रों को चमड़ा उद्योग के संचालन का गहन अनुभव प्रदान करना तथा चमड़ा उत्पादन प्रक्रिया की व्यावहारिक और व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। इस अनुभव ने चमड़ा प्रौद्योगिकी विषय में उनके सैद्धांतिक ज्ञान को और भी समृद्ध किया, जिससे औद्योगिक प्रक्रियाओं की उनकी समग्र समझ में वृद्धि हुई।

ड्रम रंगाई और मिलिंग प्रक्रिया का अवलोकन करते छात्र

चमड़े की परिष्करण तकनीक समझाते तकनीशियन

एलजीएडी कोलकाता के वरिष्ठ संकाय, श्री रिंस्टेन दोरजी; एलजीएडी नोएडा की संकाय, सुश्री वंदना सिंह; और एलजीएडी कोलकाता के प्रयोगशाला सहायक, श्री अखलतुर रहमान के मार्गदर्शन में, छात्रों को आधुनिक तकनीकों एवं टिकाऊ प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कच्चे चमड़े के प्रसंस्करण, टैनिंग, रंगाई, परिष्करण और गुणवत्ता नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों ने कच्चे चमड़े को तैयार चमड़े में बदलते हुए देखा और रंगाई और ग्रेडिंग के लाइव प्रदर्शनों में भाग लिया।

उद्योग विशेषज्ञों ने टिकाऊ टैनिंग तकनीकों, उभरते बाजार के रुझानों एवं नवीन प्रथाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, जिससे छात्रों को चमड़ा क्षेत्र में नए अवसरों और प्रगति का पता लगाने के लिए प्रेरणा मिली।

'एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए एनआईटीआरए, गाजियाबाद में 'शैक्षिक दौरा'

एफडीडीआई नोएडा परिसर में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) ने 22 नवंबर 2024 को, उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एनआईटीआरए), गाजियाबाद में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया।

इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को वस्त्र उद्योग के संचालन से परिचित कराना था ताकि वे सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच की खाई को पाट सकें। छात्रों को कच्चे रेशों को तैयार वस्त्र सामग्री में बदलने में प्रयुक्त तकनीकों और मशीनरी का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

एनआईटीआरए में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकाय, श्रीमती इंदु गुप्ता - वरिष्ठ संकाय और डॉ. सुशीला हुड्डा - कनिष्ठ संकाय के साथ, छात्रों को विभिन्न विभागों का दौरा कराया गया, जिसमें कताई, बुनाई, परीक्षण प्रयोगशालाएं, रासायनिक प्रयोगशाला आदि शामिल थे।

छात्रों ने वाइंडिंग, वार्पिंग, साइज़िंग और लूम्स सहित कपड़ा मशीनरी की पूरी श्रृंखला का अवलोकन किया और उनकी कार्यप्रणाली की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण के लिए किए गए विभिन्न भौतिक एवं रासायनिक परीक्षणों को भी देखा। एक संवादात्मक सत्र के दौरान, एनआईटीआरए के विशेषज्ञों ने छात्रों के प्रश्नों का समाधान किया और स्पष्टीकरण प्रदान किए तथा कपड़ा प्रक्रियाओं के बारे में उनकी समझ को बढ़ाया।

प्रक्रिया और कार्य को देखते छात्र

एफडीडीआई-जोधपुर के छात्रों के लिए 'एक्सपोजर-कम-स्टडी' पर सूर्य नगर कढ़ाई क्राफ्ट यूनिट में दौरा

एफडीडीआई जोधपुर परिसर ने स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के छात्रों के लिए 10 अक्टूबर 2024 को, सूर्य नगर कढ़ाई क्राफ्ट यूनिट में एक 'एक्सपोजर-कम-स्टडी' दौरे का आयोजन किया गया।

इस यात्रा के दौरान, छात्रों ने पैचवर्क एवं पारंपरिक कढ़ाई की जटिल कला के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की तथा शिल्प कौशल और तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

पैचवर्क और कढ़ाई की प्रक्रिया का अवलोकन करते छात्र

सूर्य नगर कढ़ाई क्राफ्ट के श्री मनोहर लाल ने छात्रों को पैचवर्क एवं कढ़ाई की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया, जो आमतौर पर घर की सजावट की वस्तुओं जैसे कि चादरें, तकिये के कवर, दीवार पर लटकाने वाली वस्तुएं, कालीन और अन्य उत्पाद बनाने में उपयोग की जाने वाली तकनीकें हैं।

इस यात्रा ने छात्रों को वस्त्र शिल्प के क्षेत्र में विशेषज्ञों से व्यावहारिक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल हासिल करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों के लिए श्री शक्ति लेदर एंटरप्राइजेज में औद्योगिक अनुभव

एफडीडीआई चेन्नई में बी.डेस. एवं एम.डेस. फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन (एफडीपी) कार्यक्रमों के 35 छात्रों के एक समूह ने 10 अक्टूबर 2024 को तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले के क्रोमपेट में स्थित श्री शक्ति लेदर एंटरप्राइजेज का दौरा किया।

फुटविय बनाने की प्रक्रिया का अवलोकन करते छात्र

श्री शक्ति लेदर एंटरप्राइजेज, एक प्रसिद्ध निर्माता है, जो गैबोर एवं मेफिस्टो जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक ब्रांडों के लिए विभिन्न प्रकार के फुटवियर बनाती है।

कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञ, छात्रों को जानकारी देते हुए

अपने संकाय के साथ, छात्रों को चमड़े के जूते बनाने की प्रक्रिया की बारीकियों को देखने का व्यावहारिक अवसर प्रदान किया गया।

कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञ, श्री मनोज और श्री रत्न कुमार ने छात्रों को फुटवियर बनाने में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न स्वचालित मशीनों एवं उपकरणों के बारे में विस्तार से बताया। छात्रों को फुटवियर बनाने में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न सामग्रियों से भी परिचित कराया गया और उनकी विशिष्ट उत्पादन प्रक्रियाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए पोचमपल्ली हैंडलूम क्लस्टर में शैक्षिक भ्रमण

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) के बी.डेस. 2021 बैच के छात्रों ने 01 अक्टूबर 2024 को, भारत के तेलंगाना स्थित पोचमपल्ली हैंडलूम क्लस्टर का भ्रमण किया। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को पोचमपल्ली इकत साड़ी बनाने की पारंपरिक कला से परिचित कराना था।

पोचमपल्ली इक्कत साड़ी बनाने की पारंपरिक कला को देखते हुए छात्र

इस यात्रा के दौरान, छात्रों को मास्टर बुनकरों के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठित सिंगल और डबल इकत बुनाई के लाइव डिजाइन एवं उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन करने और सक्रिय रूप से भाग लेने का एक अनूठा अवसर मिला।

शहतूत रेशम से धागा बनाने के शुरुआती चरणों से लेकर डिज़ाइनिंग, टाई-एंड-डाई तकनीक और अंतिम हथकरघा बुनाई के जटिल चरणों तक, छात्रों ने इस समृद्ध वस्त्र परंपरा के हर पहलू को गहराई से समझा। लाइव प्रदर्शनों ने उन्हें हर चरण में आवश्यक सटीकता, धैर्य और कौशल की गहरी समझ प्रदान की।

छात्रों ने बुनकरों से सीधे संवाद भी किया और इस प्राचीन शिल्प के इतिहास, सांस्कृतिक महत्व एवं बारीकियों के बारे में जाना। पारंपरिक रूपांकनों से प्रेरित होकर, कुछ छात्रों ने अपने स्वयं के डिज़ाइन विचार भी प्रस्तुत किए, जिससे पोचमपल्ली इकत साड़ियों में एक समकालीन स्पर्श जुड़ गया।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों ने बुनकर सेवा केंद्र में भारतीय बुनाई की विरासत का अनुभव प्राप्त किया

एफडीडीआई चेन्नई में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) ने अपने छात्रों के लिए 27 सितंबर 2024 को बुनकर सेवा केंद्र (डब्ल्यूएससी), चेन्नई में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया।

सुश्री शशिकला, सहायक निदेशक, डिजाइन विभाग विभिन्न डिजाइन तकनीकों के बारे में बताते हुए

डब्ल्यूएससी के डिजाइन संसाधन केंद्र में डिजाइन विभाग की सहायक निदेशक सुश्री शशिकला ने छात्रों का स्वागत किया और भारतीय वस्त्रों की समृद्ध विरासत और परम्परा के बारे में जानकारी प्रदान की।

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण प्रोसेस लैब में लाइव प्रदर्शन था, जहाँ छात्रों ने ब्लॉक प्रिंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग, बाटिक और टाई-एंड-डाई जैसी पारंपरिक कपड़ा तकनीकों का अवलोकन किया। इस व्यावहारिक अनुभव ने समकालीन डिज़ाइन में रंगों, बनावटों एवं पैटर्न के रचनात्मक अनुप्रयोग की उनकी समझ को बढ़ाया।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए मेसर्स संतोष परगल एंड कंपनी में टेनरी का दौरा किया

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन, एफडीडीआई नोएडा परिसर के बी.डेस. 2022-26 बैच के छात्रों ने 19 सितंबर 2024 को हरियाणा के सोनीपत के मुरथल में स्थित एक टेनरी, मेसर्स संतोष परगल एंड कंपनी का दौरा किया।

मेसर्स संतोष परगाल एंड कंपनी में छात्र

इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को चमड़ा प्रसंस्करण और परिष्करण पद्धतियों से परिचित कराना था, साथ ही उद्योग में आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले उपकरणों एवं विभिन्न प्रकार के चमड़े के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

छात्रों ने कच्चे चमड़े से लेकर तैयार चमड़े तक, पूरी टेनरी प्रक्रिया का अवलोकन किया। प्रबंध निदेशक श्री संजय परगल ने विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रत्येक चरण के तकनीकी पहलुओं की व्याख्या की। छात्रों को गीले-नीले चमड़े को तैयार चमड़े में बदलने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई, जिससे उन्हें चमड़ा उत्पादन की पूरी प्रक्रिया की व्यापक समझ प्राप्त हुई।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नाचराम, हैदराबाद का दौरा किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के बी.डिजाइन फैशन डिजाइन छात्रों (2022 एवं 2023 बैच) के लिए 18 सितंबर 2024 को परिधान निर्माण प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने तथा छात्रों को विभिन्न विभागों के दिन-प्रतिदिन के कार्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से, शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नाचराम, हैदराबाद में एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया।

शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्र

इस यात्रा के दौरान, छात्रों ने कपड़े की सोर्सिंग, कटिंग, परिधान संयोजन, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण सहित विभिन्न विभागों का अध्ययन किया, तथा फैशन उद्योग में बड़े पैमाने पर उत्पादन से जुड़ी जटिलताओं की व्यापक जानकारी प्राप्त की।

संकाय सदस्यों के साथ, श्री हरीश कुमार और डॉ. अनुप्रिया सिंह ने परिधान उत्पादन प्रक्रियाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरण और नवीनतम सॉफ्टवेयर समाधानों सहित उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, और बताया कि कैसे नवाचार दक्षता, सटीकता और समग्र उत्पादकता को बढ़ाता है।

एफडीडीआई, फुरसतगंज के छात्रों के लिए रहमान इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उन्नाव का औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर के बी.डेस एफडीपी 2021 और 2022 बैचों के लिए सुरक्षा और सैन्य फुटवियर की विनिर्माण प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से, 18 सितंबर 2024 को रहमान इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उन्नाव में एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया।

रहमान इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उन्नाव में छात्र

यात्रा के दौरान, कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों ने छात्रों को सैन्य एवं औद्योगिक फुटवियर के लिए स्थायित्व और मजबूती की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी, तथा सुरक्षा नियमों और उद्योग मानकों के अनुपालन पर भी प्रकाश डाला।

छात्रों ने सामग्री चयन, कटाई, सिलाई, संयोजन और अंतिम उत्पादन सहित सम्पूर्ण विनिर्माण चक्र का अवलोकन किया, तथा उच्च गुणवत्ता वाले सुरक्षा और सैन्य फुटवियर बनाने के तकनीकी एवं परिचालन पहलुओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों ने तितलिया फैशन स्टूडियो का दौरा किया

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के फैशन डिजाइन छात्रों के लिए व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने तथा छात्रों को रंगाई, कढ़ाई और परिधान उत्पादन की प्रक्रियाओं से परिचित कराने के लिए, 13 सितंबर 2024 को तितलिया फैशन स्टूडियो का एक औद्योगिक दौरा आयोजित किया गया था।

तितलिया फैशन स्टूडियो में कढ़ाई कौशल सीखते हुए छात्र

तितलिया फैशन स्टूडियो अप्रयुक्त कपड़ों के साथ काम करने में माहिर है और टिकाऊ परिधान के उत्पादन में सक्रिय रूप से शामिल है।

इस यात्रा के दौरान, ५ वें एवं सातवें सेमेस्टर के बी.डेस - फैशन डिजाइन के छात्रों को, उनके संकाय के साथ, तितलिया फैशन स्टूडियो की सह-संस्थापक सुश्री तस्नीम हबीब द्वारा अप्रयुक्त कपड़े से शुरू करके परिधान निर्माण में शामिल विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी दी गई।

छात्रों ने टिकाऊ परिधान उत्पादन की व्यावहारिक जानकारी हासिल की और अप्रयुक्त कपड़े से तैयार उत्पाद तक की प्रक्रिया सीखी। उन्हें स्टूडियो के प्रमुख खंडों, जैसे स्टोर, कढ़ाई और कटिंग, से भी परिचित कराया गया, जिससे परिधान उद्योग में परिचालन संबंधी कार्यप्रणाली की उनकी समझ बढ़ी।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए शिल्पाराममम-एक शिल्प ग्राम, हैदराबाद का दौरा

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के फाउंडेशन बैच और बीबीए-आरएफएम कार्यक्रम के छात्रों ने भारत की समृद्ध डिजाइन एवं सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने और अनुभव करने के उद्देश्य से, 11 सितंबर 2024 को शिल्परमम - एक शिल्प गांव का दौरा किया।

शिल्पाराममम में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

एफडीडीआई संकाय के मार्गदर्शन में, छात्रों ने पारंपरिक कलात्मक कृतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का अन्वेषण किया तथा चित्रकला, मिट्टी के बर्तनों, शिल्प और मूर्तियों में डिज़ाइन तत्वों, कलात्मक आयामों और सतही बनावट का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया। इस यात्रा ने उन्हें भारत की समृद्ध शिल्प विरासत एवं समकालीन डिज़ाइन के लिए उसकी प्रासंगिकता की व्यावहारिक समझ प्रदान की।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए पैरागॉन अपैरल प्राइवेट लिमिटेड में औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, नोएडा परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के बी. डिजाइन एवं एम. डिजाइन के छात्रों को फैशन उद्योग में परिधान उत्पादन प्रक्रिया का समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने के उद्देश्य से, 04 सितंबर 2024 को पैरागॉन अपैरल प्राइवेट लिमिटेड में एक औद्योगिक दौरा आयोजित किया गया।

तकनीकी विशेषज्ञ छात्रों को जानकारी देते हुए

इस दौरे के दौरान, यूनिट के तकनीकी विशेषज्ञों ने पॉलिएस्टर स्पोर्ट्सवियर, पुरुषों के परिधान, महिलाओं के परिधान, बच्चों के परिधान और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की निर्माण प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्रों को संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन दिया और प्रारंभिक डिज़ाइन और योजना से लेकर अंतिम उत्पादन तक के प्रत्येक चरण की व्याख्या की, तथा उच्च-गुणवत्ता वाले परिधान बनाने में शामिल व्यवस्थित दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

एफडीडीआई फुरसतगंज के छात्रों के लिए श्रीराम इंटरनेशनल, बहादुरगढ़ में फैक्ट्री का दौरा

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के 2021-25 बैच के छात्रों के लिए बहादुरगढ़ में एक प्रसिद्ध गैर-चमड़ा फुटवियर निर्माण इकाई श्रीराम इंटरनेशनल में 10 मई 2024 को एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया।

फैक्ट्री के तकनीकी विशेषज्ञों ने छात्रों को हाल के वर्षों में विकसित नवीनतम तकनीकों एवं उपकरणों की जानकारी दी। छात्रों ने एम्बॉसिंग, वेल्डिंग, फ्यूज़िंग और स्पोर्ट्स शूज़ में इस्तेमाल होने वाले बुने हुए ऊपरी भाग बनाने जैसी प्रक्रियाओं का अवलोकन और अध्ययन भी किया। इस दौरे से ऊपरी भाग के निर्माण में पॉलिमरिक सामग्रियों के उपयोग और स्पोर्ट्स फुटवियर के ऊपरी भाग बनाने में प्रयुक्त विशेष मशीनरी के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

श्रीराम इंटरनेशनल, बहादुरगढ़ में विभिन्न ऑपरेशन देखते छात्र

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों को एसआरएल इंटरनेशनल लिमिटेड, तथा जाफरा इनसोल प्राइवेट लिमिटेड एवं डीएसएम सोल्स प्राइवेट लिमिटेड में औद्योगिक अनुभव

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के बी.डेस. और एम.डेस. एफडीपी 2021 और 2022 बैच के 60 छात्रों ने, स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय के साथ, औद्योगिक अनुभव के एक भाग के रूप में, तमिलनाडु के वेल्लोर जिले के अंबुर में स्थित तीन प्रमुख फुटवियर निर्माण इकाइयों—एसआरएल इंटरनेशनल लिमिटेड, जाफरा इनसोल प्राइवेट लिमिटेड और डीएसएम सोल्स प्राइवेट लिमिटेड—का दौरा किया। इस दौरे ने छात्रों को गैर-चमड़े के फुटवियर एवं फुटवियर कंपोनेन्टों के उत्पादन के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, जिससे उद्योग प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों की उनकी व्यावहारिक समझ बढ़ी।

क्र. सं.	कंपनी का विवरण	दौरे की तिथि	निर्मित उत्पाद	बैच का विवरण
1	एसआरएल इंटरनेशनल लिमिटेड, केलंबक्कम - वंडालूर रोड, चेन्नई, तमिलनाडु	09 मई 2024	गैर चमड़ा फुटवियर विनिर्माण	बी.डेस एफडीपी, एम.डेस एफडीपी 2021 और 2022 (60 छात्र)
2	जाफरा इनसोल प्राइवेट लिमिटेड, और डीएसएम सोल्स प्राइवेट लिमिटेड, अंबुर, वेल्लोर जिला, तमिलनाडु	21 मई 2024	इनसोल और सोल निर्माण	

एसआरएल इंटरनेशनल लिमिटेड में, छात्रों ने कच्चे माल की खरीद एवं भंडारण से लेकर बहु-परत कटिंग और स्वचालित ग्लूइंग जैसी उन्नत तकनीकों तक, गैर-चमड़े के फुटवियर बनाने की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्हें पूरी उत्पादन प्रक्रिया से परिचित कराया गया, जिसमें कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीनें, मोल्डिंग प्रक्रियाएँ, स्क्रीन प्रिंटिंग, और ऊपरी भाग और इन्सोल को तैयार करने, संयोजन, परिष्करण, गुणवत्ता नियंत्रण तथा पैकिंग से जुड़े सूक्ष्म चरण शामिल थे। यह कंपनी प्यूमा के लिए फुटवियर बनाती है, जिससे छात्रों को वैश्विक ब्रांड मानकों की जानकारी मिलती है। एसआरएल इंटरनेशनल लिमिटेड के महाप्रबंधक श्री सतीश ने छात्रों का मार्गदर्शन किया, विभिन्न सामग्रियों एवं प्रक्रियाओं की व्याख्या की और सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक उद्योग अनुप्रयोगों के बीच की खाई को प्रभावी ढंग से पाट के बारे में जानकारी प्रदान की।

एसआरएल इंटरनेशनल में अपर पार्ट्स फैब्रिकेशन में स्ट्रैप स्टिचिंग प्रक्रिया का अवलोकन करते छात्र

जाफरा इनसोल प्राइवेट लिमिटेड और डीएसएम सोल्स प्राइवेट लिमिटेड में, छात्रों ने फुटवियर कंपोनेन्ट के निर्माण की दुनिया में गहराई से जानकारी प्राप्त की, जहाँ उन्हें विभिन्न प्रकार के इनसोल, टिकाऊ शू ट्री, शू लेस और टीपीआर, पीयू, टीपीयू, ईवीए और रबर जैसी सामग्रियों से बने विविध सोल के उत्पादन को देखने का अवसर मिला, जो एकल और दोहरे रंगों में उपलब्ध हैं। जाफरा इनसोल प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक, श्री नवीद अहमद ने अपने इनसोल निर्माण प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें कच्चे माल की खरीद और भंडारण से लेकर लेज़र कटिंग और स्वचालित पीई इंजेक्शन जैसी उन्नत तकनीक के उपयोग तक सब कुछ शामिल था। उन्होंने मोल्डिंग, फिनिशिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और पैकिंग के चरणों के बारे में भी बताया, साथ ही क्लार्क्स, कोलेहान और निर्यात फुटवियर उद्योगों सहित अपने ग्राहकों के बारे में भी जानकारी दी।

जाफरा इनसोल प्राइवेट लिमिटेड में छात्र, सामग्री काटने वाले क्षेत्र में लेजर कटिंग मशीन के संचालन का अवलोकन करते हुए

इसके अलावा, डीएसएम सोल्स प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक, श्री ज़फ़र अहमद ने विभिन्न सामग्रियों का उपयोग करके विभिन्न प्रकार के सोल बनाने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। छात्रों ने प्रयुक्त सामग्रियों और रासायनिक संयोजनों के साथ-साथ पीयू इंजेक्शन सोल मोल्डिंग, टीपीआर सोल मोल्डिंग, ईवीए सोल मोल्डिंग और रबर सोल मोल्डिंग में प्रयुक्त मशीनरी के बारे में जानकारी प्राप्त की।

डीएसएम सोल्स प्राइवेट लिमिटेड में छात्र, पीयू सोल इंजेक्शन मोल्डिंग प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए

इस दौरे से छात्रों को कारखाने के दैनिक कार्यों, कच्चे माल से लेकर गैर-चमड़े के जूते, इनसोल और सोल निर्माण के तैयार उत्पादों तक की आपूर्ति श्रृंखला के बारे में अमूल्य जानकारी मिली।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए बुनकर सेवा केंद्र, बेलियाघाटा, कोलकाता में शैक्षिक दौरा

एफडीडीआई कोलकाता के छात्रों के लिए, हाथ से बुने हुए वस्त्रों की प्रक्रिया को समझने और आज की मशीनीकृत दुनिया में बुनकरों की भूमिका की सराहना करने के लिए, 3 मई 2024 को बुनकर सेवा केंद्र, बेलियाघाटा, कोलकाता में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया।

इस दौरे के दौरान, फैशन डिजाइन स्कूल (एफडी) के 35 छात्रों ने, दो संकाय सदस्यों के साथ, केंद्र में कताई, बुनाई, रंगाई, छपाई और डिजाइन की जटिल प्रक्रियाओं का अवलोकन किया।

डब्ल्यूएससी, बेलियाघाट, कोलकाता में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

डब्ल्यूएससी में ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीक का अभ्यास करते छात्र

भ्रमण के दौरान, छात्रों ने हस्तचालित करघे, अर्ध-स्वचालित करघे, बालूचरी हथकरघा और चरखे के प्रदर्शन देखे। उन्होंने ब्लॉक प्रिंटिंग प्रक्रिया का अवलोकन किया और प्रिंटिंग टेबल की विशिष्टताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने प्राकृतिक रंगों का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया और विभिन्न वनस्पति-आधारित रंगों के निष्कर्षण की प्रक्रियाओं का अन्वेषण किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने डिज़ाइन नमूना कक्ष का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने विभिन्न वस्त्र नमूनों का अध्ययन किया। सम्मेलन कक्ष में, उप निदेशक श्री राजेश चटर्जी ने छात्रों को संबोधित किया और क्लस्टर कार्यक्रमों तथा उनके द्वारा देखी गई विभिन्न इकाइयों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्रदान की।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने जीआईएलटी, हैदराबाद के टेनरी विभाग का दौरा किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के बी.डेस फाउंडेशन बैच-2023 के छात्रों ने 2 मई 2024 को, हैदराबाद, तेलंगाना में सरकारी चमड़ा प्रौद्योगिकी संस्थान (जीआईएलटी) का दौरा किया।

इस दौरे के दौरान उन्हें चमड़ा उद्योग विभाग का व्यापक अनुभव प्रदान किया गया, जिससे उन्हें चमड़ा उत्पादन से जुड़ी प्रक्रियाओं और कार्यों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हुई।

जीआईएलटी के प्रधानाचार्य श्री शेख इकबाल हुसैन ने चमड़ा उत्पादन प्रक्रिया की व्याख्या की और विभिन्न प्रकार के चमड़ा परिष्करण, वैश्विक बाजार के लिए उपयुक्त चमड़ा तैयार करने हेतु प्रयुक्त रसायनों, मशीनरी और तकनीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न चमड़ा परिष्करण प्रक्रियाओं का विस्तृत प्रदर्शन और व्याख्या भी की, जिससे छात्रों को इसमें शामिल शिल्प कौशल और तकनीक की गहन समझ प्राप्त हुई।

जीआईएलटी, हैदराबाद के प्रधानाचार्य श्री शेख इकबाल हुसैन, छात्रों को चमड़ा टैनिंग की तकनीकी जानकारी देते हुए

टेनरी प्रक्रिया को देखते छात्र

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए इंडियन टैनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में औद्योगिक दौरा

फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के फाउंडेशन बैच के 15 छात्रों के एक समूह ने 17 अप्रैल 2024 को चमड़ा उद्योग के संचालन की गहरी समझ हासिल करने के लिए, एफडीडीआई, कोलकाता परिसर स्थित स्कूल ऑफ कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स स्थित इंडियन टैनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया। स्वागत भाषण के दौरान, निदेशक श्री केविन जुनेजा ने छात्रों को निर्यातकों द्वारा बनाए रखने के लिए आवश्यक कड़े गुणवत्ता मानकों के बारे में जानकारी दी और चमड़ा उद्योग में आवश्यक सटीकता और अनुशासन पर प्रकाश डाला।

टैनिंग के बाद के ऑपरेशन देखते छात्र

छात्रों को चमड़े के माप के बारे में जानकारी देते हुए

तकनीकी विशेषज्ञ श्री सूर्य दास ने विभिन्न प्रक्रियाओं की तकनीकी जटिलताओं को समझाया और प्रत्येक विभाग के कार्यों का अवलोकन भी कराया, तथा इस बात पर प्रकाश डाला कि वे तैयार उत्पाद तक पहुंचने वाली समग्र मूल्य श्रृंखला में किस प्रकार योगदान करते हैं।

छात्रों ने चमड़ा तैयार करने की प्रक्रिया का अवलोकन किया, तथा विभिन्न प्रकार के चमड़े के परिष्करण, विभिन्न प्रकार के रसायनों, विशेष मशीनरी और वैश्विक बाजार के लिए उपयुक्त चमड़ा तैयार करने के लिए प्रयुक्त तकनीकों का अवलोकन किया।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों द्वारा 'ऑर्थो केयर और फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर' का दौरा

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के 2022 बैच के छात्रों को 16 अप्रैल 2024 को, सक्रिय शिक्षण अनुभव एवं प्रदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से, 'ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर' कोलकाता ले जाया गया।

केंद्र में, प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट विशेषज्ञ, श्री अशोक रथ ने पैर, एड़ी और टखने की शारीरिक रचना और कंडीशनिंग के बारे में बताया—जो विशेष रूप से वृद्ध लोगों के बीच बढ़ती चिंता का विषय हैं। उन्होंने पैरों के प्रकार, विकृतियों तथा जूतों की प्रभावशीलता के बीच संबंधों पर प्रकाश डाला और विकृत पैरों के प्रबंधन और उन्हें सहारा देने में ऑर्थोसिस की भूमिका पर ज़ोर दिया।

ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर' कोलकाता में संकाय और छात्र

उन्होंने उचित फिटिंग वाले जूतों के महत्व पर प्रकाश डाला, जिन्हें गहन नैदानिक परीक्षण के आधार पर डिज़ाइन किया जाना चाहिए। उन्होंने पैरों में दर्द की शुरुआत या उसके बिगड़ने से रोकने के उद्देश्य से, प्रारंभिक मूल्यांकन से लेकर अंतिम निर्माण तक, अनुकूलित जूते बनाने की पूरी प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया।

प्रोथेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट विशेषज्ञ श्री अशोक रथ पैर, एड़ी और टखने की कंडीशनिंग के बारे में जानकारी देते हुए

इस भ्रमण से छात्रों को पैरों के निदान, अनुकूलित फुटवियर के निर्माण, तथा आर्थोपेडिक अनुप्रयोगों के लिए सिंथेटिक सामग्रियों एवं उत्पादों के चयन और उपयोग के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के छात्रों के लिए औद्योगिक एवं संग्रहालय का दौरा

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के फैशन डिजाइन (एफडी) सेमेस्टर-4 और फाउंडेशन बैच – सेमेस्टर-2 के छात्रों के लिए संकाय के मार्गदर्शन में 12 एवं 13 अप्रैल 2024 को दो दिवसीय औद्योगिक और संग्रहालय की यात्रा का आयोजन किया गया।

औद्योगिक भ्रमण के दौरान, छात्रों ने भोपाल के अचारपुरा में स्थित विश्व स्तर पर प्रसिद्ध परिधान निर्माता गोकलदास एक्सपोर्ट्स का अवलोकन किया, तथा उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं एवं उद्योग प्रथाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

गोकलदास एक्सपोर्ट्स में परिधान निर्माण प्रक्रिया देखते छात्र

सुश्री सुधा, मानव संसाधन विभाग और कुशल संयंत्र टीम का नेतृत्व करने वाली एक सम्मानित महिला, ने परिधानों के बड़े पैमाने पर निर्माण के हर चरण एवं नमूना निर्माण, कठोर परीक्षण से लेकर बारीक कटाई, सिलाई और पैकेजिंग प्रक्रियाओं तक की बारीकियों को विस्तार से समझाया। विभागाध्यक्षों ने अपनी विशेषज्ञता को विनम्रतापूर्वक साझा किया और उत्पादन प्रक्रिया से जुड़ी सूक्ष्म तकनीकों और प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला।

गोकलदास एक्सपोर्ट्स की टेस्टिंग लैब में छात्र

जनजातीय संग्रहालय में छात्र

छात्रों ने जनजातीय संग्रहालय, भारत भवन एवं मानव संग्रहालय का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने मनमोहक प्रदर्शनियों और कलाकृतियों का अवलोकन किया। इस अनुभव ने उन्हें मध्य प्रदेश की जनजातीय संस्कृतियों से प्रेरित विविध जीवन शैलियों और समृद्ध डिज़ाइन प्रेरणाओं से रूबरू कराया।

प्रत्येक कलाकृति और प्रदर्शन प्रेरणा का स्रोत बना, रचनात्मकता को बढ़ावा दिया तथा नवोदित डिजाइनरों और कलाकारों की कल्पना को प्रज्वलित किया।

एक जनजातीय कला

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए रूपा एंड कंपनी लिमिटेड, हावड़ा का औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन और फाउंडेशन बैच के छात्रों के लिए 12 अप्रैल 2024 को, रूपा एंड कंपनी लिमिटेड (डोमजुर यूनिट), जालान इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, हावड़ा में एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया। एफडीडीआई संकाय के मार्गदर्शन में, 27 छात्रों के एक समूह ने विनिर्माण इकाई का दौरा किया और इसकी बुनाई, रंगाई और कटाई की प्रक्रियाओं के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

रूपा एंड कंपनी लिमिटेड में एफडीडीआई संकाय और छात्र

पद्मश्री से सम्मानित कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रहलाद राय अग्रवाल और निदेशक श्री रमेश अग्रवाल ने इस दौरे का संचालन किया। छात्रों को महाप्रबंधक श्री सिंह, प्रबंधक श्री अमित शर्मा, और श्री सौम्यो एवं श्री मृदुल करमाकर की देखरेख में बुनाई, रंगाई और कटाई इकाइयों के विभिन्न वर्गों का मार्गदर्शन दिया गया।

व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के अलावा, औद्योगिक भ्रमण से छात्रों को विनिर्माण इकाई की जटिलताओं और परिचालन वास्तविकताओं को समझने में मदद मिली, तथा उन्होंने इनरवियर से लेकर कैजुअल वियर तक बुने हुए कपड़ों की पूरी उत्पादन श्रृंखला का अवलोकन किया।

अंतिम वक्ता, ऊनी एथलेटिक कपड़ों के ब्रांड एथलोस के संस्थापक, श्री प्रवीण ढाके ने ऊनी परिधानों के लाभों पर प्रकाश डाला, जिनमें शरीर के तापमान का नियंत्रण, पसीना सोखना, जीवाणु संक्रमण या चकत्ते का कम जोखिम और समग्र आराम शामिल हैं। उन्होंने ब्रांड के पुनर्चक्रित नायलॉन और टिकाऊ प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करने पर भी चर्चा की।

एफडीडीआई के छात्र बुनाई इकाई का अवलोकन करते हुए

इसके अतिरिक्त, 'द वूल लैब' में ऊनी परिधानों में नवीनतम नवाचारों एवं मौसमी सामग्रियों को प्रदर्शित करने वाला एक क्यूरेटेड प्रदर्शन भी किया गया।

उद्योग सहयोग और समझौता ज्ञापन

एफडीडीआई, हैदराबाद और सीआईपीईटी, हैदराबाद ने फुटवियर डिजाइन एवं पॉलीमर विज्ञान में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एफडीडीआई, हैदराबाद और केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी), हैदराबाद के बीच 12 मार्च 2025 को सहयोगात्मक अनुसंधान, शैक्षणिक संवर्धन एवं तकनीकी विकास के माध्यम से फुटवियर डिजाइन और पॉलिमर विज्ञान में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

एफडीडीआई की ओर से एफडीडीआई-हैदराबाद के कार्यकारी निदेशक डॉ. नरसिंहुगारी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस और सीआईपीईटी की ओर से सीआईपीईटी-हैदराबाद के प्रधान निदेशक एवं प्रमुख श्री पी.के. साहू ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह के दौरान दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह के दौरान एफडीडीआई-हैदराबाद के साथ सीआईपीईटी-हैदराबाद के अधिकारी

इस समझौते में नवाचार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थानों की शक्तियों का लाभ उठाने हेतु, समझौते में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों सहित सहयोगात्मक पहलों को शामिल किया गया है।

मीडिया कवरेज

यह समझौता ज्ञापन सोल डिजाइन, मोल्ड विकास और टिकाऊ फुटवियर समाधानों में अत्याधुनिक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाएगा, जिससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि भारत का फुटवियर उद्योग वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन रहा है।

यह पहल अनुसंधान और नवाचार के नए अवसर पैदा करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे छात्रों और उद्योग दोनों को लाभ होगा। इससे शैक्षणिक विशेषज्ञता को उद्योग की ज़रूरतों के साथ जोड़कर फुटवियर एवं पॉलीमर क्षेत्रों में नवाचार को मज़बूती मिलने की उम्मीद है।

नए रास्ते बनाना: एफडीडीआई ने अग्रणी अनुसंधान एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

एफडीडीआई ने फुटवियर डिजाइन एवं विकास के क्षेत्र में चार समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके तकनीकी उन्नति और विशेषज्ञता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिससे उत्कृष्टता का एक उच्च मानक स्थापित हुआ है।

एफडीडीआई की ओर से, डॉ. सुमीत कुमार जारंगल, आईएएस - प्रबंध निदेशक ने, आईसीएआर - राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएनएफईटी), वॉक्ससेन विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय (टीएनपीईएसयू), चेन्नई, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), चेन्नई और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर सहित प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कार्य प्रक्रिया के संबंध में अग्रणी अनुसंधान एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ चर्चा

के साथ समझौता ज्ञापन पर 30 सितंबर 2024 को हस्ताक्षर किए गए, जबकि शेष चार पर 10 सितंबर 2024 को उद्योग भवन, नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव – एफडीडीआई, डॉ. मधुसूदन पाल, निदेशक, सीओई – एफडीडीआई, डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर- एनआईएनएफईटी; डॉ. आदित्य सक्सेना, डीन, और संतोष कोचेरलाकोटा, सहायक डीन, वॉक्सेन विश्वविद्यालय; डॉ. शिवकुमार आर, डीन, वीआईटी चेन्नई; डॉ. पी. रजनीकुमार, प्रमुख, सीईबी-एचपीसी, टीएनपीईएसबी; और प्रो. बाउरी राउला, डीन, केआईआईटी भुवनेश्वर के साथ-साथ सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सहयोगात्मक अनुसंधान पर केंद्रित इस ऐतिहासिक पहल से सभी हितधारकों — जिनमें संकाय, छात्र, उद्यमी और फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग के कर्मचारी शामिल हैं इन सभी को इन साझेदार संस्थानों द्वारा संचालित संयुक्त पाठ्यक्रमों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अपने कौशल में वृद्धि करके लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे इस क्षेत्र में नवाचार, विकास और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

ये समझौता ज्ञापन प्रारम्भ में पांच वर्ष की अवधि के लिए वैध हैं तथा इनमें उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण आर्थिक विकास और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने की क्षमता है।

एफडीडीआई, हैदराबाद ने 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' पर तेलंगाना हथकरघा और वस्त्र संगठनों के साथ सहयोग किया

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर ने 7 अगस्त 2024 को 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' पर, तीन प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए: तेलंगाना हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड, हथकरघा और वस्त्र विभाग, तेलंगाना सरकार, और तेलंगाना हथकरघा बुनकर सहकारी समिति लिमिटेड।

समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान का एक दृश्य

गणमान्य व्यक्तियों के साथ कर्मचारी एवं छात्र

इस कार्यक्रम में तेलंगाना के माननीय हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री श्री तुम्मला नागेश्वर राव और प्रधान सचिव श्रीमती शैलजा रामायर, आईएएस की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एफडीडीआई हैदराबाद के कार्यकारी निदेशक, आईएएस डॉ. नरसिंहुगारी तेज लोहित रेड्डी ने समारोह के दौरान औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। ये समझौते अकादमिक सहयोग, संयुक्त उत्पाद विकास, बाज़ार सर्वेक्षण और डिज़ाइन एवं परामर्श परियोजनाओं पर केंद्रित हैं। इनका उद्देश्य राज्य में परिधान पार्कों के माध्यम से उद्योग संबंधों को मज़बूत करना, पारस्परिक लाभ के लिए सहयोगात्मक पहलों को बढ़ावा देना और स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों और व्यापक परिधान उद्योग सहित उद्यमशील उपक्रमों को समर्थन देना है। इसके अतिरिक्त, यह साझेदारी पूरे तेलंगाना में जैविक रंगाई इकाइयों के विकास में सहायक होगी।

फैशन डिज़ाइन स्कूल के विभागाध्यक्ष श्री अरुण कुमार गायकवाड़ तथा अन्य विभागाध्यक्षों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। फैशन डिज़ाइन स्कूल के संकाय सदस्यों और छात्रों ने समारोह और साथ में आयोजित प्रदर्शनी, जिसमें छात्रों द्वारा बनाए गए हथकरघा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, दोनों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एफडीडीआई सीओई और पीडीयूएनआईपीपीडी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एमओयू के आदान-प्रदान का एक दृश्य

एफडीडीआई के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) और पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान (दिव्यांगजन) (पीडीयूएनआईपीपीडी) के बीच विष्णु दिगंबर मार्ग, नई दिल्ली में 18 जुलाई 2024 को, एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

पीडीयूएनआईपीपीडी भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है, जो सभी आयु वर्ग के शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की सेवा के लिए समर्पित है।

पीडीयूएनआईपीपीडी और एफडीडीआई के बीच सहयोग का उद्देश्य एक व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से फुटवियर में ऑर्थोटिक तकनीकों को आगे बढ़ाना है। इसके प्रमुख क्षेत्रों में बायोमैकेनिक्स एवं सामग्रियों पर संयुक्त अनुसंधान, एफडीडीआई की डिज़ाइन विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए उत्पाद विकास, और सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रसार हेतु शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं।

एफडीडीआई की ओर से, कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/प्रबंध निदेशक ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि संस्थान की ओर से पीडीयूएनआईपीपीडी के निदेशक डॉ जितेंद्र शर्मा ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर के अवसर पर सीओई निदेशक डॉ. मधुसूदन पाल के साथ-साथ एफडीडीआई के अन्य संकाय और कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी), नई दिल्ली में भारत सरकार के माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में 22 जुलाई 2024 को समझौता ज्ञापन का औपचारिक रूप से आदान-प्रदान किया गया।

एफडीडीआई और ईडीआईआई, गांधीनगर, गुजरात के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एफडीडीआई और उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), भाट, गांधीनगर, गुजरात के बीच उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, नीति अनुसंधान और ऊष्मायन को बढ़ावा देने के लिए, 2 जुलाई 2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एफडीडीआई की ओर से, प्रबंध निदेशक, कर्नल पंकज कुमार सिन्हा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि ईडीआईआई की ओर से ग्रामीण परियोजनाओं के निदेशक डॉ. राजेश गुप्ता ने हस्ताक्षर किए।

उद्यमशीलता प्रतिभा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बैठक जारी

इस समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों संगठन उद्यमिता के लिए एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने हेतु रणनीतियों एवं हस्तक्षेपों पर सहयोगात्मक रूप से काम करेंगे। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में इनक्यूबेशन सहायता, उद्यम त्वरण, संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी), उद्यमिता पर वेबिनार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और पेटेंट में सहायता, चल रही ईडीआईआई परियोजनाओं में छात्र प्रशिक्षण और इंटर्नशिप, चमड़ा प्रभाव पहलों पर सहयोग, विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त शिल्प परियोजनाएँ, और संयुक्त अल्पकालिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर ने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 25 जून 2024 को अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

ये कार्यक्रम फुटवियर डिजाइन एवं रिटेल व्यापार पर केंद्रित होंगे, जिनका उद्देश्य विशेष रूप से कोयला खनन क्षेत्रों में विस्थापित और बेरोजगार युवाओं को लाभ पहुंचाना होगा।

एफडीडीआई की ओर से, डॉ. प्रदीप मंडल, विभागाध्यक्ष – फैशन डिज़ाइन (एफडी) एवं केंद्र प्रभारी, एफडीडीआई छिंदवाड़ा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि डब्ल्यूसीएल की ओर से महाप्रबंधक (एचआरडी) श्री पी. नरेंद्र कुमार ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में डब्ल्यूसीएल की ओर से मुख्य प्रबंधक (खनन) श्री पी.जे. बेदरकर, विभागाध्यक्ष – रिटेल, डॉ. विनीत वर्मा और एफडीडीआई की ओर से सहायक प्रबंधक – एसए एवं ईडी श्री आशीष वानखेड़े, तथा डब्ल्यूसीएल मुख्यालय के अधिकारी उपस्थित थे।

डब्ल्यूसीएल द्वारा प्रायोजित, विनिर्माण एवं रिटेल दोनों पहलुओं को कवर करने वाले सावधानीपूर्वक तैयार किए गए चार महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कौशल अंतर को पाटना, रोजगार क्षमता को बढ़ाना और प्रतिभागियों को सफल करियर के लिए तैयार करना है, जिससे महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कोयला खनन क्षेत्रों के आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

पुरस्कार और मान्यताएं

एफडीडीआई ने स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार जीता

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसे स्वच्छ भारत अभियान के नाम से जाना जाता है। इस राष्ट्रीय मिशन के अनुरूप, एफडीडीआई अपने बारह परिसरों में हर साल स्वच्छता पखवाड़ा मनाता है, और इस पहल का प्रभाव एवं भागीदारी साल दर साल बढ़ती जा रही है।

स्वच्छता, अभिलेख प्रबंधन, स्थान अनुकूलन तथा स्क्रैप निपटान के प्रति एफडीडीआई के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए, संस्थान को भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत सभी संगठनों के बीच स्वच्छता पखवाड़ा 2023 में तीसरा स्थान दिया गया।

बाएं से: श्री राजीव कुमार जैन, डीपीआईआईटी अधिकारी, श्री मनोज अग्रवाल, सीएओ, एफडीडीआई को पुरस्कार प्रदान करते हुए

एफडीडीआई, हैदराबाद संकाय को आंध्र प्रदेश चित्रकला पेन्निधि पुरस्कार राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया

एफडीडीआई - हैदराबाद परिसर में चमड़ा सामान एवं सहायक उपकरण डिजाइन (एलजीएडी) संकाय डॉ. रामबाबू मुप्पीदी को 3 नवंबर 2024 को, प्रतिष्ठित आंध्र प्रदेश चित्रकला पेन्निधि पुरस्कार राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार आंध्र प्रदेश के ओंगोल में कल्याणा, श्रुस्ति कला अकादमी एवं नेस्टमेकेरे द्वारा आयोजित ओंगोल आर्ट फेस्ट 2024 के दौरान प्रदान किया गया था। डॉ. मुप्पीदी को यह सम्मान गुप्त काल की स्थापत्य भव्यता से प्रेरित उनकी कलाकृति के लिए मिला, जिसे कैनवास पर ऐक्रेलिक रंगों का उपयोग करके बनाया गया था।

डॉ. रामबाबू मुप्पीदी, संकाय, एलजीएडी, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर

पुरस्कार ग्रहण करते डॉ. रामबाबू मुप्पीदी

पुरस्कार ग्रहण करते डॉ. रामबाबू मुप्पीदीडॉ. रामबाबू मुप्पीदी को दिया गया प्रमाण पत्र

यह सम्मान, श्री दमाचरला जनार्दन, विधायक, डॉ थिम्मिरी रवींद्र, अकादमी के संस्थापक और समकालीन कलाकार श्री शेषा ब्रह्मा द्वारा प्रदान किया गया जिसमें एक प्रमाण पत्र, एक स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र शामिल थे। इस अवसर पर, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कई अन्य प्रतिभागी कलाकार उपस्थित थे।

एफडीडीआई, बनूर की संकाय को 'अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार 2024' समारोह के दौरान सम्मानित किया गया

एफडीडीआई - बनूर परिसर में फैशन डिजाइन (एफडी) की संकाय डॉ. पूजा सिंह को विश्व रिकॉर्ड धारक एनजीओ, सक्षम सोसाइटी, जयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 समारोह में सम्मानित किया गया।

डॉ. पूजा सिंह, संकाय, एफडी

प्रशंसा पत्र

विश्व शिक्षक दिवस 05 अक्टूबर 2024 को हमारे जीवन को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के सम्मान में मनाया जाता है।

एनसीवीईटी द्वारा एफडीडीआई को 'मूल्यांकन एजेंसी' एवं 'उपाधि प्रदाता संस्था' के रूप में मान्यता दी गई

एफडीडीआई को 27 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा एक मूल्यांकन एजेंसी एवं उपाधि प्रदाता संस्था के रूप में मान्यता दी गई थी। एबी-डुअल के रूप में एनसीवीईटी मान्यता प्राप्त करने के लिए सभी अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद, एफडीडीआई ने नई दिल्ली में एनसीवीईटी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके इस उपलब्धि को औपचारिक रूप दिया।

बाएं से: डॉ. सुमीत कुमार जारंगल, आईएएस - एमडी, एफडीडीआई, श्री अतुल कुमार तिवारी, आईएएस, सचिव, एमएसडी और अध्यक्ष, एनसीवीईटी एवं कर्नल संतोष कुमार, निदेशक, एनसीवीईटी 'एमओयू के आदान-प्रदान' के दौरान

एनसीवीईटी की ओर से एनसीवीईटी के निदेशक कर्नल संतोष कुमार तथा एफडीडीआई की ओर से एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. सुमीत कुमार जारंगल, आईएएस ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के सचिव एवं एनसीवीईटी के अध्यक्ष श्री अतुल कुमार तिवारी, आईएएस भी उपस्थित थे।

एनसीवीईटी भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय नियामक के रूप में कार्य करता है, जिसका कार्य मानक निर्धारित करना, विनियम बनाना एवं कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है।

एफडीडीआई को एक मूल्यांकन एजेंसी के रूप में, अब रिटेल, फैशन, फुटवियर और चमड़े के सामान के क्षेत्रों में राष्ट्रीय कौशल योग्यता समिति (एनएसक्यूसी) द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों के पूरा होने पर प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन करने का अधिकार है। एक उपाधि प्रदाता संस्था के रूप में, एफडीडीआई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुरूप प्रमाणपत्र प्रदान करने, योग्यताएँ बनाने और विकसित करने का अधिकार है।

एफडीडीआई, नोएडा के संकाय को राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी - 'मेरे देश के धागे' के दौरान सम्मानित किया गया

एफडीडीआई, नोएडा परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के वरिष्ठ संकाय (एसएफ) श्री राजेश कुमार शर्मा को जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई) विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी - 'मेरे देश के धागे' के दौरान सम्मानित किया गया।

श्री राजेश कुमार शर्मा, वरि. संकाय, एफडी अपनी बुनाई कला के साथ

श्री राजेश कुमार शर्मा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के ललित कला संकाय ने टेक्सटाइल कार्टोग्राफी के सहयोग से 14 से 23 अगस्त 2024 तक एम.एफ. हुसैन गैलरी, जेएमआई, नई दिल्ली में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन जेएमआई के कार्यवाहक कुलपति प्रो. मोहम्मद शकील ने जेएमआई के रजिस्ट्रार श्री एम. नसीम हैदर की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

इस कार्यक्रम में पूरे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों और कॉलेजों के लगभग 121 कलाकारों ने वस्त्रों के माध्यम से अपनी कलात्मक एवं सौंदर्यपरक खोजों का प्रदर्शन किया। श्री राजेश को बुनाई शिल्प में उनकी असाधारण रचनात्मक एवं कलात्मक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित और पुरस्कृत किया गया।

एफडीडीआई की उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए - सुश्री अनन्या भारद्वाज ने इंडियास्किल्स 2024: भारत की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता

एफडीडीआई की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एलजीएडी), एफडीडीआई - नोएडा परिसर की छात्रा सुश्री अनन्या भारद्वाज ने इंडियास्किल्स 2024 - भारत की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता में लेदर गारमेंट्स एंड एक्सेसरीज़ श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। 2020-2024 बैच की बी.डेस. एलजीएडी की छात्रा, उन्होंने अपने बारीकी से तैयार किए गए चमड़े के परिधान से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय फाइनल 17 से 19 मई 2024 तक यशोभूमि, द्वारका में आयोजित किया गया था, जिसमें 30 से अधिक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 900 से अधिक छात्रों और 400 से अधिक उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया था।

सुश्री अनन्या भारद्वाज द्वारा बनाए गए चमड़े के परिधान को देखते हुए निर्णायक सदस्य

इंडियास्किल्स 2024 में स्वर्ण पदक के साथ सुश्री अनन्या भारद्वाज

इंडियास्किल्स 2024 में पारंपरिक शिल्प से लेकर उन्नत तकनीकों तक, 61 कौशल श्रेणियों को शामिल किया गया। कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात में 47 प्रतियोगिताएँ ऑन-साइट एवं 14 ऑफ-साइट आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने ड्रोन फिल्म निर्माण, कपड़ा बुनाई, चमड़ा फुटवियर निर्माण और प्रोस्थेटिक्स मेकअप सहित 9 प्रदर्शनी कौशलों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सरहद केसरी 08

फाजिल्का की बेटी अनन्या भारद्वाज ने इंडिया स्किल 2024 में गोल्ड मैडल जीता

मीडिया कवरेज

स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) पोर्टल के माध्यम से लगभग 2.5 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 26,000 को प्री-स्क्रीनिंग के माध्यम से शॉर्टलिस्ट किया गया। राज्य और जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के बाद, अंतिम चयनकर्ताओं की संख्या 900 तक सीमित हो गई। इस आयोजन को 400 से अधिक उद्योग और शैक्षणिक भागीदारों का समर्थन प्राप्त था, जिनमें टोयोटा किर्लोस्कर, ऑटोडेस्क, जेके सीमेंट, मारुति सुजुकी, श्नाइडर इलेक्ट्रिक और लॉरियल शामिल हैं।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा ने इंडियास्किल्स 2024: भारत की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता में फुटवियर निर्माण में 'कांस्य पदक' जीता

एफडीडीआई - चेन्नई परिसर के दो छात्रों, सुश्री ऋतुनंदा आर और श्री मिहाल शादुली ने भारत की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता, इंडियास्किल्स 2024 में फुटवियर निर्माण श्रेणी में कांस्य पदक जीता। स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), बी.डेस. (बैच 2020-24) के दोनों छात्रों ने मार्च 2024 में क्षेत्रीय प्रतियोगिता से अपनी यात्रा शुरू की। उनकी लगन एवं दृढ़ता ने उन्हें 15 से 19 मई 2024 तक यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय फाइनल तक पहुँचाया।

फाइनल में, प्रतिभागियों को पाँच विशिष्ट मॉड्यूल में कुल 16 घंटों में महिलाओं के लिए औपचारिक फुटवियर बनाने की चुनौती दी गई थी। आयोजकों द्वारा सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई, जिससे निष्पक्ष और समान अवसर सुनिश्चित हुए।

उनकी सफलता का एक प्रमुख कारण चमड़ा क्षेत्र कौशल परिषद (एलएसएससी) द्वारा आयोजित गहन बूट कैंप था, जिसने प्रतिभागियों को अपने तकनीकी कौशल को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद की। इस कठोर प्रशिक्षण ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निर्णायक सदस्यों के साथ 'फुटवियर निर्माण' श्रेणी के विजेता

'कांस्य पदक' के साथ सुश्री ऋतुनंदा आर

'कांस्य पदक' के साथ श्री मिहाल शादुली

दोनों छात्रों ने इस प्रतियोगिता को एक समृद्ध अनुभव बताया, जिसने न केवल उन्हें सीखने एवं प्रतिस्पर्धा करने का अवसर दिया, बल्कि एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करने का भी अवसर दिया। इंडियास्किल्स सिर्फ़ प्रतिभा प्रदर्शन का एक मंच ही नहीं, बल्कि फुटवियर निर्माण के क्षेत्र में उनके भविष्य के विकास के लिए एक आधारशिला भी साबित हुआ।

एफडीडीआई हैदराबाद के छात्र की 'कलाकृति' माधुरी-फीचर्ड आर्ट में प्रकाशित हुई

सुश्री अन्नेसा मन्ना की जलरंग कृति "बृंदावन - राधा माधव" माधुरी पत्रिका में 30 अप्रैल, 2024 को, प्रकाशित हुई, जिसने दिव्य प्रेम के अपने मनमोहक चित्रण से कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एफडीडीआई - हैदराबाद परिसर में फाउंडेशन बैच की छात्रा, उनकी कलाकृति को आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना में व्यापक रूप से पढ़ी जाने वाली इस लोकप्रिय प्रिंट पत्रिका द्वारा प्राप्त 150 प्रस्तुतियों में से चुना गया था।

'माधुरी' पत्रिका का कवर पेज

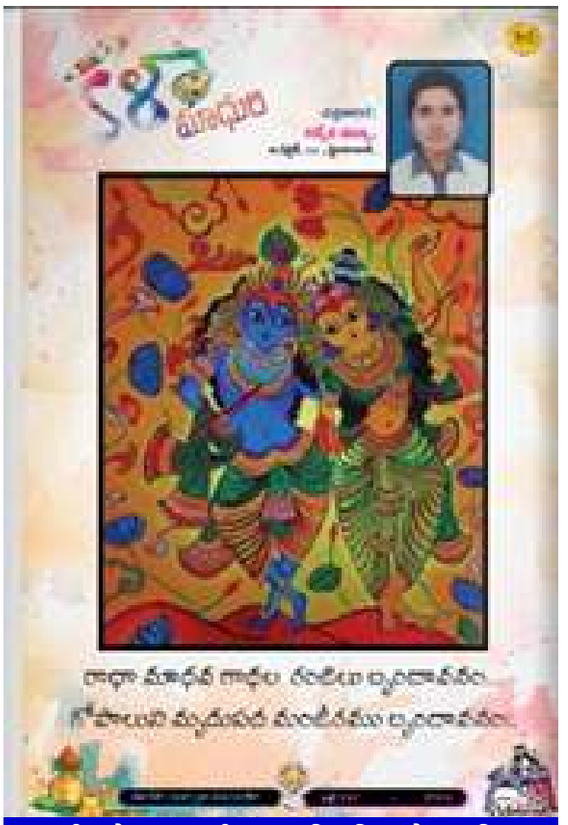

सुश्री अन्नेसा मन्ना की कलाकृति पत्रिका में प्रकाशित

पत्रिका के विशेष कला अंक में प्रदर्शित यह पेंटिंग दर्शकों को बृंदावन के अलौकिक लोक में ले जाती है, जहाँ प्रेम और भक्ति के प्रतीक राधा और माधव प्रकृति के जीवंत रंगों के बीच मनोहर नृत्य करते हैं। नाज़ुक ब्रशस्ट्रोक और प्रकाश व छाया के कुशल खेल के माध्यम से, कलाकार राधा और कृष्ण के शाश्वत प्रेम को खूबसूरती से जीवंत कर देते हैं।

फैशन शो एवं प्रदर्शन

एफडीडीआई, रोहतक ने अमर उजाला के सहयोग से 'प्रथम अमर उजाला हरियाणा क्वीन्स प्रतियोगिता 2025' का आयोजन

एफडीडीआई रोहतक परिसर ने अमर उजाला के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, 8 मार्च 2025 को 'प्रथम अमर उजाला हरियाणा क्वीन्स प्रतियोगिता 2025' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री भारती डबास, आईपीएस – एचपीएस पुलिस अधीक्षक कमांडेंट उपस्थित रहीं, जबकि सुश्री मंजीत मलिक (डीईओ), डॉ. मंजू मलिक (रजिस्ट्रार, डीएलएस एसयूपीवीए), और सुश्री मंजू मान (कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई, नोएडा) मुख्य अतिथि थीं और उन्हें अमर उजाला के संपादक श्री योगेश दीक्षित द्वारा सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता में 60 उल्लेखनीय महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा अपने समर्पण और अनुकरणीय कार्य से दूसरों को प्रेरित किया है।

एफडीडीआई रोहतक परिसर की कार्यकारी निदेशक सुश्री सरिता दुहन ने समाज में महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के महत्व पर ज़ोर देते हुए एक विचारोत्तेजक भाषण दिया। उन्होंने बहुमूल्य जानकारी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए, उपस्थित लोगों को महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

समाज में योगदान के लिए महिलाओं को सम्मानित करते हुए

एफडीडीआई रोहतक की छात्रा सुश्री श्रुति झा को 'बेस्ट क्लासिक क्वीन' का पुरस्कार दिया गया।

एफडीडीआई रोहतक के छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'शक्ति और सहयोग' नामक एक मनमोहक फैशन शो ने अतीत से लेकर वर्तमान तक महिलाओं की भूमिका और स्थिति में आए बदलाव को खूबसूरती से चित्रित किया। अपने रचनात्मक और भावपूर्ण डिज़ाइनों के माध्यम से, छात्रों ने महिला सशक्तिकरण की यात्रा को उजागर किया, महिलाओं के अधिकारों, स्वतंत्रताओं और सामाजिक योगदान के विकास को दर्शाया। फैशन, कला और सामाजिक टिप्पणियों के सहज मिश्रण वाले इस प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एफडीडीआई, रोहतक के छात्रों द्वारा प्रस्तुत फैशन शो 'शक्ति और सहयोग' का एक दृश्य

प्रतियोगियों का मूल्यांकन, निर्णायक सदस्यों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. सारा कादियान (मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड 2018, टेक्सटाइल डिजाइनर और सामाजिक कार्यकर्ता), सुश्री श्वेता चुघ (इन्फ्लुएंसर मॉडल, पूर्व शिक्षिका और मालाबार डायमंड मॉडल), डॉ. रागिनी (मिसेज क्लासिक यूनिवर्स यूएसए, सामाजिक कार्यकर्ता और सरकारी कर्मचारी पुरस्कार विजेता), और सुश्री तनिषा गुप्ता (सुश्री हरियाणा क्वीन 2023, उभरती फुटवियर डिजाइनर और एफडीडीआई रोहतक की छात्रा) शामिल थीं।

इस अवसर पर दो विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए: सुश्री मुस्कान को 'सर्वश्रेष्ठ मुस्कान', तथा सुश्री श्रुति झा को 'सर्वश्रेष्ठ क्लासिक क्वीन', दोनों ही एफडीडीआई रोहतक की छात्राएं हैं।

एफडीडीआई, जोधपुर द्वारा ईपीसीएच के सहयोग से फैशन शो - 'कनेक्ट द सोल' का आयोजन

कलाकृति मेला 23 जनवरी 2025 को हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) व्यापार सुविधा केंद्र (टीएफसी), बोरानाडा में आयोजित किया गया था और इसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया था।

इस भव्य आयोजन के एक हिस्से के रूप में, एफडीडीआई जोधपुर के डिज़ाइनरों ने ईपीसीएच के सहयोग से आयोजित 'कनेक्ट द सोल' थीम पर एक मनमोहक फैशन शो प्रस्तुत किया। इस शो में स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन के तहत विकसित असाधारण डिज़ाइनों को प्रदर्शित किया गया, जहाँ छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ रैंप पर अपनी रचनात्मकता, नवीनता और कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा, ईपीसीएच के सीओए श्री हंसराज बाहेती, प्रसिद्ध निर्यातक श्री निर्मल भंडारी, एएफआरआई के निदेशक डॉ. तरुण कांत और एफडीडीआई जोधपुर के कार्यकारी निदेशक श्री अनिल कुमार शामिल थे।

यह कार्यक्रम रचनात्मकता, शिल्प कौशल एवं नवाचार का एक शानदार उत्सव था, जिसमें पारंपरिक कलात्मकता और समकालीन फैशन डिजाइन के सम्मिलन को उजागर करने के लिए छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों और फैशन के प्रति उत्साही लोगों को एक साथ लाया गया।

एफडीडीआई के छात्र अपना संग्रह प्रस्तुत करते हुए

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'अवतरण 2024' आयोजित किया गया

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हथकरघा को बढ़ावा देने के लिए, पारंपरिक भारतीय परिधानों पर एक फैशन शो, 'अवतरण 2024', 13 नवंबर 2024 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी, विशेष रूप से जेन- जेड को साड़ी और धोती सहित क्षेत्रीय परिधानों की बहुमुखी प्रतिभा एवं कलात्मकता से परिचित कराना था।

'अवतरण 2024' के दौरान छात्र अपना संग्रह प्रदर्शित करते हुए

इस फैशन शो के निर्णायक मंडल में एनआईएफटी हैदराबाद की सहायक प्रोफेसर सुश्री मधुप्रिया झा ठाकुर और एफडीडीआई हैदराबाद के वरिष्ठ संकाय श्री सी. वेणुगोपाल शामिल थे।

सुश्री श्रुति वल्लूरी को 'शोस्टॉपर' चुना गया, जबकि सुश्री अनन्या चौधरी को 'सर्वश्रेष्ठ मॉडल' का खिताब मिला। सुश्री श्रीनिता विनोद और श्री प्रियांशु निगम को क्रमशः उत्कृष्ट मॉडल रनर-अप प्रथम और द्वितीय का खिताब मिला।

एफडीडीआई, रोहतक में 'मिस एंड मिसेज रोहतक क्वीन' प्रतियोगिता 2024 आयोजित

एफडीडीआई रोहतक परिसर में रोहतक शहर में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने एवं उनकी ताकत, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का जश्न मनाने के उद्देश्य से, 'मिस एंड मिसेज रोहतक क्वीन' प्रतियोगिता 2024 26 अक्टूबर 2024 को आयोजित की गई थी।

यह कार्यक्रम अमर उजाला द्वारा एफडीडीआई रोहतक और एलपीएस बोसार्ड के सहयोग से आयोजित किया गया था, और इसमें 55 आश्चर्यजनक प्रतियोगियों की भागीदारी देखी गई। प्रतियोगिता के दौरान, सुश्री तृप्ति प्रकाश मिश्रा को 'मिस रोहतक क्वीन' का ताज पहनाया गया, जबकि श्रीमती प्रीति को 'मिसेज रोहतक क्वीन' का खिताब दिया गया।

प्रतियोगिता के विजेता

प्रतियोगिता के विजेता

एफडीडीआई रोहतक के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) की छात्रा सुश्री अविका नेगी को 'मोस्ट टैलेंटेड क्वीन' का खिताब दिया गया, जबकि एफडीडीआई रोहतक के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) की छात्रा सुश्री तमन्ना को 'ब्यूटी विद ब्रेन' का पुरस्कार मिला।

इस कार्यक्रम के दौरान, 21 उत्कृष्ट महिलाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान, समर्पण एवं समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का संचालन एफडीडीआई रोहतक की प्रतिभाशाली पूर्व छात्रा सुश्री नूपुर ने खूबसूरती से किया, जिनकी विशेषज्ञता ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया और सभी उपस्थित लोगों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी।

एफडीडीआई, बनूर परिसर में 'ग्रेजुएशन फैशन शो - ट्रेंड वॉक-3' का आयोजन

एफडीडीआई बनूर परिसर में 17 मई 2024 को एक शानदार 'ग्रेजुएशन फैशन शो – ट्रेंड वॉक-3' आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य एफडीडीआई के फैशन डिजाइन कार्यक्रम से स्नातक छात्रों की रचनात्मकता, कौशल एवं नवाचार को प्रदर्शित करना था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एफडीडीआई के सचिव/प्रबंध निदेशक कर्नल पंकज कुमार सिन्हा जबकि प्रमुख उद्योगपति श्री कृष्ण मधोक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में उद्योग जगत के पेशेवर, शिक्षाविद, फैशन विशेषज्ञ, ब्लॉगर, मीडिया प्रतिनिधि, अभिभावक, छात्र और एफडीडीआई के कर्मचारी शामिल थे।

एफडीडीआई बनूर परिसर की कार्यकारी निदेशक (ईडी), सुश्री प्रज्ञा सिंह, आईआरएस ने अपने स्वागत भाषण में कहा, "एफडीडीआई के नवोदित डिजाइनरों ने संस्थान में अर्जित रचनात्मकता एवं कौशल का प्रदर्शन किया है। मैं उद्योग जगत से इन भावी नेताओं को अवसर प्रदान करने का आग्रह करती हूँ जो वैश्विक निर्यात बाजार की उभरती ज़रूरतों को पूरा करते हुए भारतीय विरासत को आगे बढ़ाएँगे।"

अपना संग्रह प्रस्तुत करते छात्र

इस कार्यक्रम में कुल 29 संग्रह, जिनमें से प्रत्येक को एक स्नातक छात्र ने तैयार किया था, दर्शकों के सामने प्रदर्शित किए गए, जिनमें पारंपरिक परिधान, आधुनिक वस्त्र, अत्याधुनिक डिज़ाइन एवं टिकाऊ फैशन की एक प्रभावशाली श्रृंखला शामिल थी। संग्रह के जीवंत रंग, नवीन कट और बारीक डिज़ाइन ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

इन संग्रहों का मूल्यांकन निर्णायक सदस्यों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया, जिसमें एफडीसीआई के निदेशक श्री राजा प्रताप, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में फैशन डिज़ाइन विभागाध्यक्ष डॉ. शालिनी गौर, चितकारा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डॉ. वंदना गुप्ता और एसोसिएट प्रोफेसर एवं फ्रीलांस विशेषज्ञ डॉ. राहुल धीमान शामिल थे। रैंप शो के दौरान छात्रों के डिज़ाइनों को उनकी रचनात्मकता और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए खूब सराहना एवं प्रशंसा की गई।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर द्वारा 'शुभ कदम' और 'ऑरोरा' 2024 प्रतिभा का एक भव्य प्रदर्शन

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर ने 4 मई 2024 को, फुटवियर फैशन शो प्रतियोगिता 'शुभ कदम' और वीआर चेन्नई में ग्रेजुएशन फैशन शो 'ऑरोरा' के माध्यम से छात्र प्रतिभा का एक भव्य प्रदर्शन आयोजित किया। उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्रों, अभिभावकों और आम जनता सहित लगभग 800 दर्शकों की उपस्थिति वाले इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) और स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) के एफडीडीआई के अंतिम वर्ष के छात्रों के असाधारण कौशल एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया।

'शुभ कदम' फुटवियर फैशन शो प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल को सम्मानित करते हुए

एफडीपी के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष और एम.डेस प्रोग्राम के छात्रों ने 'शुभ कदम' के दौरान, टीमों में भाग लिया, जिसमें 9 समूहों ने अपने अभिनव फुटवियर संग्रह प्रस्तुत किए। इस खंड के निर्णायक मंडल में उद्योग जगत के प्रतिष्ठित पेशेवर- सुश्री अमृता तिवारी, सोर्सिंग समन्वयक, रंडा एक्सेसरीज़; सुश्री कुमारी सोनी, कोकून की मालिक और एफडीडीआई नोएडा की पूर्व छात्रा; और श्री फयाज़, डिज़ाइनर, केएच शूज़ शामिल थे।

'शुभ कदम' के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुति

'ऑरोरा' में, छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से अपने डिज़ाइन संग्रह प्रस्तुत किए, जिसमें फुटवियर और फैशन डिज़ाइन, दोनों ही प्रस्तुत किए गए। फुटवियर श्रेणी के निर्णायक मंडल में ज़ीश शूज़ प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और निदेशक, श्री जीशान; भारतीय इंटरनेशनल लिमिटेड की मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग की सहायक उपाध्यक्ष, सुश्री कुमुधा सुरेश; और एवीटी लेदर एंड एलाइड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के उत्पाद विकास के वरिष्ठ प्रबंधक, श्री वेंकटेश्वर राव शामिल थे। फैशन श्रेणी के निर्णायक मंडल में सेलिब्रिटी डिज़ाइनर और एफडीडीआई की पूर्व छात्रा, सुश्री बिनीता; और डिज़ाइन सलाहकार, सुश्री प्रीति शामिल थीं।

'शुभ कदम' के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुति

इस कार्यक्रम को सॉलिडारिडाड, मैथिसन प्राइवेट लिमिटेड, लैक्मे एकेडमी, डीक्यू लैब्स, यूनिक इवेंट्स, गुड लेदर शूज प्राइवेट लिमिटेड, सेरेन शूज, शूलाइन, निरामया, केएच ग्रुप, रजा, प्राइमो शूज, अयप्पा एंटरप्राइजेज और बालामुर्गन टैनर्स द्वारा गर्व से प्रायोजित किया गया था।

इस शो में रचनात्मकता, शिल्प कौशल एवं नवाचार का अद्भुत प्रदर्शन हुआ, जो एफडीडीआई में पोषित असाधारण प्रतिभा को दर्शाता है। छात्रों के काम को निर्णायक मंडल एवं दर्शकों, दोनों से ज़बरदस्त सराहना मिली, जिसने डिज़ाइन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को उजागर किया और इस आयोजन को युवा डिज़ाइनरों की उपलब्धियों का एक यादगार उत्सव बना दिया।

बाएं से: श्री एम. सुंदरेसन, कार्यकारी निदेशक - एफडीडीआई चेन्नई परिसर, एफडीडीआई के सर्वश्रेष्ठ आउटगोइंग छात्र को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में फैशन शो 'फीस्ट-ए-फैशन 3.0: ए नाइट ऑफ ग्लैमर एण्ड इनोवेशन' के दौरान प्रस्तुत डिज़ाइन संग्रह

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर ने 27 अप्रैल 2024 को फैशन शो 'फीस्ट-ए-फैशन 3.0: ए नाइट ऑफ ग्लैमर एंड इनोवेशन' की मेजबानी की, जहां स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के 2020-24 कक्षा के स्नातक छात्रों ने अपने डिजाइन संग्रह प्रदर्शित किए।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों शान और हर्ष मिर्जा की विशेषज्ञ कोरियोग्राफी के तहत रनवे को नवाचार एवं अभिव्यक्ति के एक शानदार मंच में बदल दिया गया, जिसने फैशन परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी।

इस शो में प्रदर्शित संग्रह वाकई असाधारण थे, जो छात्रों की असीम कल्पनाशीलता एवं कलात्मक प्रतिभा को दर्शाते थे। पारंपरिक फैशन की सीमाओं को लांघने वाली अत्याधुनिक कृतियों से लेकर सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित जटिल रूप से तैयार किए गए परिधानों तक, हर परिधान जुनून, रचनात्मकता और नवीनता की कहानी बयां करता था।

अपने डिजाइन संग्रह का प्रदर्शन करते छात्र

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, सवाना कॉलेज ऑफ़ आर्ट एंड डिज़ाइन, अटलांटा, अमेरिका की सुश्री रिया जैन की उपस्थिति से शोभा और भी बढ़ गई, उनकी गहन टिप्पणियों एवं प्रोत्साहन भरे शब्दों ने नवोदित डिज़ाइनरों को प्रेरित किया तथा उन्हें फैशन की दुनिया में मौजूद असीम संभावनाओं एवं अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की।

छात्र अपनी रचनात्मकता एवं नवीनता को, सावधानीपूर्वक तैयार किए गए डिज़ाइन संग्रह के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए

सुश्री निकिता सिन्हा को उनके नवोन्मेषी एवं कल्पनाशील डिज़ाइनों के लिए सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक डिज़ाइन संग्रह पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि सुश्री आस्था देहरिया को उनकी बाज़ार-उन्मुख डिज़ाइन संवेदनशीलता के लिए सर्वाधिक व्यावसायिक संग्रह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, टीन खंडैत को उनके उत्कृष्ट पोशाक निर्माण कौशल, सुश्री करीना बोबड़े को उनकी असाधारण तकनीकी विशेषज्ञता और सुश्री सलोनी दरबारे को उनकी सतह अलंकरण में निपुणता के लिए सम्मानित किया गया, जिससे स्नातक छात्रों की विविध प्रतिभाओं को उजागर किया गया।

इंडिया स्टाइल फैशन वीक के सहयोग से एफडीडीआई का 'फैशन ब्लेज़न 2024' आयोजित

एफडीडीआई द्वारा इंडिया स्टाइल फैशन वीक के सहयोग से एपिसेंटर, अपैरल हाउस, गुरुग्राम में 20 अप्रैल 2024 को 'फैशन ब्लेज़न 2024' – एक शानदार फैशन शोकेस – का आयोजन किया गया। स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में एफडीडीआई के नोएडा और रोहतक परिसरों के 2020-2024 बैच के स्नातक डिजाइनरों ने भाग लिया, जिन्होंने रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार को दर्शाते हुए अपने उत्कृष्ट स्नातक संग्रह प्रस्तुत किए।

वाइब्रेंट वाइन्स, गोल्डन ओब्सीडियन, ए गर्ल इन वर्सेल्स, डिजिटल डिस्टोपिया, सैंडूक, साइबॉर्ग ब्रिजिंग वर्ल्ड, एक्वास्कल्प्ट, स्नोटास, फ्लूइडिटी ऑफ मर्करी, द अल्फाबेट लेटर्स, सेकंड स्टिच, एबोनी, एन ओड टू इंडिया, वर्सेबलेंड, जी-पॉप, स्पिडोमेट्री, ल्यूमिनसेंट लक्स, गैलेटिक डिब्रिस, एनचांटेड स्पार्कल्स, ड्रिपिन क्रायो, मैग्मा

21 विषयों पर प्रस्तुत संग्रह

इस कार्यक्रम में परिधान प्रशिक्षण एवं डिजाइन केंद्र (एटीडीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के उपाध्यक्ष श्री राकेश वैद, प्रायोजकों, प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल के सदस्यों, अतिथियों, संकाय सदस्यों, अभिभावकों और छात्रों की उपस्थिति रही, जिससे यह फैशन उद्योग में उभरती प्रतिभाओं के लिए एक ऐतिहासिक समारोह बन गया।

रैंप पर छात्रों द्वारा प्रस्तुत शानदार संग्रह देखते दर्शक

इस कार्यक्रम को निर्णायक सदस्यों के रूप में प्रतिष्ठित फैशन उद्योग के अग्रणियों की उपस्थिति से और भी ऊंचा उठाया गया, जिनमें रिम्पल एंड हरप्रीत कॉउचर के अध्यक्ष श्री हरप्रीत नरूला, हाउस ऑफ रेज़न्स के सीईओ और क्रिएटिव डायरेक्टर श्री गौरव गुप्ता, हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद में डिजाइन प्रमुख सुश्री अमला श्रीवास्तव और सरिता हांडा के मुख्य क्रिएटिव अधिकारी श्री रोशन सिंह शामिल थे।

इस कार्यक्रम में कुल 80 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें एफडीडीआई नोएडा परिसर से 63 और एफडीडीआई रोहतक परिसर से 17 छात्र शामिल थे, इन छात्रों ने विविध विषयों पर 21 संग्रह प्रस्तुत किए, जिनमें रचनात्मकता, नवाचार और तकनीकी विशेषज्ञता का मिश्रण प्रदर्शित किया गया।

रैंप पर अपने शानदार कलेक्शन प्रदर्शित करते छात्र

इस आयोजन में एक अनूठा और प्रभावशाली आयाम जोड़ते हुए इंडिया फैशन वीक के प्रसिद्ध फैशन निर्देशक श्री कौशिक घोष की विशेषज्ञ कोरियोग्राफी ने संग्रह को शानदार एवं यादगार तरीके से रनवे पर जीवंत कर दिया।

अन्य उपलब्धियां

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक ने माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री से मुलाकात की

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक श्री विवेक शर्मा, आईआरएस ने 24 मार्च 2025 को माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की।

श्री विवेक शर्मा, आईआरएस, एमडी, एफडीडीआई, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

इस बैठक के दौरान, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार जैसे प्रमुख क्षेत्रों के साथ ही वैश्विक उद्योग मानकों को पूरा करने के लिए कर्मियों के कौशल उन्नयन की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। बातचीत में फुटवियर, चमड़ा, फैशन, रिटेल एवं प्रबंधन क्षेत्रों को सहयोग देने में एफडीडीआई की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

संस्थान के विकास में तेजी लाने और उद्योग में इसके योगदान को बढ़ाने के उद्देश्य से एफडीडीआई की कार्यप्रणाली, आवश्यकताओं और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

एफडीडीआई की टीम ने माननीय मंत्री जी से मुलाकात की

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक ने भारत सरकार के माननीय केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के साथ मुलाकात करते हुए

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री विवेक शर्मा, आईआरएस ने 20 मार्च 2025 को भारत सरकार के माननीय केंद्रीय संचार मंत्री एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया से मुलाकात की। एफडीडीआई, नोएडा एवं गुना परिसर की कार्यकारी निदेशक सुश्री मंजू मन भी इस बैठक में उपस्थित थीं।

श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया मध्य प्रदेश के गुना

निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहाँ एफडीडीआई का एक परिसर स्थित है। इस बैठक में मंत्री महोदय को एफडीडीआई द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी देने का अवसर मिला।

एफडीडीआई, नोएडा संकाय द्वारा लिखित पुस्तक 'द फुटप्रिंट्स ऑफ सक्सेसफुल इंडस्ट्री' का विमोचन श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, माननीय केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया

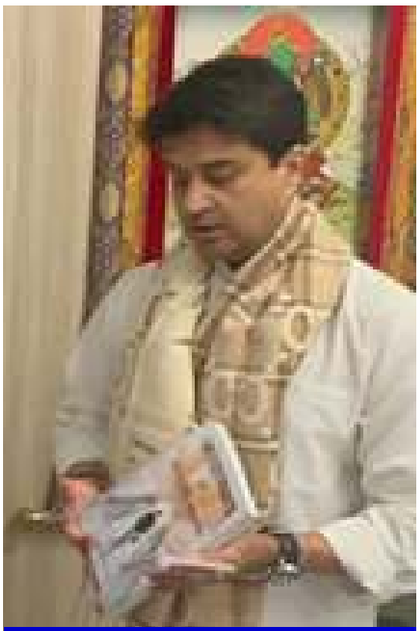

माननीय केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, भारत सरकार, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने औपचारिक रूप से पुस्तक का विमोचन करते हुए

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के कनिष्ठ संकाय श्री हाफिज ओबैदुल्ला द्वारा लिखित पुस्तक, 'द फुटप्रिंट्स ऑफ सक्सेसफुल इंडस्ट्री' का विमोचन 18 नवंबर 2024 को भारत सरकार के माननीय केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा किया गया।

एफडीडीआई के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के कनिष्ठ संकाय श्री हाफिज ओबैदुल्लाह के पास बारह वर्षों से अधिक का अनुभव है और उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से चमड़ा और फुटवियर प्रौद्योगिकी में इंजीनियरिंग की डिग्री के साथ-साथ फैशन टेक्नोलॉजी में मास्टर डिग्री भी प्राप्त की है।

उनकी पुस्तक सफल फुटवियर निर्माण उद्यमों की स्थापना एवं प्रबंधन के लिए एक व्यापक, चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है। अवधारणा से लेकर उत्पादन तक की प्रक्रिया को शामिल करते हुए, यह पुस्तक फुटवियर क्षेत्र में एक फलते-फूलते व्यवसाय के निर्माण के लिए आवश्यक आवश्यकताओं, उद्योग मानकों और रणनीतिक विचारों को रेखांकित करती है। यह पुस्तक आईएसबीएन 978-93-6426-730-4 संख्या के साथ क्राउन पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित की गई है।

श्री हाफ़िज़ ओबैदुल्लाह - कनिष्ठ संकाय - एफडीपी, एफडीडीआई

पुस्तक के आगे एवं पिछे का कवर पेज

एफडीडीआई - रोहतक के संकाय द्वारा सह-लिखित प्रकाशित -पुस्तक का प्रकाशन

जस्ट एग्रीकल्चर पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित 'एम्ब्रॉयडरी डिजाइन डॉक्यूमेंटेशन फॉर होम फर्निशिंग' नामक पुस्तक का सह-लेखन एफडीडीआई रोहतक परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) की कनिष्ठ संकाय डॉ. सरिता देवी ने किया है।

डॉ. सरिता देवी एक कुशल टेक्सटाइल पेशेवर हैं, जिन्होंने सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा से टेक्सटाइल एवं परिधान डिज़ाइन में पीएचडी की है। उन्हें 2012 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा टेक्सटाइल एवं परिधान डिज़ाइन में जूनियर रिसर्च फ़ेलोशिप (जेआरएफ) से सम्मानित किया गया था।

पुस्तक का कवर पृष्ठ पिछला पृष्ठ

इस पुस्तक का सह-लेखन एफडीडीआई नोएडा परिसर की कनिष्ठ संकाय, एफडी डॉ. सुशीला तथा सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान डिजाइन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निशा आर्य ने किया है।

यह पुस्तक, जिसका आईएसबीएन: 978-9-33418-858-5 है, घरेलू साज-सज्जा के लिए पारंपरिक रूपांकनों एवं डिजाइनों, डिजाइन प्लेसमेंट और रंग योजनाओं का व्यापक डिजाइन प्रलेखन प्रदान करती है।

यह कढ़ाई के रूपांकन प्रलेखन के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर देती है - एक सावधानीपूर्वक प्रक्रिया जो पारंपरिक भारतीय कढ़ाई के विविध पैटर्न एवं रूपांकनों को रिकॉर्ड और संरक्षित करती है - जिससे सांस्कृतिक विरासत की रक्षा होती है और डिजाइनरों तथा शोधकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करती है।

एफडीडीआई - हैदराबाद के संकाय द्वारा सह-लिखित- पुस्तक प्रकाशित

डायमंड पब्लिशिंग, भिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रकाशित 'एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस: बिल्डिंग कनेक्शन एंड इम्पैक्टफुल कम्युनिकेशन' नामक सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में एक पुस्तक का सह-लेखक एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के संकाय सदस्य डॉ. रामबाबू मुप्पीदी हैं।

डॉ. रामबाबू मुप्पीदी आंध्र प्रदेश के एक कुशल कारीगर हैं, जिन्हें भारतीय कला रूपों, उत्पाद डिज़ाइन, हस्तशिल्प और फ़ैशन डिज़ाइन में व्यापक विशेषज्ञता प्राप्त है। उन्होंने 55 से ज़्यादा शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित की हैं, कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं, और भारतीय पेटेंट कार्यालय में चार डिज़ाइन पंजीकरण प्राप्त किए हैं।

इस पुस्तक में विज्ञापन का परिचय, अनुनय और प्रचार की कला, विज्ञापन के लाभ, विज्ञापन प्रक्रिया: विचार से प्रभाव तक, विज्ञापन अभियान की योजना बनाना और जनसंपर्क प्रक्रिया जैसे विषयों पर अध्याय शामिल हैं।

पुस्तक में प्रस्तुत शोध विशेष रूप से आंध्र प्रदेश क्षेत्र के कारीगरों पर केंद्रित है, जिनकी आजीविका हस्तशिल्प पर निर्भर करती है, तथा उनके पारंपरिक कला रूपों और शिल्प को बढ़ावा देने में विज्ञापन की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया है।

डॉ. रामबाबू मुप्पीडी-संकाय, एलजीएडी

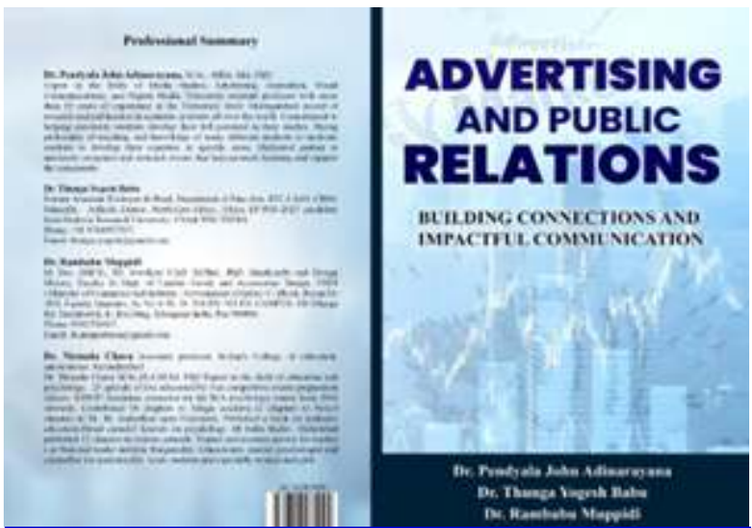

पुस्तक का कवर पृष्ठ

डायमंड पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक, जिसका आईएसबीएन 978-93-5823-549-4 है और पृष्ठ 1-54 तक विस्तृत है, अमेज़न पर: https://www.amazon.in/dp/B0D6NCFTRW?ref=myi_title_dp और फ्लिपकार्ट पर: https://www.flipkart.com/product/p/itme?pid=9789358235494 उपलब्ध है।

डीपीआईआईटी अधिकारियों द्वारा एफडीडीआई परिसरों का दौरा किया

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अधिकारियों ने ईआईएफ उप-योजना के अंतर्गत गैर-चमड़ा विभाग की स्थापना की समीक्षा के लिए नोएडा, कोलकाता, हैदराबाद और चेन्नई स्थित एफडीडीआई परिसरों का दौरा किया।

डीपीआईआईटी प्रतिनिधिमंडल में सुश्री ममता, निदेशक (एल एंड एफ); श्री कपिल मीणा, अवर सचिव, चमड़ा; श्री नीरज कुमार, अनुभाग अधिकारी, चमड़ा; सुश्री प्रिया केशरी, सलाहकार; सुश्री हिमानी मिश्रा, कनिष्ठ सलाहकार; श्री अनुराग, कनिष्ठ सलाहकार; और सुश्री मलिका अरोड़ा, युवा पेशेवर शामिल थे।

क्र.सं.	एफडीडीआई के गैर-चमड़ा विभाग	तिथि	नामित डीपीआईआईटी अधिकारीगण
1	नोएडा	12.4.2024	सुश्री ममता, निदेशक, (एल एंड एफ) सुश्री हिमानी मिश्रा, कनिष्ठ सलाहकार
2	कोलकाता	13.4.2024 से 15.4.2024	श्री नीरज कुमार, अनुभाग अधिकारी, चमड़ा, सुश्री मलिका अरोड़ा, युवा पेशेवर
3	हैदराबाद	18.4.2024 से 20.4.2024	श्री कपिल मीणा, अवर सचिव, चमड़ा, श्री अनुराग, कनिष्ठ सलाहकार
4	चेन्नई	21.4.2024 से 23.4.2024	सुश्री ममता, निदेशक, सुश्री प्रिया केशरी, सलाहकार

भारतीय फुटवियर एवं चमड़ा विकास कार्यक्रम (आईएफएलडीपी) 2021-26 के तहत छह एफडीडीआई परिसरों- नोएडा, हैदराबाद, चेन्नई, बानूर, कोलकाता और छिंदवाड़ा में गैर-चमड़ा उत्पाद एवं सहायक उपकरण विभाग के निर्माण के लिए परियोजना प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

डीपीआईआईटी अधिकारियों द्वारा एफडीडीआई, नोएडा परिसर में गैर-चमड़ा सेटअप का दौरा करते हुए

सामग्री और तकनीक में प्रगति के कारण, गैर-चमड़े के फुटवियर एवं उत्पाद क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है। यह वृद्धि आरामदायक फुटवियर, पुनर्चक्रण, तेज़ी से बाज़ार में पहुँच और व्यापक अनुकूलन पर ज़ोर देने से प्रेरित है, जो उद्योग में तकनीकी प्रगति को आकार देने वाले मूल सिद्धांत बनकर उभरे हैं।

डीपीआईआईटी अधिकारियों द्वारा एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में गैर-चमड़ा सेटअप का दौरा करते हुए

उल्लेखनीय प्रौद्योगिकियों में रैपिड प्रोटो टाइप विकास, 3-डी प्रिंटिंग, डाई-लेस कटिंग, बुने हुए फुटवियर और लेजर कटिंग सिस्टम शामिल हैं, जिनमें एसएपी, ईआरपी का उपयोग पहले से ही उद्योग द्वारा देखा जा रहा है।

डीपीआईआईटी अधिकारियों द्वारा एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में गैर-चमड़ा सेटअप का दौरा करते हुए

इस दौरे के दौरान, अधिकारियों को संबंधित एफडीडीआई परिसरों में स्थापित मशीनों का प्रदर्शन दिखाया गया।

इस दौरे के दौरान अधिकारियों को मशीनों की कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया, तथा इस बात पर जोर दिया गया कि वे गैर-चमड़ा क्षेत्र में विद्यार्थियों के सीखने और कौशल विकास को बढ़ाने में किस प्रकार योगदान देती हैं।

डीपीआईआईटी अधिकारियों द्वारा एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में गैर-चमड़ा सेटअप का दौरा करते हुए

श्रीमती प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने एफडीडीआई, गुना परिसर का दौरा किया

माननीय केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, भारत सरकार, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने 5 फरवरी 2025 को, एफडीडीआई गुना परिसर का दौरा किया। संस्थान के संकाय सदस्यों सहित, केंद्र प्रभारी श्री जितेंद्र गुप्ता ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

श्रीमती प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया छात्रों द्वारा बनाए गए बैग को देखती हुई

श्रीमती राजे ने अपने एक घंटे के दौरे के दौरान उन्होंने कटिंग लैब, लास्टिंग लैब और क्लोजिंग लैब का दौरा किया, जहां उन्होंने छात्रों को दी जा रही अत्याधुनिक तकनीक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवलोकन किया।

छात्रों के साथ बातचीत सत्र का एक दृश्य

उन्होंने उत्पाद विकास केंद्र (पीडीसी) में एफडीडीआई छात्रों के रचनात्मक कार्यों और नवीन डिजाइनों को भी देखा और उनकी सराहना की, जहां फुटवियर प्रोटोटाइप, डिजाइन अवधारणाओं और रेखाचित्रों का एक प्रभावशाली प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

उन्होंने छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें श्रीमती प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने अपने बहुमूल्य विचार साझा किए और उन्हें अपने सपनों को पूरे जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ साकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने संस्थान के शिक्षण, शोध और सहयोगात्मक कार्यक्रमों के स्तर को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी सुझाव भी दिए।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा में 'नॉन-लेदर एवं वर्चुअल 3डी मॉडलिंग लैब' का उद्घाटन किया गया

एफडीडीआई छिंदवाड़ा में प्रतिभा को बढ़ावा देने, रचनात्मकता को पोषित करने और स्थिरता को आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण के साथ, 'नॉन-लेदर और वर्चुअल 3डी मॉडलिंग लैब' का उद्घाटन 4 अक्टूबर 2024 को एवरट्रेड ग्रुप (चीन, हांगकांग और भारत) के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक श्री नीरेन आनंद द्वारा किया गया।

'नॉन-लेदर और वर्चुअल 3डी मॉडलिंग लैब' का एक दृश्य

यह अत्याधुनिक सुविधा आधुनिक तकनीक को पारंपरिक शिल्प कौशल के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसे छात्रों को टिकाऊ प्रथाओं और उन्नत विनिर्माण उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने और उन्हें उभरते वैश्विक फुटवियर एवं फैशन उद्योग के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह प्रयोगशाला फ्लाईनिट प्रौद्योगिकी, लेजर प्रौद्योगिकी, सोल विनिर्माण इकाइयों, स्वचालित कम्प्यूटरीकृत पैटर्न सिलाई मशीनों और एक वर्चुअल 3डी मॉडलिंग लैब से सुसज्जित है, जो इसे इस क्षेत्र में सीखने के सबसे उन्नत केंद्रों में से एक बनाती है।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर द्वारा विन हील्स, कोझीकोड, केरल के लिए 6एस कार्यान्वयन, पर उत्पादन प्रक्रिया एवं नियंत्रण प्रणाली पर ऑनसाइट प्रशिक्षण, आयोजित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर द्वारा विन हील्स, कोझिकोड, केरल के लिए 10 से 14 मार्च 2025 तक 6एस कार्यान्वयन, उत्पादन प्रक्रिया और नियंत्रण प्रणाली पर ऑनसाइट प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व एफडीडीआई - हैदराबाद परिसर के वरिष्ठ संकाय, श्री एम. श्रीनिवासन के. ने किया, जिन्होंने सुधार के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कारखाना संचालन के व्यापक विश्लेषण से शुरुआत की। 6एस सिद्धांतों - सॉर्ट, सेट इन ऑर्डर, शाइन, स्टैंडर्डाइज़, सस्टेन और सेफ्टी पर ज़ोर देते हुए, इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यस्थल पर अनुशासन, दक्षता और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देना था।

परस्पर संवादात्मक चर्चाओं, व्यावहारिक गतिविधियों एवं संरचित कार्यान्वयन योजनाओं के मिश्रण के माध्यम से, प्रशिक्षण ने 6एस पद्धति, लीन प्रबंधन और उत्पादन प्रक्रिया नियंत्रण के मूल सिद्धांतों को सफलतापूर्वक प्रस्तुत एवं सुदृढ़ किया। कर्मचारियों को कार्यस्थल संगठन, प्रक्रिया मानकीकरण और समग्र उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ाने की रणनीतियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

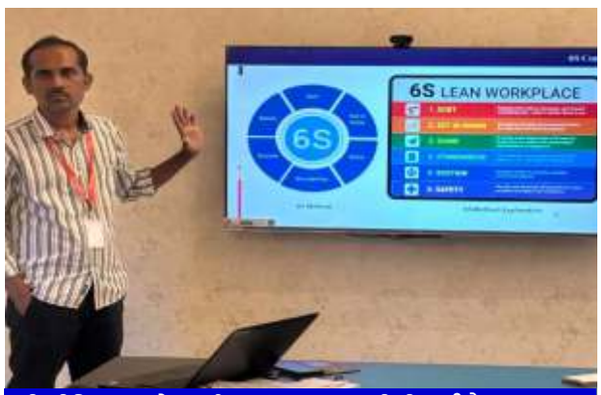

श्री श्रीनिवासन के., वरिष्ठ संकाय, एफडीडीआई हैदराबाद, 6 एस लीन सिद्धांतों के बारे में बताते हुए

श्री श्रीनिवासन के साथ विन हील्स टीम

प्रशिक्षण में उत्पादकता एवं कार्यस्थल सुरक्षा के प्रमुख कारकों के रूप में अपव्यय को समाप्त करने, कार्यप्रवाह को सुव्यवस्थित करने और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर और ज़ोर दिया गया। 5एस नंबर गेम जैसे व्यावहारिक प्रदर्शनों ने प्रतिभागियों को व्यवस्थित संगठन एवं निरंतर सुधार के लाभों को आत्मसात करने में सक्षम बनाया। इसके अलावा, उत्पादन कार्यप्रवाह, स्टॉक प्रबंधन और प्रक्रिया मानकीकरण पर केंद्रित चर्चाओं ने बेहतर परिचालन स्थिरता और दक्षता प्राप्त करने के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

5एस गेम का संचालन

6एस टीम की स्थापना एवं चरणबद्ध कार्यान्वयन योजना के साथ, कारखाना अब इन सिद्धांतों को अपने दैनिक कार्यों में व्यवस्थित रूप से एकीकृत करने के लिए अच्छी स्थिति में है। आगे चलकर, नियमित निगरानी, आवधिक ऑडिट और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी, सुधारों को बनाए रखने एवं दक्षता, अनुशासन और नवाचार पर आधारित कार्यस्थल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण होगी।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए एक्सपोजर विजिट सह ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में व्यावसायिक शिक्षा - राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) कार्यक्रम के तहत, 20 से 24 मार्च 2025 तक चार दिवसीय एक्सपोजर विजिट सह ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे 240 छात्र लाभान्वित हुए।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कलानूर और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, निगाना, रोहतक (कक्षा 9-12) के विद्यार्थियों को उनके शिक्षकों के साथ फुटवियर डिजाइनिंग, फैशन डिजाइन, स्टोर डिस्प्ले, रिटेल एवं बिक्री प्रबंधन, और सूचना प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में बहुमूल्य अनुभव प्रदान किया गया।

संकाय द्वारा छात्रों को प्रयोगशाला सुविधा के बारे में जानकारी देते हुए

एफडी के संकाय छात्रों को समझाते हुए

एफडीडीआई रोहतक परिसर स्थित स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) तथा स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों ने व्यापक व्याख्यान दिए और छात्रों के लिए इंटरैक्टिव फील्ड और लैब विजिट आयोजित किए। उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का दौरा करने और उन्नत सुविधाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का भी अवसर मिला।

इस कार्यक्रम का समापन 26 मार्च 2025 को, समापन समारोह के साथ हुआ, जिसके दौरान छात्रों को स्कूल के प्रधानाचार्य श्री देवेंद्र कटारिया की उपस्थिति में एफडीडीआई - रोहतक की कार्यकारी निदेशक सुश्री सरिता दुहान द्वारा प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

छात्र 'प्रतिभागिता प्रमाण पत्र' के साथ

यह शिक्षण पहल छात्रों के ज्ञान को व्यापक बनाने और उनके कौशल को निखारने के लिए तैयार की गई थी, ताकि उन्हें फुटवियर और फैशन डिजाइन उद्योगों में भविष्य के अवसरों के लिए तैयार किया जा सके।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा और जोधपुर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) 2025 8 मार्च को एफडीडीआई छिंदवाड़ा और जोधपुर परिसरों में बड़े उत्साह और कृतज्ञता के साथ मनाया गया, जिसमें शिक्षा, समाज और एफडीडीआई समुदाय में महिलाओं के उल्लेखनीय योगदान को मान्यता दी गई।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा में आयोजित इस समारोह में पुलिस विभाग कल्याण फाउंडेशन के सामाजिक कार्यकर्ता, पीजी शासकीय महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य और प्रख्यात समाजसेवी डॉ. डब्ल्यू.एस. ब्राउन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों में विद्याभूमि की शैक्षणिक प्रशासक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. विजया यादव और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से सुश्री सुनंदा भी शामिल थीं।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में आईडब्ल्यूडी उत्सव का एक दृश्य

डॉ. डब्ल्यू.एस. ब्राउन और डॉ. विजया यादव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समाज को महिलाओं का सम्मान करने के लिए सशक्त बनाने और शिक्षित करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे महिला सशक्तिकरण जीवन के सभी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रगति के लिए उत्प्रेरक का काम करता है।

इस कार्यक्रम में एफडीडीआई की महिला कर्मचारियों एवं तृतीय-पक्ष हाउसकीपिंग स्टाफ के अमूल्य योगदान को भी सम्मानित किया गया। संस्थान की सफलता के प्रति उनके अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता की हार्दिक सराहना की गई। यह समारोह एफडीडीआई में करियर को आकार देने और एक समावेशी, विकासोन्मुखी वातावरण को बढ़ावा देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की एक सशक्त याद दिलाता है।

एफडीडीआई, जोधपुर द्वारा "सशक्त महिला सशक्त भारत" का संदेश फैलाने वाली प्रभावशाली रैली

एफडीडीआई जोधपुर में, महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए 7 मार्च 2025 को एक भावपूर्ण महिला सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि, सुश्री सीमा शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, जोधपुर ने समाज में महिलाओं के अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेरक संबोधन दिया।

एफडीडीआई के कर्मचारियों और छात्रों ने 8 मार्च 2025 को, 'सशक्त महिला, सशक्त भारत' का संदेश देते हुए एक प्रभावशाली रैली का आयोजन किया। यह रैली सुरपुरा और मंडोर गार्डन सहित आसपास के इलाकों में गुजरी और महिला सशक्तिकरण एवं एकता के बारे में जागरूकता फैलाई। समुदाय को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए, महिलाओं के समर्थन और उत्थान के लिए समर्पित एफडीडीआई जोधपुर की पहलों पर प्रकाश डालते हुए सूचनात्मक पर्चे भी वितरित किए गए।

एफडीडीआई में 'लिंग संवेदीकरण/पीओएसएच' पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित

एफडीडीआई ने अपने 12 परिसरों और मुख्यालय के कर्मचारियों के लिए 4 मार्च 2025 को, हाइब्रिड मोड में 'लैंगिक संवेदनशीलता/यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच)' पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इस सत्र में लगभग 264 कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

संसाधन व्यक्ति, श्रीमती विनोद जिंदल, शहरी विकास मंत्रालय की पूर्व निदेशक, संगठनात्मक व्यवहार, नैतिकता, प्रशासन में मूल्य, रचनात्मकता, लैंगिक संवेदनशीलता और वित्तीय प्रबंधन में एक प्रतिष्ठित प्रशिक्षक और विषय विशेषज्ञ हैं। लोक प्रशासन में अपनी व्यापक शैक्षणिक पृष्ठभूमि के साथ, उन्होंने प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल (डीटीएस) के लिए मास्टर ट्रेनर, प्रशिक्षण डिज़ाइन (डीओटी) के लिए संसाधन प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया है, और 'लोक प्रशासन में नैतिकता और मूल्य' के लिए डीओपीटी के साथ एक राष्ट्रीय सूत्रधार के रूप में भी सूचीबद्ध हैं।

श्रीमती विनोद जिंदल प्रतिभागियों से संवाद करती हुई

प्रशिक्षण सत्र आकर्षक प्रस्तुतियों और केस स्टडीज़ के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता और नैतिक आचार-विचार के मूलभूत पहलुओं पर चर्चा की गई। श्रीमती विनोद जिंदल ने प्रतिभागियों को एक सम्मानजनक, समावेशी और सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशल के बारे में जागरूक किया।

इस सत्र में कर्मचारियों को 'कार्यस्थल पर आचरण संहिता' और भारत सरकार द्वारा 2013 में अधिनियमित पीओएसएच अधिनियम के प्रावधानों की स्पष्ट समझ प्रदान की गई, जिससे कानून के तहत उनके अधिकारों तथा जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता सुनिश्चित हुई।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में एनईपी 2020 के तहत छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया

एफडीडीआई जोधपुर परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, सरकारी स्कूल बादली और सरकारी स्कूल रातानाडा, जोधपुर के छात्रों के लिए 27 जनवरी से 4 फरवरी 2025 तक आठ दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भारती एयरटेल फाउंडेशन और जिला शिक्षा विभाग, जोधपुर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक के कुल 25 छात्रों ने भाग लिया।

एफडीडीआई के विशेषज्ञ छात्रों को आवश्यक कौशल सिखते हुए

दैनिक नवज्योति jodhpur city - 01 Feb 2025 - Page 15

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एफडीडीआई जोधपुर में 8 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों को मिलेगा व्यवहारिक ज्ञान

कार्यक्रम का समापन और प्रमाण पत्र वितरण

भारती एयरटेल फाउंडेशन का योगदान

मीडिया कवरेज

एफडीडीआई जोधपुर के विशेषज्ञों ने छात्रों को आवश्यक व्यावहारिक कौशल एवं वास्तविक दुनिया के अनुभव से लैस करने के लिए, बहुमूल्य ज्ञान और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान की, जिससे उन्हें अपने भविष्य के लिए एक मजबूत आधार बनाने में मदद मिली।

एफडीडीआई, जोधपुर ने जेएनवी, जालोर के लिए 'फैशन डिजाइन में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किया

एफडीडीआई जोधपुर परिसर ने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), जालोर के छात्रों के लिए 17 से 23 दिसंबर 2024 तक एक सप्ताह का 'फैशन डिज़ाइन में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (वीटीपी)' आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने छात्रों को फैशन डिज़ाइन की बुनियादी बातों से परिचित कराया और उन्हें व्यावहारिक उद्योग-उन्मुख कौशल से लैस किया। कार्यक्रम का समापन एक उत्पाद जूरी सत्र के साथ हुआ, जहाँ छात्रों ने कार्यशाला के दौरान विकसित अपने नवीन विचारों और डिज़ाइन अवधारणाओं का प्रदर्शन किया।

फैशन डिजाइन पर वीटीपी में भाग लेते जेएनवी, जालोर के छात्र

प्रतिभागिता का प्रमाण-पत्र प्राप्त करते छात्र

एफडीडीआई के संकाय और उद्योग जगत के पेशेवरों द्वारा छात्रों द्वारा तैयार डिज़ाइनों का मूल्यांकन किया गया, जिन्होंने छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान की। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, जोधपुर के कार्यकारी निदेशक श्री जी.एस. भाटी की उपस्थिति में छात्रों को प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'मेराकी 2024' - रचनात्मकता और अनुरूपता की प्रदर्शनी आयोजित

एफडीडीआई नोएडा के फाउंडेशन बैच (2024-2028) के छात्रों द्वारा एक प्रदर्शनी "मेराकी" का आयोजन 6 दिसंबर 2024 को किया गया था, जिसमें पहले सेमेस्टर के दौरान विकसित दस्तकारी उत्पादों के माध्यम से उनकी रचनात्मकता एवं नवाचार का प्रदर्शन किया गया था।

एफडीडीआई नोएडा परिसर की कार्यकारी निदेशक सुश्री मंजू मन ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें उद्योग अतिथि श्रीमती अदिति शर्मा, डिजाइन एजुकेटर से यूएक्स शोधकर्ता और एनआईएफटी की पूर्व छात्रा, और स्केचर्स के उत्पाद विकास एवं सोर्सिंग विभाग की सुश्री अदिति भूषण, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की उपस्थिति में किया गया।

इस प्रदर्शनी में हस्तनिर्मित जीवन शैली उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जिसमें वस्त्र, फुटवियर, सहायक उपकरण, सजावट और अन्य कृतियां शामिल थीं, जिन्हें विविध सामग्री अन्वेषण तकनीकों और जटिल विवरणों के माध्यम से तैयार किया गया था।

'मेराकी 2024' का एक दृश्य

संकाय सदस्यों के सलाह एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने नवीन डिजाइन अन्वेषणों के माध्यम से महत्वपूर्ण ऐतिहासिक युगों की अपनी व्याख्याएं प्रस्तुत कीं, जिनमें रचनात्मकता एवं अनुरूपता दोनों परिलक्षित हुईं।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर का नाइकी के प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया

एफडीडीआई के शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से, नाइकी इंडिया के निदेशक श्री उदय मेहता ने नाइकी इंडिया लिमिटेड के उत्पाद आपूर्ति श्रृंखला निदेशक श्री नारायण स्वामी वैकुंडमणि के साथ 5 दिसंबर 2024 को एफडीडीआई नोएडा परिसर का दौरा किया।

नाइकी प्रतिनिधिमंडल ने परिसर का दौरा किया, जिसमें स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) और अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) की अत्याधुनिक सुविधाओं एवं बुनियादी ढाँचे का भी अवलोकन किया। इन केंद्रों में उन्नत भौतिक और रासायनिक प्रयोगशालाएँ हैं जो व्यापक परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण सेवाएँ प्रदान करती हैं। उन्होंने गैर-चमड़ा विभाग में वर्चुअल मॉडलिंग लैब और बुनाई कार्यशाला का भी दौरा किया और मशीनों के संचालन और सीखने के उपकरणों का अवलोकन किया।

इसके बाद एफडीडीआई नोएडा परिसर की कार्यकारी निदेशक सुश्री मंजू मन की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें नाइकी टीम के समक्ष संस्थान के समग्र संचालन और शक्तियों पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

प्रतिनिधिमंडल को एफडीपी में एफडीडीआई विशेषज्ञ द्वारा जानकारी देते हुए

श्री उदय मेहता ने फुटवियर क्षेत्र के समग्र विकास एवं प्रगति के लिए संस्थान-उद्योग साझेदारी को मज़बूत करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने इस क्षेत्र में प्रतिभाओं को आकर्षित करने और इसे ऑटोमोबाइल क्षेत्र जैसे उद्योगों के समकक्ष लाने की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया।

इस चर्चा को आगे बढ़ते हुए, श्री नारायण स्वामी वैकुंडमनी ने फुटवियर उद्योग में हो रही महत्वपूर्ण प्रगति के बारे में बात की और साथ ही इसके सामने आने वाली चुनौतियों को भी स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि नई तकनीकों, नवीन सामग्रियों और आधुनिक प्रक्रियाओं के आगमन के साथ, संपूर्ण फुटवियर निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन आ रहा है, जिसका उद्देश्य दक्षता एवं स्थायित्व को बढ़ाना है। उन्होंने एफडीडीआई द्वारा प्रस्तुत गैर-चमड़ा कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी ली और फुटवियर उत्पादन में वैकल्पिक सामग्रियों के साथ काम करने हेतु छात्रों को विशेष कौशल प्रदान करने में इसकी प्रासंगिकता पर ज़ोर दिया।

एफडीडीआई, जोधपुर में 'स्वच्छ भारत अभियान' का आयोजन

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में 2 से 31 अक्टूबर 2024 तक 'स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत, एक भित्ति चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में तीन-तीन छात्रों वाले बारह समूहों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, फुटवियर डिज़ाइन, फ़ैशन और संबंधित विषयों पर भित्ति चित्र बनाए। इन कलाकृतियों को परिसर की चारदीवारी पर प्रदर्शित किया गया, जिससे आसपास के वातावरण में रचनात्मकता और जागरूकता दोनों का संचार हुआ।

छात्रों का रचनात्मक चित्रण

वॉल पेंटिंग से स्वच्छता का संदेश दिया

जोधपुर, 30 अक्टूबर (कासं)। एफडीडीआई के छात्रों ने स्वच्छता से सदाचार के संदेश को वॉल पेंटिंग के जरिए दिखाया। मंडोर नागौर मुख्य सड़क मार्ग से गुजरते हुए ध्यान आकर्षित करने वाली वॉल पेंटिंग

आमको दिख जाएगी। यह वॉल पेंटिंग एफडीडीआई के डिजाइनर्स द्वारा बनाई जा रही है। कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार के निर्देशन में एफडीआई के बाहरी दीवार को रंगीन डिजाइनर रूप देने हेतु छात्रों को अपनी प्रतिभा और सदाचार दिखाने का एक अवसर दिया गया है। और इस संबंध में तीन तीन छात्रों की 12 टीम अलग-अलग थीम पर कार्य कर रही है। ये अपनी कला का हुनर दीवारों पर उकेर रहे हैं जो विभिन्न थीम पर आधारित है।

कार्यकारी निदेशक ने बताया कि फैशन एवं फुटवियर डिजाइन के साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण इत्यादि अलग-अलग थीम पर छात्रों को भित्ति चित्रकारी का कार्य दिया गया है। और इस संबंध में एक जूरी गठित की गई है जिसके द्वारा सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग वाली टीम के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र के साथ पुरस्कृत किया जाएगा। एफडीडीआई द्वारा अन्य

मीडिया कवरेज

छात्रों ने अपनी कलाकृति के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को रचनात्मक ढंग से व्यक्त किया तथा चारदीवारी को जीवंत भित्तिचित्रों में बदल दिया।

स्वच्छता के महत्व के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्र

उनके प्रयासों से न केवल परिसर का सौंदर्यीकरण हुआ, बल्कि वहां से गुजरने वाले लोगों को भी रुकने, परिवर्तन की प्रशंसा करने तथा देश को स्वच्छ रखने की सामूहिक जिम्मेदारी पर विचार करने के लिए प्रेरित किया।

एफडीडीआई, चेन्नई ने सीएलई के 'सोलस फॉर सोल्स' में भाग लिया

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर ने 29 सितंबर 2024 को आइलैंड ग्राउंड्स, चेन्नई में चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) द्वारा आयोजित 'सोलस फॉर सोल्स' नामक मैराथन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

यह कार्यक्रम तमिलनाडु सरकार के सहयोग से और तमिलनाडु पर्यटन विकास निगम (टीटीडीसी), एसआईपीसीओटी, ग्रेटर चेन्नई पुलिस के साथ-साथ शहर भर के कई प्रतिष्ठित शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थानों की साझेदारी में आयोजित किया गया था, जिनमें गुरु नानक कॉलेज, चेन्नई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुरुगप्पा पॉलिटेक्निक कॉलेज, अन्ना विश्वविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, लोयोला कॉलेज, सीएलआरआई, एफडीडीआई, सीएफटीआई आदि शामिल थे।

एफडीडीआई-चेन्नई के कर्मचारी 'प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र' प्राप्त करते हुए

तमिलनाडु के माननीय स्वास्थ्य मंत्री, मा. सुब्रमण्यम ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर सीएलई के अध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार जालान, सीएलई के कार्यकारी निदेशक श्री आर. सेल्वम, आईएएस, सीएलई के क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण), श्री एम. अब्दुल वहाब और फीनिक्स कोठारी फुटवियर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. रफीक अहमद भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, तमिलनाडु भर के फुटवियर और चमड़ा उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे इस कार्यक्रम की महत्ता और बढ़ गई।

मैराथन में तीन श्रेणियां थीं: 8 वर्ष और उससे अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए 3 किमी, 12 वर्ष और उससे अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए 5 किमी, तथा 16 वर्ष और उससे अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए 10 किमी।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्र जिन्होंने मैराथन में भाग लिया

5,000 से ज़्यादा धावकों के साथ, इस आयोजन को ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 100 से ज़्यादा उत्साही छात्र और एफडीडीआई चेन्नई के 5 कर्मचारी शामिल थे। इस मैराथन ने न केवल फुटवियर क्षेत्र को बढ़ावा दिया, बल्कि नशामुक्त समाज के निर्माण के महत्व के बारे में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मज़बूत मंच के रूप में भी काम किया।

एफडीडीआई परिसरों में 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' मनाया गया

एफडीडीआई के सभी परिसरों में 7 अगस्त 2024 को, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (एनएचडी) मनाया गया, ताकि हथकरघा बुनाई की कलात्मकता एवं विरासत का जश्न मनाया जा सके, जिसमें भारत की कालातीत परंपराओं को मूर्त रूप देने वाली जटिल शिल्प कौशल पर प्रकाश डाला गया।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में एनएचडी उत्सव का एक दृश्य

गणमान्य व्यक्तियों के साथ एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर के छात्र

केंद्र सरकार ने भारत के हथकरघा उद्योग के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से जुलाई 2015 में 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस घोषित किया था।

एफडीडीआई जोधपुर परिसर में इस अवसर पर विद्यार्थियों ने एक जीवंत प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने वस्त्रों और सहायक वस्तुओं का एक उत्कृष्ट संग्रह प्रस्तुत किया, जिसमें प्राचीन बुनाई पद्धतियों को समकालीन डिजाइन सौंदर्यशास्त्र के साथ खूबसूरती से मिश्रित किया गया था।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर में, आशा (हस्तशिल्प कारीगरों की सहायता एवं जीवन रक्षा) के संस्थापक श्री रोहित जी. रूसिया ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि निमझे हैंडलूम के स्वामी श्री वामन निमझे विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर, विशेषज्ञ एवं पूर्व प्राचार्या – एनआईआईएफटी डॉ. पूनम अग्रवाल ठाकुर ने "पारंपरिक वस्त्र: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य" विषय पर एक वेबिनार भी प्रस्तुत किया।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में एनएचडी उत्सव का एक दृश्य

टीएनजीडब्ल्यूए द्वारा हथकरघा साड़ियों और उत्पादों की प्रदर्शनी का एक दृश्य

एफडीडीआई चेन्नई परिसर में, समारोह में छात्रों की रचनात्मकता को प्रदर्शित करने वाली प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, साथ ही कांचीपुरम बुनाई क्लस्टर का भ्रमण भी किया गया, जिससे छात्रों को हथकरघा वस्त्रों की गहन समझ प्राप्त हुई। कांचीपुरम जिले के हथकरघा निरीक्षक, श्री सुंदरेसन तनिकाचलम, मुख्य अतिथि थे। तमिलनाडु सरकार बुनकर संघ (टीएनजीडब्ल्यूए) ने भी प्रदर्शन और बिक्री के लिए हथकरघा साड़ियों और उत्पादों की एक प्रदर्शनी आयोजित करके इसमें भाग लिया, जिसमें भारत की हथकरघा विरासत की समृद्धि पर प्रकाश डाला गया।

एफडीडीआई - नोएडा परिसर के छात्रों द्वारा निर्मित हथकरघा उत्पाद

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में एनएचडी समारोह

एफडीडीआई नोएडा परिसर में छात्रों ने अपनी हथकरघा आधारित कृतियों का प्रदर्शन किया, जो पारंपरिक बुनाई प्रथाओं के प्रति नवीन दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

संस्थान के कर्मचारियों ने भी हाथ से बुने/हथकरघा परिधान पहनकर कार्यालय में उपस्थित होकर राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया, जबकि छात्रों ने भी पारंपरिक हथकरघा परिधान पहनकर इसमें भाग लिया, जो भारत के बुनकर समुदाय के साथ एकजुटता को दर्शाता है और इसकी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करता है।

'मनक मंथन' कार्यक्रम में एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया

नवीनतम उद्योग मानकों एवं प्रथाओं में जानकारी गृहण करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के कर्मचारी सदस्य, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) के लोग भी शामिल थे, छात्रों के साथ, 23 मई 2024 को चेन्नई के वेस्टिन पार्क होटल में आयोजित 'मानक मंथन' कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), चेन्नई शाखा कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नए मानकों के शुभारंभ और विभिन्न डोमेन में महत्वपूर्ण अद्यतनों, संशोधनों और व्यापक प्रसार ड्राफ्ट के प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया गया।

'मानक मंथन' कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का एक दृश्य

यह कार्यक्रम, जो डर्बी शूज़ के लिए भारतीय मानकों को प्रस्तुत करने पर केंद्रित था, अर्थात् डर्बी शूज़ (आईएस 17043:2024) भाग 1: सेवाओं के लिए फुटवियर - डर्बी शूज़ और भाग 2: सामान्य प्रयोजन के लिए फुटवियर, स्थानीय निर्माताओं, सरकारी विभागों, वाणिज्य मंडलों, उद्योग संघों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, नियामक निकायों, प्रयोगशालाओं, शैक्षिक संस्थानों, नागरिक समाज समूहों और ऐसे उत्पादों का उपयोग करने वाले संगठनों के लिए अत्यधिक महत्व रखता है।

यह पहल सुनिश्चित करती है कि सभी डर्बी जूते बीआईएस प्रमाणीकरण प्राप्त करेंगे, जो इन कठोर मानकों के अनुपालन को दर्शाता है और उपभोक्ताओं को उनकी खरीद में विश्वास दिलाता है।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'लिंग संवेदीकरण और पॉश अधिनियम' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के आईसीसी-पीओएसएच द्वारा 26 अप्रैल 2024 को अपने परिसर में 'लिंग संवेदीकरण और पीओएसएच अधिनियम' पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को कानून के प्रावधानों एवं प्रभावशीलता से परिचित कराना था।

हैदराबाद स्थित वक्किल्स एसोसिएटेड की वरिष्ठ सहयोगी एवं गैर-सरकारी संगठन आईपीआरएएस की सचिव सुश्री जानकी मंडला इस सत्र की मुख्य वक्ता थीं। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से, उन्होंने लैंगिक संवेदनशीलता और पीओएसएच अधिनियम के अंतर्गत कानूनी अनुपालन के महत्वपूर्ण अंतर्संबंध पर प्रकाश डाला, जिससे प्रतिभागियों को इस विषय की व्यापक समझ प्राप्त हुई।

सुश्री जानकी मंडला प्रतिभागियों को संबोधित करती हुईं

प्रतिभागियों का एक दृश्य

प्रतिभागियों को सबसे पहले लैंगिक संवेदनशीलता एवं पीओएसएच अधिनियम से संबंधित मूलभूत अवधारणाओं, शब्दावलियों और कानूनी प्रावधानों से परिचित कराया गया। सुश्री मंडला की विशेषज्ञता और व्यावहारिक वास्तविक उदाहरणों ने सत्र को समृद्ध बनाया और प्रतिभागियों को एक सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की।

दीक्षांत समारोह एवं आईएनआई दिवस समारोह

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर का छठा दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया

एफडीडीआई - कोलकाता परिसर ने 2024 के स्नातक बैच के लिए 17 फरवरी 2025 को अपने परिसर में अपना छठा दीक्षांत समारोह आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) जे.पी. संपत कुमार, निदेशक - एनआईडी असम, और विशिष्ट अतिथि श्री अमिताव चंद्रा, निदेशक - चंद्रा केमिकल्स, और श्री अनिंद्य रे, सहायक उपाध्यक्ष - जया श्री टेक्सटाइल्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड उपस्थित थे। इस सभी गणमान्य व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत श्री विवेक शर्मा, आईआरएस, प्रबंध निदेशक - एफडीडीआई द्वारा किया गया।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

प्रो. (डॉ.) जे.पी. संपत कुमार – निदेशक, एनआईडी, असम

इस अवसर पर एफडीडीआई के सचिव कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, एफडीडीआई पटना के कार्यकारी निदेशक श्री नीरज कुमार, संकाय सदस्य, कर्मचारी, छात्र, अभिभावक और उद्योग जगत की जानी-मानी हस्तियां भी उपस्थित थीं।

गणमान्य व्यक्तियों के साथ 2024 के बैच के स्नातक छात्र

समारोह की शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

दीक्षांत समारोह में कुल 81 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई, जो उनके व्यावसायिक कार्यक्रमों के सफल समापन का प्रतीक है जिसमें - 40 छात्र फैशन डिजाइन स्कूल (एफडी) से, 18 छात्र लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन स्कूल (एलजीएडी) से, तथा 23 छात्र फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन स्कूल (एफडीपी) से शामिल थे।

अपनी डिग्री के साथ खुश छात्र

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक, आईआरएस, श्री विवेक शर्मा ने अपने मुख्य भाषण में फुटवियर, फैशन, चमड़ा उत्पादों और रिटेल एवं फैशन उत्पादों में वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने वाले नवाचार, अनुसंधान एवं तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एफडीडीआई की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों की उपलब्धियों, संस्थान में आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों तथा भविष्य के लिए उनके दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया।

छात्रवृत्ति प्राप्त करती एक छात्रा

मुख्य अतिथि, प्रो. (डॉ.) जे.पी. संपत कुमार - निदेशक, एनआईडी, असम ने अपने हार्दिक संदेश में स्नातकों को उत्कृष्टता प्राप्त करने, जीवन में किसी भी शॉर्टकट से बचने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए स्वयं को सुसज्जित करने एवं अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्र.सं.	छात्र का विवरण	पदक	धनराशि
1	सुश्री सारा मुल्लामिथावाला (बी.डेस - एफडी)	स्वर्ण पदक	डेंड्राइट एडहेसिव द्वारा ₹30,000 की छात्रवृत्ति
2	श्री अमर्त्य सेन (बी.डेस - एफ.डी.पी.)	रजत पदक	डेंड्राइट एडहेसिव द्वारा ₹२5,000 की छात्रवृत्ति
3	सुश्री कविनमलार एम ए (बी.डेस - एलजीएडी)	रजत पदक	डेंड्राइट एडहेसिव द्वारा ₹25,000 की छात्रवृत्ति
शैक्षणिक उत्कृष्टता को मान्यता			

शैक्षणिक उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए, ये छात्रवृत्तियाँ डेंड्राइट एडहेसिव के निर्माता, चंद्रा केमिकल एंटरप्राइजेज (प्राइवेट) लिमिटेड, पी.सी. चंद्रा ग्रुप के प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान की गईं।

अब 2024 का स्नातक वर्ग एफडीडीआई के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र नेटवर्क में शामिल हो गया है, जहाँ पूर्व स्नातकों ने एडिडास, लाइफस्टाइल (लैंडमार्क), अरविंद फैशन्स लिमिटेड और एच एंड एम जैसी अग्रणी कंपनियों में पद प्राप्त किए हैं। संस्थान का उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम एवं उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति इसके मजबूत प्लेसमेंट रिकॉर्ड को बनाए रखती है।

पंजाब के माननीय राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक ने एफडीडीआई, बनूर परिसर के दीक्षांत समारोह में भाग लिया

पंजाब के माननीय राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने एफडीडीआई - बनूर परिसर के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

संस्थान के परिसर में 10 जनवरी 2025 को आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में 2023 एवं 2024 बैच के 128 छात्रों को रिटेल और फैशन मर्चेंडाइज, फुटवियर टेक्नोलॉजी, फैशन डिजाइन और लेदर लाइफस्टाइल और प्रोडक्ट डिजाइन विभागों की उपाधि प्रदान की गई।

माननीय राज्यपाल पंजाब और चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया सभा को संबोधित करते हुए

दीक्षांत समारोह के दौरान उपाधि प्राप्त करती स्नातक की छात्रा

इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के निदेशक, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, स्नातक छात्र, संकाय, कर्मचारी और संस्थान के वर्तमान छात्र उपस्थित थे।

माननीय राज्यपाल ने सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के सम्मान में व्यक्तिगत रूप से उपाधियाँ और पुरस्कार प्रदान किए। अपने मुख्य भाषण में, उन्होंने स्नातकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा, "शिक्षा को कौशल के साथ जोड़कर, राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन विकसित किए जा रहे हैं। इससे न केवल बेरोज़गारी कम होती है, बल्कि स्वरोज़गार के अवसर भी पैदा होते हैं।"

शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण एवं रजत पदक से सम्मानित किया गया। 2023 बैच की आकांक्षा गुप्ता और ऋषिता लाडीवाल तथा 2024 बैच की दिव्यप्रिया और स्तुति पंत को क्रमशः स्नातकोत्तर और स्नातक वर्ग में स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इसी प्रकार, फुटवियर टेक्नोलॉजी विभाग की 2023 बैच की एकजोत कौर, लेदर लाइफस्टाइल और प्रोडक्ट डिजाइन विभाग की सृष्टि मित्तल और फुटवियर टेक्नोलॉजी विभाग की 2024 बैच की ओजल गर्ग को रजत पदक प्रदान किए गए।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर ने अपना छठा दीक्षांत समारोह आयोजित किया

एफडीडीआई - चेन्नई परिसर ने 2020-24 के स्नातक बैच के लिए 8 जनवरी 2025 को अपने 6वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि श्री अब्दुल वहाब, क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण) - चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) एवं प्रबंध निदेशक, केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, और विशिष्ट अतिथि श्रीमती टीना विंसेंट, फैशन डिजाइनर और एक्सएक्सएल टीना विंसेंट की संस्थापक उपस्थित थीं।

सुश्री आरती सीआर, एफडी टॉपर और बैच 2020 की ओवरऑल कॉलेज टॉपर ने 'मुख्य अतिथि' द्वारा स्वर्ण पदक के साथ उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए

बैच-2020 की एफडीपी टॉपर सुश्री अपर्णा को 'विशिष्ट अतिथि' द्वारा 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' प्राप्त करते हुए

इस ऐतिहासिक आयोजन में, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के 39 छात्रों तथा स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के 43 छात्रों (35 बी.डी.डी. और 8 एम.डेस) को उपाधि प्रदान की गई, जो उनके पेशेवर कार्यक्रमों के सफल समापन को चिह्नित करते हैं। विशिष्ट अतिथियों ने स्नातकों के भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

एफडीडीआई, हैदराबाद ने अपना चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित किया

एफडीडीआई - हैदराबाद परिसर ने अपना 14 अक्टूबर 2024 को चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसके दौरान फैशन, फुटवियर, रिटेल और चमड़े के सामान के विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर 81 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई।

इस समारोह में मुख्य अतिथि तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा और विशिष्ट अतिथि तेलंगाना सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य (आई एंड सी) तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख सचिव श्री जयेश रंजन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में वॉकारू फुटवियर के सीईओ श्री वी. नौशाद भी उपस्थित थे।

तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा 'मुख्य भाषण' देते हुए

तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा द्वारा उपाधि प्राप्त करती छात्रा

दीक्षांत समाहोह की शुरुआत एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के कार्यकारी निदेशक डॉ. नरसिंहुगारी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों के साथ-साथ अभिभावकों, छात्रों, संकाय सदस्यों और मीडिया के सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

छात्र 'उत्तीर्णता' की लेते हुए

इस अवसर पर मंच पर विराजमान गणमान्य व्यक्तियों को कार्याकरी निदेशक-एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर द्वारा स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया।

तेलंगाना के माननीय राज्यपाल, श्री जिष्णु देव वर्मा ने अपने मुख्य भाषण में, स्नातकों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी और उनसे तेज़ी से विकसित हो रहे फुटवियर, फ़ैशन, रिटेल और चमड़ा उद्योग में सफलता की आधारशिला के रूप में नवाचार एवं उद्यमिता को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "आज की दुनिया में, रचनात्मकता और नवाचार सिर्फ़ फ़ायदे नहीं हैं—वे ज़रूरी भी हैं।"

एफडीडीआई - हैदराबाद परिसर के कार्यकारी निदेशक द्वारा स्नातक छात्रों को उत्तीर्णता की शपथ दिलाई गई। शैक्षणिक, नवाचार एवं परियोजना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के सम्मान में स्वर्ण एवं रजत पदक से सम्मानित किया गया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा ने अपना दीक्षांत समारोह आयोजित किया

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के 2019-2023 के स्नातक बैच के लिए दीक्षांत समारोह 4 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के उत्तीर्ण बैच का एक दृश्य

फैशन डिज़ाइन तथा फुटवियर डिज़ाइन एवं प्रोडक्शन के कुल 24 छात्रों ने अपनी उपाधियां प्राप्त कीं। प्रतिष्ठित स्नातकों में, फैशन डिज़ाइन स्ट्रीम की सुश्री मीनल रघुवंशी को 2019-23 बैच के लिए स्वर्ण पदक और फैशन डिज़ाइन में उनके असाधारण शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए रजत पदक से सम्मानित किया गया। सुश्री ख़ुशी पटेल को फुटवियर डिज़ाइन में उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए रजत पदक से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट अतिथियों ने अपने संबोधन में, स्नातकों को बधाई दी और उन्हें भविष्य में अपने सभी व्यावसायिक प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'आईएनआई दिवस' मनाया गया

एफडीडीआई ने अपने हैदराबाद परिसर में 5 अगस्त 2023 को, आईएनआई दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में डॉ. पी. जे. नारायणन (आईआईआईटी), डॉ. मालानी दिवाकला (एनआईएफटी), और श्री के. मुरली (सीएफटीआई) सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के निदेशकों के साथ-साथ बाटा के उपाध्यक्ष श्री राजन कुमार झा और एवरट्रेड शूज़ के प्रबंध निदेशक श्री नीरेन आनंद जैसे उद्योग जगत के प्रमुख लोग भी उपस्थित थे। इस समारोह में सभी परिसरों के एफडीडीआई अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ पूर्व छात्र भी शामिल हुए।

वार्षिक फैशन पत्रिका 'फेलिसिटास' के शुभारंभ का एक दृश्य

डॉ. मालानी दिवाकला, निदेशक - निफ्ट, हैदराबाद दर्शकों को संबोधित करते हुए

स्वागत भाषण देते हुए, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के कार्यकारी निदेशक, डॉ. नरसिंहुगारी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस ने कहा, "एफडीडीआई के आईएनआई दिवस के इस विशेष अवसर पर, मैं अत्यंत प्रसन्नता एवं विनम्रता के साथ आप सभी का तथा यहाँ उपस्थित सभी लोगों का, और साथ ही ऑनलाइन हमसे जुड़ने वालों का भी स्वागत करता हूँ। बड़े सपनों वाले एक छोटे से संस्थान के रूप में अपनी साधारण शुरुआत से, एफडीडीआई फुटवियर, डिज़ाइन, फ़ैशन और रिटेल के क्षेत्र में एक मज़बूत शक्ति के रूप में विकसित हुआ है।"

'सैली' में उत्पादों का प्रदर्शन

इस अवसर पर, एफडीडीआई की वार्षिक फैशन पत्रिका 'फेलिसिटास' का गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर, परिसर के नए स्टोर 'सैली' और इसकी वेबसाइट saili.co.in का भी शुभारंभ हुआ, जिसने शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता के साथ डिजिटल प्रगति को एकीकृत करने की संस्थान की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

फैशन शो का एक दृश्य

भारत की प्राचीन परिधान तकनीकों एवं हथकरघा शिल्प का सम्मान करते हुए, फैशन शो 'अलंकरण' - फैशन उद्योग के समकालीन और पारंपरिक डिजाइनों का एक उदार मिश्रण, छात्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया, जिन्होंने 'आईएनआई दिवस' समारोह को चिह्नित करने के लिए शो का आयोजन किया था।

संगीत प्रदर्शन का एक दृश्य

दर्शकों का एक दृश्य

इस कार्यक्रम को डेबोन, टुरेल, अंजनी फुटवियर और फरीदा ग्रुप ऑफ कंपनीज द्वारा प्रायोजित किया गया था।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर एवं एफडीडीआई, गुना परिसर का तीसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर ने 4 मई 2024 को अपना तीसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें एफडीडीआई, गुना परिसर का दीक्षांत समारोह भी शामिल था।

राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। एफडीडीआई के सचिव एवं प्रबंध निदेशक कर्नल पंकज कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को और भी विशिष्ट बनाने में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) हरप्रीत कौर, आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पी.के. प्रजापति, जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.आर. चौधरी, आईआईटी जोधपुर के रजिस्ट्रार डॉ. हरिओम यादव और मेवाड़ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार सहित कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही।

एफडीडीआई की ओर से, एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के कार्यकारी निदेशक श्री अनिल कुमार ने 'मुख्य अतिथि' और सभी प्रतिनिधियों, स्नातक छात्रों, अभिभावकों, कारीगरों और मीडियाकर्मियों का स्वागत किया, इस अवसर पर कर्मचारी और छात्र भी उपस्थित थे।

राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र 'मुख्य भाषण' देते हुए

दीक्षांत समारोह के दौरान उपाधि प्राप्त करती स्नातक छात्रा

मुख्य भाषण देते हुए, राजस्थान के माननीय राज्यपाल, श्री कलराज मिश्र ने कहा, "आज, फुटवियर और फ़ैशन ज़रूरत बन गए हैं। इन माँगों को पूरा करने के लिए, छात्रों के लिए नवाचार को अपनाना और समकालीन ज़रूरतों के अनुरूप उत्पाद बनाना ज़रूरी है।"

गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्नातक बैच

उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा, "डिजाइन का उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था में फुटवियर एवं फैशन उद्योगों के योगदान को बढ़ाना होना चाहिए।"

उनके संबोधन के बाद एक पदक एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ, जिसकी शुरुआत मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्नातकों को विशिष्ट उपाधियाँ और प्रमाण पत्र प्रदान करने से हुई। 2022 और 2023 की कक्षाओं के लिए, विभाग के टॉपरों को रजत पदक से सम्मानित किया गया, जबकि समग्र टॉपरों को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

पदक विजेता	
एफडीडीआई- जोधपुर परिसर	**एफडीडीआई- गुना परिसर**
➢श्री विवेक शर्मा (एफडी 2018-22) को स्वर्ण और रजत पदक ➢सुश्री मेघा माहेश्वरी (एफडीपी 2018-22) को रजत पदक ➢सुश्री साक्षी कुमारी (एफडीपी-2019-23) को स्वर्ण और रजत पदक ➢सुश्री महिमा वासन (एफडी-2019-23) को रजत पदक	➢ सुश्री नेहा कपूर (एफडीपी 2018-22) को स्वर्ण और रजत पदक

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के कुल 137 छात्रों और एफडीडीआई, गुना परिसर के 16 छात्रों को अपने-अपने व्यावसायिक कार्यक्रमों के सफल समापन के उपलक्ष्य में उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें से 126 स्नातक, संस्थान परिसर में आयोजित इस भव्य समारोह में उपस्थित थे।

मेले, प्रदर्शनियाँ, सम्मेलन एवं हितधारक संबंध

एफडीडीआई ने एलएसएससी के साथ संयुक्त सहयोग से महाराष्ट्र के वर्धा में 'राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम' प्रदर्शनी में भाग लिया

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के कुल 137 छात्रों और एफडीडीआई, गुना परिसर के 16 छात्रों को अपने-अपने व्यावसायिक कार्यक्रमों के सफल समापन के उपलक्ष्य में उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें से 126 स्नातक, संस्थान परिसर में आयोजित इस भव्य समारोह में उपस्थित थे।

20 से 22 सितंबर 2024 तक आयोजित इस प्रदर्शनी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कार्यक्रम के तहत एक वर्ष की प्रगति को चिह्नित किया। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17 सितंबर 2023 को यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य भारत के पारंपरिक कारीगरों, जिन्हें सामूहिक रूप से विश्वकर्मा कहा जाता है, का समर्थन और उत्थान करना है। यह योजना लोहारी, बढ़ईगीरी और फुटवियर निर्माण सहित 18 पारंपरिक व्यवसायों में कौशल के संरक्षण और संवर्धन पर केंद्रित था।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी एक कारीगर के साथ संवाद करते हुए

इसके उद्घाटन समारोह के दौरान, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री सीपी राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, माननीय केंद्रीय मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी, माननीय केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री – श्री जयंत चौधरी, और महाराष्ट्र के माननीय उप मुख्यमंत्री – श्री देवेंद्र फडणवीस और श्री अजीत पवार उपस्थित थे।

'शिल्प प्रदर्शनी' में एफडीडीआई के संकाय और कारीगर

माननीय प्रधानमंत्री ने चमड़ा व्यापार हिस्से के तहत चमड़ा क्षेत्र कौशल परिषद (एलएसएससी) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित एफडीडीआई स्टॉल का दौरा किया, जिसमें एक आधुनिक कौशल प्रशिक्षण केंद्र एवं नवीनतम उन्नत मशीनरी का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने स्टॉल पर मौजूद कोल्हापुर और मोजरी समूहों के कारीगरों एवं लाभार्थियों के साथ बातचीत की।

एफडीडीआई के फुटवियर डिज़ाइन एवं प्रोडक्शन स्कूल के संकाय सदस्य - श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, डॉ. पंकज दुबे और श्रीगणेश चौरे - ने 'शिल्प प्रदर्शनी' में भाग लिया तथा एडवांस्ड मशीनरी वर्चुअल 3डी मॉडलिंग लैब से अत्याधुनिक सेटअप प्रस्तुत किया। स्टॉल की थीम ने पारंपरिक शिल्प कौशल से लेकर अत्याधुनिक आधुनिक तकनीक तक - फुटवियर निर्माण के विकास को दर्शाया।

प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षणों में 3डी सॉफ्टवेयर, 3डी मुद्रण तकनीक, 3डी फुट स्कैनिंग, 3डी नमूने और कम्प्यूटरीकृत पैटर्न निर्माण के प्रदर्शन शामिल थे, जिसने गणमान्य व्यक्तियों एवं आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।

एफडीडीआई ने भारत सरकार के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (एचसीआईएम), श्री पीयूष गोयल के साथ चमड़ा और फुटवियर उद्योग हितधारक बातचीत में भाग लिया

एफडीडीआई ने 24 जुलाई 2024 को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (एचसीआईएम), भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल के साथ चमड़ा और फुटवियर उद्योग हितधारक बातचीत में भाग लिया।

इस बैठक का उद्देश्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों के कार्यान्वयन, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), विनिर्माण क्षमता, निर्यात संवर्धन, घरेलू उत्पादन, व्यापार करने में आसानी, नीति समर्थन, रोजगार सृजन, न्यूनतम आयात मूल्य एवं उद्योग से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं सहित प्रमुख मुद्दों पर प्रतिक्रिया और जानकारी एकत्र करना था।

बातचीत के दौरान, माननीय मंत्री ने उद्योग जगत से एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने और 2030 तक चमड़ा एवं फुटवियर क्षेत्र को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ब्रांडों की भागीदारी के साथ एक बड़े पैमाने पर प्रदर्शनी के माध्यम से विश्व स्तरीय उत्पादों को प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अत्याधुनिक डिज़ाइन स्टूडियो स्थापित करने एवं विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी फुटवियर डिज़ाइन विकसित करने के लिए उद्योगों के साथ बेहतर तालमेल बनाने का भी आह्वान किया।

इस बैठक में एफडीडीआई की ओर से, डॉ. सुमीत कुमार जारंगल - प्रबंध निदेशक, कर्नल पंकज कुमार सिन्हा - सचिव, सुश्री प्रज्ञा सिंह - कार्यकारी निदेशक - बनूर परिसर, श्री अनिल कुमार - कार्यकारी निदेशक - जोधपुर परिसर, श्री शरद श्रीवास्तव - मुख्य संकाय, श्री विकास तेवतिया - वरिष्ठ संकाय, डॉ. रेणु शर्मा - वरिष्ठ संकाय, श्री अनूप राणा - वरिष्ठ संकाय, श्री संजीव मिश्रा - वरिष्ठ संकाय, श्री टी लोगनाथन - संकाय, डॉ. रघुराज पंवार - संकाय, श्री पीएसए दीपक - सहायक प्रबंधक ने बातचीत में भाग लिया।

एचसीआईएम, चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग के हितधारकों के साथ संवाद करते हुए

एफडीडीआई सचिव ने फुटवियर एवं चमड़ा उत्पाद क्षेत्र पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने भारत के कंपोनेन्ट उद्योग को मज़बूत बनाने, कौशल उन्नयन तथा विस्तार पहलों को बढ़ावा देने में एफडीडीआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को संबोधित करने के लिए एक राष्ट्रीय फुटवियर नीति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अन्य प्रमुख प्राथमिकताओं के साथ-साथ स्वदेशी मशीनरी निर्माण के लिए एक रणनीतिक हस्तक्षेप योजना विकसित करने हेतु एक समर्पित टास्क फोर्स के गठन की भी सिफारिश की।

इस संवाद में 120 से ज़्यादा हितधारकों ने हिस्सा लिया, जिनमें चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई), केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, इन्वेस्ट इंडिया, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), और बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बीआईएडीए) जैसे प्रमुख संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। भारतीय फुटवियर उद्योग परिसंघ (सीआईएफआई), भारतीय फुटवियर कम्पोनेन्ट निर्माता संघ (आईएफसीओएमए), और भारतीय खुदरा विक्रेता संघ (आरएआई) जैसे उद्योग संघ भी मौजूद थे।

इसके अवावा इस संवाद में प्यूमा, नाइकी, एडिडास, रीबॉक, बाटा, स्केचर्स, लिबर्टी, मेट्रो शूज, रेड टेप और रिलायंस सहित विश्व स्तर पर प्रसिद्ध तथा घरेलू ब्रांडों के प्रमुख उद्योग के अग्रणी और वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख उपस्थित थे।

एफडीडीआई ने दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय चमड़ा एक्सपो (डीआईएलईएक्स) के 06वें संस्करण में भाग लिया

एफडीडीआई ने 20-21 फरवरी 2025 को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी), द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय चमड़ा एक्सपो (डीआईएलईएक्स) - रिवर्स क्रेता-विक्रेता मीट के 6वें संस्करण में भाग लिया।

उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ प्रमुख उद्योगपति, विभिन्न दूतावासों के गणमान्य व्यक्ति, अंतर्राष्ट्रीय खरीदार और प्रेस एवं मीडिया के सदस्य उपस्थित थे।

पैनल चर्चा के दौरान अपने विचार साझा करते गणमान्य व्यक्ति

डीआईएलईएक्स के दौरान, "भारत - फुटवियर एवं चमड़ा उत्पाद सोर्सिंग के लिए गंतव्य" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें श्री राजेंद्र कुमार जालान, अध्यक्ष - सीएलई, श्री आर. सेल्वम, आईएएस, कार्यकारी निदेशक - सीएलई, श्री विवेक शर्मा, आईआरएस, प्रबंध निदेशक-एफडीडीआई, श्री पी.आर. अकील अहमद, प्रबंध निदेशक - मेसर्स फ्लोरेंस शू कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, श्री संजय लीखा - संस्थापक और अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक - अल्पाइन समूह, श्री पूरन डावर, अध्यक्ष - डावर फुटवियर इंडस्ट्रीज, श्री विलियम वोंग, फेडरेशन ऑफ हांगकांग ब्रांड्स के संस्थापक / अध्यक्ष, श्री मोतीलाल सेठी - अध्यक्ष, भारतीय चमड़ा परिधान संघ (आईएलजीए) ने भाग लिया।

एफडीडीआई के स्टॉल का एक दृश्य

डीआईएलईएक्स के एक भाग के रूप में, सीएलई ने रिवर्स क्रेता-विक्रेता मीट (आरबीएसएम) का आयोजन किया, जिसमें पूरे क्षेत्र के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई ने अपने स्टॉल पर छात्रों द्वारा डिज़ाइन की गई कलाकृतियों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की, जिसमें पुरुषों एवं महिलाओं के लिए कैज़ुअल, फ़ॉर्मल और स्पोर्ट्स फुटवियर के साथ-साथ फ़ैशन एक्सेसरीज़, चमड़े के सामान, हैंडबैग और वॉलेट भी शामिल थे। एफडीडीआई के छात्रों ने भी सक्रिय रूप से स्वयंसेवा की और कार्यक्रम के आयोजन और प्रबंधन में सीएलई का सहयोग किया।

डीआईएलईएक्स ने भारतीय चमड़ा उद्योग की विविध शक्तियों को उजागर करने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया, जो दुनिया भर के व्यापारियों, निर्माताओं और उद्योग-केंद्रित खरीदारों के बीच सीधे जुड़ाव को बढ़ावा देता है।

एफडीडीआई ने 38वें भारत अंतर्राष्ट्रीय चमड़ा मेले (आईआईएलएफ-2025) में भाग लिया, जो 1 से 3 फरवरी 2025 के बीच चेन्नई ट्रेड सेंटर, नंदमबक्कम, चेन्नई में आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई ने 38वें भारत अंतर्राष्ट्रीय चमड़ा मेले (आईआईएलएफ-2025) में भाग लिया, जो 1 से 3 फरवरी 2025 के बीच चेन्नई ट्रेड सेंटर, नंदमबक्कम, चेन्नई में आयोजित किया गया था।

बाएं से: सुश्री सबीहा रिज़वी, आईआरएस, निदेशक, चमड़ा अनुभाग, डीपीआईआईटी और श्री ई श्रीनिवास, आईआरएसएसई, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी एफडीडीआई के स्टॉल पर

38वें आईआईएलएफ का उद्घाटन श्रीमती सुप्रिया साहू, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार और श्री विमल आनंद, आईआरएस, संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा श्री राजेंद्र कुमार जालान, अध्यक्ष, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई), श्री आर सेल्वम, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, सीएलई, श्री मुख्तारुल अमीन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सुपरहाउस समूह, श्री संजय लीखा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, अल्पाइन समूह, कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव, एफडीडीआई तथा भारतीय चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग के दिग्गजों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

बाएं से: सुश्री सबीहा रिज़वी, आईआरएस, निदेशक, चमड़ा अनुभाग, डीपीआईआईटी, श्री आर सेल्वम, आईएएस, ईडी, सीएलई और श्री ई श्रीनिवास, आईआरएसएसई, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी को एफडीडीआई के कर्मचारियों द्वारा एफडीडीआई के स्टॉल पर प्रदर्शित उत्पादों के बारे में जानकारी देते हुए

मेले में चमड़ा उद्योग से संबंधित उत्पादों की पूरी श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जिसमें कच्चे माल से लेकर तैयार माल और सहायक उत्पाद शामिल थे।

भारत के चमड़ा एवं फुटवियर क्षेत्र के प्रमुख आयोजनों में से एक, इंडिया इंटरनेशनल लेदर फेयर (आईआईएलएफ) ने एफडीडीआई को नवाचार, स्थिरता तथा अत्याधुनिक डिज़ाइन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए एक प्रमुख मंच प्रदान किया। इस आयोजन ने निर्माताओं, निर्यातकों, डिज़ाइनरों, नीति निर्माताओं और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित प्रमुख हितधारकों को आकर्षित किया, जिससे सहयोग और व्यावसायिक अवसरों के लिए एक गतिशील वातावरण तैयार हुआ।

एफडीडीआई के स्टॉल पर छात्रों द्वारा डिज़ाइन किए गए उत्पादों का एक विविध संग्रह प्रदर्शित था, जिसमें फुटवियर, चमड़े के सामान, वस्त्र एवं सहायक उपकरण शामिल थे—जिनमें से कई को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। इन कृतियों में असाधारण रचनात्मकता, उच्च-फैशन सौंदर्यशास्त्र, और पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों तथा प्रक्रियाओं पर ज़ोर दिया गया था, जो वैश्विक बाज़ार में तेज़ी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

सेमिनार और आईडीएलएस जागरूकता सत्र के प्रतिभागी

'डिजाइनर्स फेयर' के दौरान एफडीडीआई के स्टॉल का एक दृश्य

स्टॉल का मुख्य आकर्षण स्टार्ट-अप एलुमनी ब्रांड शोकेस था, जो एफडीडीआई स्नातकों की उद्यमशीलता की सफलता का जश्न मना रहा था। विशेष ब्रांडों में सुश्री निधि प्रियतमा का इंसिलिटो 22, सुश्री भावना मरजाना का भावना और श्री बिप्लब भट्टाचार्य का रववानी शामिल थे—इन सभी ने चमड़े के सामान एवं फुटवियर उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस पहल ने न केवल एफडीडीआई द्वारा पोषित उद्यमशीलता की भावना का सम्मान किया, बल्कि पूर्व छात्रों को अपना काम प्रस्तुत करने, ब्रांड की दृश्यता बढ़ाने तथा उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ सहयोग की संभावनाओं को तलाशने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान किया।

आईआईएलएफ के दौरान, 2 फरवरी 2025 को, एफडीडीआई ने 'फुटवियर क्षेत्र में उत्पादकता सुधार' पर एक सेमिनार का आयोजन किया। इसका नेतृत्व स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के विभागाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार ने किया। साथ ही, एफडीडीआई चेन्नई परिसर के एफडीपी के वरिष्ठ संकाय (ग्रेड II) श्री डी. रमेश ने एक आईडीएलएस जागरूकता सत्र भी आयोजित किया। सेमिनार में उद्योग-केंद्रित रणनीतियों पर चर्चा की गई और अनुकूलित उत्पादकता वृद्धि कार्यक्रमों की सिफारिश करने से पहले किसी कारखाने के कार्यप्रवाह का आकलन करने के महत्व पर ज़ोर दिया गया। केरल के फुटवियर उद्योग के प्रबंध निदेशकों और प्रबंधकों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए आईडीएलएस सत्र में पात्रता मानदंड, दिशानिर्देश, आवश्यक दस्तावेज़ प्रारूप और योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

इस मेले के दौरान, सीएलई ने 'डिज़ाइनर्स फ़ेयर' के आठवें संस्करण का भी आयोजन किया, जहाँ एफडीडीआई ने नवीन कृतियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की। इस स्टॉल ने प्रसिद्ध विदेशी तथा भारतीय डिज़ाइनरों, दोनों का ध्यान आकर्षित किया, जिससे डिज़ाइन उत्कृष्टता और उद्योग प्रासंगिकता के लिए एफडीडीआई की प्रतिष्ठा और भी मज़बूत हुई।

एफडीडीआई, फुरसतगंज ने 'शूटेक कानपुर 2024' मेले में भाग लिया

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर ने इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएफसीओएमए) द्वारा आयोजित 'शूटेक कानपुर 2024' - क्रेता-विक्रेता बैठक सह प्रदर्शनी में भाग लिया, जो 16 और 17 अक्टूबर 2024 को सीएलई बहुउद्देशीय हॉल, केएलसी कॉम्प्लेक्स, बंथर, उन्नाव में चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई), कानपुर लेदर कॉम्प्लेक्स और एफडीडीआई के मजबूत समर्थन से आयोजित किया गया था।

इसका उद्घाटन 16 अक्टूबर 2024 को सीएलई के अध्यक्ष श्री आर.के. जालान और मुख्य अतिथि - सुपर हाउस के अध्यक्ष श्री मुख्तारुल अमीन, विशिष्ट अतिथि, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की निदेशक, आईआरएस सुश्री सबीहा रिजवी, तथा विशिष्ट अतिथि श्री असद कमाल इराकी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, सीएलई, श्री राकेश सूरी, संयोजक - सेफ्टी फुटवियर पैनल, सीएलई, डॉ. अनिल रंगा, महाप्रबंधक, ऑर्डिनेंस इक्विपमेंट फैक्ट्री और श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष आईएफसीओएमए द्वारा किया गया। इस समारोह में नाज़ लेदर, कानपुर के अध्यक्ष श्री जावेद इकबाल, सीएलई की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती पल्लवी दुबे, प्रमुख कम्पोनेन्ट निर्माता, आईएफसीओएमए की प्रबंध समिति और मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

सेमिनार और आईडीएलएस जागरूकता सत्र के प्रतिभागी

गणमान्य व्यक्तियों ने स्वर्गीय श्री रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत के औद्योगिक परिदृश्य को आकार देने में उनके उल्लेखनीय सहयोग, दूरदर्शी नेतृत्व एवं स्थायी विरासत का सम्मान किया।

स्वर्गीय श्री रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए गणमान्य व्यक्ति

स्टॉल पर गणमान्य व्यक्ति

इस मेले में कानपुर, आगरा, नोएडा, मेरठ, दिल्ली, गुड़गांव, चेन्नई, बैंगलोर, बहादुरगढ़ और अन्य स्थानों से 80 स्टॉल लगाकर 65 से अधिक प्रदर्शकों ने शूटेक कानपुर में भाग लिया तथा फुटवियर के कम्पोनेन्ट, सहायक उपकरणों और मशीनरी की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की। प्रदर्शनी में नवीनतम डिज़ाइनों के विशेष सोल (टीपीआर/टीपीयू/पीयू, आदि), प्लास्टिक शू लास्ट, इनसोल, टो-पफ, काउंटर, लाइनिंग एवं इंटरलाइनिंग, धागे, फिनिश एवं रसायन, पैकेजिंग बॉक्स, शू मशीनरी और कई अन्य कम्पोनेन्ट तथा सहायक उपकरण शामिल थे।

एफडीडीआई के स्टॉल का एक दृश्य

कार्यक्रम के दौरान, आईएफसीओएमए ने उद्योग जगत की उत्कृष्ट प्रतिभाओं और उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित किया। ये पुरस्कार सुपर हाउस के अध्यक्ष श्री मुख्तारुल अमीन (मुख्य अतिथि); सीएलई के अध्यक्ष श्री आर.के. जालान (विशिष्ट उद्घाटनकर्ता); और डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की निदेशक सुश्री सबीहा रिज़वी, आईआरएस (विशिष्ट अतिथि सम्मान) द्वारा संयुक्त रूप से छह योग्य विजेताओं को प्रदान किए गए।

एफडीडीआई ने अपने स्टॉल पर अपने प्रकाशनों का प्रदर्शन किया तथा ब्रोशर व व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से अपनी प्रयोगशाला सेवाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और परामर्श सेवाओं के बारे में जानकारी साझा की। संस्थान ने अपने छात्रों के लिए संभावित प्लेसमेंट अवसरों पर चर्चा करने के लिए भाग लेने वाली कंपनियों के साथ भी बातचीत की।

एफडीडीआई, कोलकाता ने 'लेदर विजन 2025' में भाग लिया

एफडीडीआई कोलकाता ने भारतीय चमड़ा उत्पाद संघ (आईएलपीए) द्वारा 7-8 मार्च 2025 को एफआरईवाईए, आईआईडीएफ, आईएलपीए लेदर गुड्स पार्क, सीएलसी, कोलकाता के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित 'लेदर विजन 2025' के तीसरे संस्करण में भाग लिया।

संकाय सदस्यों के साथ छात्रों ने इस विशेष कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें चमड़ा उद्योग में नवीनतम अभीनव रुझानों एवं डिजाइनों को प्रदर्शित किया गया, जिसमें जीवनशैली उत्पादों और फुटवियर में अत्याधुनिक विकास भी शामिल था।

'लेदर विजन 2025' में एफडीडीआई, कोलकाता के संकाय

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण चमड़ा उत्पाद एवं सहायक उपकरण डिज़ाइन (एलजीएडी) तथा फुटवियर डिज़ाइन एवं उत्पादन (एफडीपी) विभागों के छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने अद्वितीय, समकालीन डिज़ाइनों के साथ-साथ चमड़े के उत्पादों और फुटवियर का एक आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों को दर्शकों की भरपूर सराहना मिली और चमड़ा उद्योग के पेशेवरों की अगली पीढ़ी की रचनात्मकता, तकनीकी कौशल एवं दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रदर्शन हुआ।

इस कार्यक्रम में विश्वव्यापी उत्तरदायी मान्यताप्राप्त उत्पादन (डब्ल्यूआरएपी) प्रमाणन कार्यक्रम पर एक सेमिनार भी आयोजित किया गया, जिसमें चमड़ा क्षेत्र में नैतिक प्रथाओं, सुरक्षित कार्य स्थितियों और स्थिरता को सुनिश्चित करने में डब्ल्यूआरएपी प्रमाणन की भूमिका के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।

छात्रों द्वारा विकसित चमड़े के बैग तथा फुटवियर का संग्रह प्रस्तुत

उद्योग जगत के अग्रणी और प्रतिष्ठित संगठन जैसे टीएफएल, स्टाहल, स्मिट एंड ज़ून (लीयर ग्रुप), बोटिको, क्रोमोजेनिया, सिस्को और सोमर ने इसमें भाग लिया, अपनी विशेषज्ञता साझा की तथा चमड़ा उद्योग के विकास एवं नवाचार का समर्थन किया।

एफडीडीआई छात्रों की सक्रिय भागीदारी, उद्योग विशेषज्ञों के साथ ज्ञान का आदान-प्रदान तथा स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने से लेदर विजन 2025 वैश्विक चमड़ा बाजार में उभरते रुझानों को सीखने, नेटवर्किंग और अन्वेषण के लिए एक असाधारण मंच बन गया।

भारत टेक्स 2025 में एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) और एफडीडीआई, रोहतक के छात्रों के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि

छात्रों के कपड़ा उत्पादन, तथा इसकी आपूर्ति श्रृंखलाओं में वस्त्र, उभरते रुझान, डिजिटलीकरण और स्वचालन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) एवं एफडीडीआई, रोहतक के फाउंडेशन डिजाइन छात्रों के लिए भारत टेक्स 2025 में भाग लेने हेतु एक दौरे का आयोजन किया गया।

भारत टेक्स 2025, भारत के कपड़ा उद्योग का एक भव्य प्रदर्शन था, जिसमें शाही, अरविंद, वेलस्पन और कई अन्य जैसे देश के कुछ सबसे प्रमुख ब्रांड शामिल थे। छात्रों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया, उद्योग जगत के दिग्गजों से बातचीत की तथा उत्पाद डिज़ाइन, वस्त्र एवं टिकाऊ प्रथाओं में नवीनतम प्रगति के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) के छात्र 'भारत टेक्स-2025' में अपने संकाय सदस्यों के साथ

एफडीडीआई, रोहतक के छात्र 'भारत टेक्स-2025' में अपने संकाय सदस्यों के साथ

एफडीडीआई चंडीगढ़ (बानूर) परिसर से डॉ. अन्नू कुमारी और सुश्री शेफाली वर्मा तथा एफडीडीआई रोहतक परिसर से डॉ. सरिता देवी और श्री अनिल यादव - संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्रों ने 14 से 17 फरवरी 2025 तक गोलमेज चर्चाओं एवं मास्टरक्लास में भाग लिया। इन सत्रों में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित शिल्पकार, प्रसिद्ध उद्योग विशेषज्ञ तथा कपड़ा एवं फुटवियर क्षेत्रों के अग्रणी शामिल थे।

'भारत टेक्स-2025' के दौरान बुनाई तकनीक देखते हुए छात्र

उद्योग जगत के दिग्गजों से सीधे जुड़ने, वैश्विक वस्त्र रुझानों के बारे में जानने तथा आधुनिक वस्त्र उत्पादन की बारीकियों को समझने के अवसर ने छात्रों पर अमिट छाप छोड़ी, जिससे उनकी शैक्षणिक यात्रा और पेशेवर दृष्टिकोण समृद्ध हुआ।

एफडीडीआई, नोएडा ने 'भारत पर्व' 2025 में भाग लिया

एफडीडीआई, नोएडा को प्रतिष्ठित 'भारत पर्व' 2025 में भाग लेने का सौभाग्य मिला, जो 26 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक ऐतिहासिक लाल किले, नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।

'देखो अपना देश' थीम वाला भारत पर्व 2025 विविध गतिविधियों से भरपूर एक रोमांचक आयोजन था। इस आयोजन में गणतंत्र दिवस की झांकियों का प्रदर्शन, सशस्त्र बलों के बैंडों की प्रस्तुतियाँ, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, 59 खाद्य स्टालों पर भारत के समृद्ध स्वाद और हस्तशिल्प एवं हथकरघा के 70 स्टालों का प्रदर्शन शामिल था।

'भारत पर्व' में एफडीडीआई, नोएडा का स्टॉल

एफडीडीआई ने अपने समर्पित स्टॉल पर, अपने छात्रों के असाधारण कार्य का एक आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत किया, तथा आगंतुकों को एक दृश्य उत्सव प्रदान किया, जो जीवंत शैक्षणिक वातावरण में विकसित रचनात्मकता, नवाचार और कौशल को दर्शाता था।

प्रदर्शनी में स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) के छात्रों द्वारा बारीकी से सिले एवं डिज़ाइन किए गए परिधानों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जो उनकी शिल्प कौशल तथा डिज़ाइन कौशल में निपुणता का प्रदर्शन कर रही थी। इनके पूरक के रूप में बुने हुए स्कार्फ और पैनल, साथ ही जटिल ब्लॉक-प्रिंटेड और स्क्रीन-प्रिंटेड कपड़े थे, जो भारत की समृद्ध वस्त्र विरासत का प्रदर्शन कर रहे थे।

कपड़ा एवं परिधान कृतियों के अलावा, इस स्टॉल पर स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों द्वारा डिज़ाइन किए गए फुटवियर डिज़ाइनों का एक प्रेरणादायक संग्रह भी प्रदर्शित किया गया था, साथ ही स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एलजीएडी) के छात्रों द्वारा तैयार किए गए परिधान, सहायक उपकरण और बैग सहित चमड़े के उत्पादों की एक उत्कृष्ट श्रृंखला भी प्रदर्शित की गई थी। इन उत्पादों में पारंपरिक शिल्प कौशल तथा समकालीन डिज़ाइन संवेदनाओं का एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण था, जो आधुनिक नवाचार को अपनाते हुए भारत की कलात्मक विरासत को संरक्षित करने के लिए एफडीडीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों द्वारा प्रस्तुत फैशन शो

स्टॉल का एक प्रमुख आकर्षण ब्लॉक प्रिंटिंग का व्यावहारिक अनुभव था, जहाँ आगंतुक इस कालातीत शिल्प में हाथ आजमा सकते थे। सांस्कृतिक समृद्धि में चार चाँद लगाते हुए, कोल्हापुर (चमड़ा शिल्प), मधुबनी चित्रकला और जयपुर के थापू कलाकारों ने एफडीडीआई के साथ मिलकर इंटरैक्टिव शिल्प एवं डिज़ाइन कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन गतिविधियों ने न केवल आगंतुकों की पारंपरिक कला रूपों के प्रति गहरी समझ पैदा की, बल्कि प्रत्येक रचना के पीछे छिपी जटिल शिल्पकला को भी करीब से देखने का अवसर दिया। इस पहल ने कई यूट्यूब प्रभावशाली लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने एफडीडीआई की कहानी को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद की।

कोल्हापुर के कारीगर अपनी शिल्पकला का प्रदर्शन करते हुए

छात्रों द्वारा आकर्षक फ्लैश मॉब नृत्य का एक दृश्य

'एक्टिविटी ज़ोन' में उत्साह का संचार हुआ, जहाँ छात्रों ने रोज़ाना फ़्लैश मॉब प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्होंने उत्साही भीड़ को आकर्षित किया तथा अपनी रचनात्मकता और उत्साह के लिए प्रशंसा अर्जित की। स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज़ (आरएफएम) ने आकर्षक फैशन और ब्रांड क्विज़, विज़ुअल मर्चेंडाइज़िंग डिस्प्ले और आगंतुकों के साथ इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन करके उत्साह को और बढ़ा दिया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन एक शानदार फैशन शो का आयोजन हुआ, जिसमें एफडीडीआई, नोएडा के सभी स्कूलों के छात्रों द्वारा डिज़ाइन किए गए कलेक्शन प्रदर्शित किए गए। डिज़ाइनर एवं मॉडल की दोहरी भूमिका निभाते हुए, छात्रों ने आत्मविश्वास से रैंप पर वॉक किया और अपनी रचनाओं को जीवंत किया। शो का ज़ोरदार तालियों से स्वागत किया गया और यह पूरे कार्यक्रम का सबसे चर्चित आकर्षण बन गया।

'भारत पर्व' 2025 में एफडीडीआई नोएडा की भागीदारी एक शानदार सफलता रही — प्रतिभा, रचनात्मकता एवं संस्कृति का एक जीवंत उत्सव। छात्रों ने न केवल विविध दर्शकों के सामने अपने कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि अमूल्य अनुभव, उद्योग जगत से जुड़ाव और अविस्मरणीय यादें भी हासिल कीं।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर ने नीति आयोग के जी-हब कार्यक्रम - 'सूरत आर्थिक क्षेत्र का आर्थिक मास्टर प्लान' के शुभारंभ समारोह में भाग लिया

एफडीडीआई अंकलेश्वर ने 19 सितंबर 2024 को सूरत के ली मेरिडियन होटल में आयोजित नीति आयोग के ग्रोथ हब (जी-हब) कार्यक्रम - 'सूरत आर्थिक क्षेत्र का आर्थिक मास्टर प्लान' के शुभारंभ समारोह में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित थे, जिन्होंने सूरत आर्थिक क्षेत्र के मास्टर प्लान का आधिकारिक अनावरण किया। नीति आयोग के जी-हब कार्यक्रम के तहत इस पहल का उद्देश्य गुजरात के आर्थिक विकास को गति देना है, जिसका लक्ष्य 2047 तक राज्य की अनुमानित अर्थव्यवस्था को 3.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाना है।

एफडीडीआई अंकलेश्वर के संकाय एवं छात्र शुभारंभ समारोह के दौरान

विकासित भारत 2047 के विज़न के अनुरूप, नीति आयोग के मार्गदर्शन में, केंद्र सरकार तेज़ी से विकसित हो रहे शहरों और उनके आसपास के क्षेत्रों को विकास केंद्रों में बदलने के लिए काम कर रही है। सूरत को एक प्रमुख केंद्र के रूप में पहचाना गया है, जिसमें सूरत, नवसारी, भरूच, डांग, तापी और वलसाड जिले शामिल हैं।

एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर के संकायों और छात्रों ने इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, व्यापार और सूरत आर्थिक क्षेत्र के समग्र विकास पर व्यावहारिक सत्र शामिल थे।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर ने नीति आयोग के जी-हब कार्यक्रम - 'सूरत आर्थिक क्षेत्र का आर्थिक मास्टर प्लान' के शुभारंभ समारोह में भाग लिया

एफडीडीआई ने 6 और 7 सितंबर 2024 को बहादुरगढ़, हरियाणा में आयोजित गैर-चमड़े के फुटवियर पर 'विक्रेता विकास कार्यक्रम-सह-प्रदर्शनी' (वीडीपीसीई) में भाग लिया। यह कार्यक्रम एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, करनाल द्वारा बहादुरगढ़ फुटवियर डेवलपमेंट सर्विसेज (बीएफडीएस) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें एमएसएमई, करनाल के सहायक निदेशक श्री सतपाल, बीएफडीएस के अध्यक्ष श्री आर.के. गुप्ता, बीएफडीएस के निदेशक श्री पन्ना लाल, और फुटवियर क्षेत्र के कई प्रमुख उद्योगपति शामिल थे। एफडीडीआई के सचिव कर्नल पंकज कुमार सिन्हा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे उद्योग के हितधारकों के साथ एफडीडीआई का जुड़ाव और मजबूत हुआ।

कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव- एफडीडीआई मीडिया को जानकारी देते हुए

उद्घाटन सत्र में भाग लेने वाले प्रतिभागी

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में अग्रणी खरीदारों, फुटवियर मशीनरी निर्माताओं, सामग्री आपूर्तिकर्ताओं, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं एवं फुटवियर उत्पादन से जुड़े सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रदर्शनी स्टॉल एक साथ आए। यह आपसी सहयोग के लिए एक अनूठा मंच साबित हुआ तथा गैर-चमड़ा फुटवियर और सहायक उपकरण क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम में फुटवियर निर्माताओं के लिए प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता परीक्षण और सरकारी नीतियों पर भी सत्र आयोजित किए गए।

बीएफडीएस के सहयोग से एफडीडीआई, रोहतक द्वारा आयोजित फैशन शो का एक दृश्य

एफडीडीआई ने 6 और 7 सितंबर 2024 को बहादुरगढ़, हरियाणा में आयोजित गैर-चमड़े के फुटवियर पर 'विक्रेता विकास कार्यक्रम-सह-प्रदर्शनी' (वीडीपीसीई) में भाग लिया। यह कार्यक्रम एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, करनाल द्वारा बहादुरगढ़ फुटवियर डेवलपमेंट सर्विसेज (बीएफडीएस) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई ने ग्वालियर में आयोजित तीसरे क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन में भाग लिया

एफडीडीआई ने 28 अगस्त 2024 को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश (एमपी) में आयोजित क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन के तीसरे संस्करण में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, माननीय केंद्रीय मंत्री, संचार मंत्रालय एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय; डॉ. मोहन यादव, माननीय मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश; श्री चेतन्य कश्यप, माननीय मंत्री, एमएसएमई; और श्री नरेंद्र सिंह तोमर, माननीय अध्यक्ष, मध्य प्रदेश विधान सभा, सहित प्रमुख उद्योग जगत के दिग्गज उपस्थित थे।

इस सम्मेलन में पाँच प्रमुख सरकारी विभागों—औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन, एमएसएमई, खनिज संसाधन, पर्यटन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी—ने राज्य की विकास क्षमता और निवेश के अवसरों पर प्रस्तुतिकरण दिए। कार्यक्रम में छह क्षेत्रीय सत्र, तीन गोलमेज चर्चाएँ और 400 से अधिक क्रेता-विक्रेता बैठकें शामिल थीं।

उद्घाटन भाषण देते हुए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के तेजी से हो रहे औद्योगिक विकास पर प्रकाश डाला।

श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, माननीय केंद्रीय मंत्री, संचार मंत्रालय और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय 'मुख्य भाषण' देते हुए

एफडीडीआई के सचिव कर्नल पंकज कुमार सिन्हा 'चमड़ा क्षेत्र में अवसर' पर पैनल चर्चा के दौरान अपने विचार साझा करते हुए

एफडीडीआई के सचिव कर्नल पंकज कुमार सिन्हा ने 'चमड़ा क्षेत्र में अवसर' विषय पर आयोजित एक पैनल चर्चा में भाग लिया, जहाँ उन्होंने चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया तथा इस क्षेत्र के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुरैना में आगामी मेगा लेदर क्लस्टर परियोजना के बारे में विस्तार से बताया और कंपनियों को पार्क में उपस्थिति स्थापित करने पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार निवेशकों को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान करती है।

मध्य प्रदेश में संतुलित और समावेशी औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में 4,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें कनाडा, नीदरलैंड, टोगो, जाम्बिया, मैक्सिको और कोस्टा रिका जैसे देशों के 15 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल थे।

एफडीडीआई ने 8वें आईआईएफएफ में भाग लिया

एफडीडीआई ने 8वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर मेला 2024 (आईआईएफएफ) में भाग लिया, जो 8 से 10 अगस्त 2024 तक हॉल संख्या 5 एवं 6, भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) तथा भारतीय फुटवियर उद्योग परिसंघ (सीआईएफआई) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

मेले में फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग के उत्पादों का व्यापक प्रदर्शन किया गया, जिसमें फुटवियर, कच्चा माल, तैयार माल और सहायक उत्पाद जैसे सिंथेटिक सामग्री, तैयार चमड़ा, फुटवियर के कम्पोनेन्ट (ऊपरी भाग, सोल, हील, काउंटर, लास्ट), फुटवियर मशीनरी तथा उपकरण, प्रक्रिया प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर, रसायन और प्रकाशन शामिल थे।

एफडीडीआई ने अपने विभिन्न परिसरों से छात्रों द्वारा डिज़ाइन किए गए संग्रहों के साथ-साथ अपने सात उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की उन्नत सुविधाओं का भी प्रदर्शन किया। फुट स्कैनिंग मशीन के लाइव प्रदर्शन ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें पैर की संरचना के सटीक माप और विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक तकनीक पर प्रकाश डाला गया।

एफडीडीआई के स्टॉल पर एक आगंतुक को फुट स्कैनिंग मशीन का प्रदर्शन करते हुए

रैंप पर मॉडल

एफडीडीआई ने दो पूर्व छात्रों द्वारा संचालित स्टार्टअप्स - कलर किक्स (फुटवियर) के सीईओ श्री योगेश मानकर, और हैंडबैग, चमड़े के वस्त्र, फुटवियर एवं सहायक उपकरण के डिजाइन सलाहकार और निर्यातक श्री बिप्लब भट्टाचार्य - के संग्रह का भी अनावरण किया।

आईआईएफएफ के एक भाग के रूप में, एफडीडीआई ने सीआईएफआई के सहयोग से 9 अगस्त 2024 को 'फ्यूजन' नामक एक फैशन शो का आयोजन किया। प्रस्तुत भव्यता एवं रचनात्मकता ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और शो को ज़ोरदार तालियाँ एवं व्यापक प्रशंसा मिली। मेले की जीवंतता को और बढ़ाते हुए, एफडीडीआई ने एक जीवंत फ़्लैश मॉब का भी आयोजन किया, जिसने कार्यक्रम में आश्चर्य, उत्साह और मनोरंजन का तड़का लगाया।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने 'प्लास्टिक-पैकेजिंग प्रिंटिंग एक्सपो-2024' का दौरा किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों को प्लास्टिक-पैकेजिंग प्रिंटिंग एक्सपो 2024 में भाग लेने का अवसर मिला, जिससे उन्हें उद्योग के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

एफडीडीआई हैदराबाद के अनुभवी संकाय के मार्गदर्शन में, बी.डेस एफडीपी 2022 और बी.डेस एफडीपी 2023 बैच के छात्रों ने प्लास्टिक पैकेजिंग और प्रिंटिंग तकनीकों में नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित करने वाले विविध प्रकार के स्टॉलों का अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी 9 से 12 अगस्त 2024 तक हैदराबाद के हाइटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित की गई थी।

सोमनाथ मोल्ड्स, डेव टेक्निकल सर्विस, स्मैक इंडस्ट्रीज और जीएमएस पैक-एड्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रमुख नामों सहित 50 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी वाले इस कार्यक्रम ने छात्रों को नवीनतम रुझानों, तकनीकी प्रगति और उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं की गहन एवं व्यापक समझ प्रदान की।

'प्लास्टिक-पैकेजिंग प्रिंटिंग एक्सपो 2024' में संकायों के साथ छात्र

दवे टेक्निकल सर्विस, मुंबई के बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख श्री पराग एन. दवे छात्रों को फुटवियर एवं संबद्ध उद्योगों के लिए उपलब्ध कराए गए अभिनव सोल मोल्डिंग समाधानों के बारे में जानकारी देते हुए

इस यात्रा के दौरान, छात्रों ने उद्योग विशेषज्ञों से बातचीत की, जिन्होंने टिकाऊ पैकेजिंग समाधानों एवं लचीली पैकेजिंग तकनीकों में उभरते रुझानों पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। इन बातचीतों और विविध प्रदर्शनियों के प्रदर्शन ने पॉलिमर, इंजेक्शन मोल्ड्स, उन्नत मुद्रण तकनीकों और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग नवाचारों की ओर बढ़ते रुझान के बारे में उनकी समझ को समृद्ध किया।

राजभाषा विभाग की गतिविधियाँ

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार, एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल, अंकलेश्वर द्वारा संयुक्त रूप से 27 मार्च 2025 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्री अमित इंदौरिया, हिंदी अधिकारी, ईएसआईसी अस्पताल - सूरत, ने मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया और राजभाषा हिंदी से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों और इसके कार्यान्वयन के लिए प्रभावी रणनीतियों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री अमित इंदौरिया व्याख्यान देते हुए

इस कार्यक्रम में ईएसआईसी अस्पताल - अंकलेश्वर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अर्केश ए. शाह, एफडीडीआई - अंकलेश्वर के कार्यकारी निदेशक श्री ललित प्रकाश तथा दोनों संस्थानों के कार्मिक उपस्थित थे।

इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने प्रशासनिक और आधिकारिक संचार में हिंदी के प्रभावी उपयोग, सरकारी भाषा नीतियों के अनुपालन को सुनिश्चित करने और व्यावसायिक पत्राचार में दक्षता बढ़ाने पर बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त किया।

एफडीडीआई नोएडा परिसर में राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालन में, 26 मार्च 2025 को एफडीडीआई, नोएडा में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अन्य एफडीडीआई परिसरों को ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया।

"राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन और कार्यालयीन अनुष्ठान" विषय पर आयोजित कार्यशाला में केंद्रीय विद्यालय, ग्रेटर नोएडा के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) श्री सतीश चंद्र शर्मा मुख्य वक्ता थे।

व्याख्यान देते हुए श्री सतीश चंद्र शर्मा

प्रतिभागियों का एक दृश्य

श्री शर्मा ने हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्व पर बात की तथा शासन की आधिकारिक भाषा, आधिकारिक संचार का माध्यम और राष्ट्रीय गौरव के स्रोत के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया।

एफडीडीआई जोधपुर में 'फैशन में हिंदी साहित्य की भूमिका' पर राजभाषा कार्यशाला

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में 28 फरवरी 2025 को "फैशन में हिंदी साहित्य की भूमिका" विषय पर राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्रालय की राजभाषा सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. डी.डी. ओझा मुख्य अतिथि थे।

कार्यशाला के प्रतिभागियों का एक दृश्य

अपने संबोधन में, डॉ. ओझा ने भारत की सांस्कृतिक पहचान को प्रतिबिंबित करने और शिक्षा, अनुसंधान एवं सरकारी कार्यों में सुगमता बढ़ाने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और डिज़ाइन को आगे बढ़ाने में भी इस भाषा की क्षमता पर ज़ोर दिया।

कार्यशाला में डिज़ाइन में ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम के रूप में हिंदी के उपयोग पर ज़ोर दिया गया, जिससे आधुनिक तकनीक एवं पारंपरिक डिज़ाइन साहित्य के बीच की खाई पाटने में मदद मिली। इस कार्यशाला में डिज़ाइन उद्योग में नवाचार और समावेशिता को बढ़ावा देने में हिंदी के महत्व पर ज़ोर दिया गया, साथ ही फ़ैशन और फुटवियर डिज़ाइन में हिंदी संसाधनों की प्रासंगिकता पर भी चर्चा हुई।

एफडीडीआई, नोएडा के कर्मचारियों की संतानों के लिए नराकास - नोएडा द्वारा 'हिंदी प्रतिभा पुरस्कार'

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकां), नोएडा, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के मार्गदर्शन में 'हिंदी प्रतिभा पुरस्कार' योजना संचालित करती है। इस योजना के अंतर्गत, नराकां के सदस्य कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों को कक्षा 10वीं और 12वीं में हिंदी में उत्कृष्ट प्रदर्शन (ग्रेड-ए) के लिए सम्मानित किया जाता है।

इसी के अनुरूप, उप प्रबंधक (स्टोर) श्री नागेंद्र तिवारी की पुत्री सुश्री पूजा तिवारी और अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) में प्रौद्योगिकीविद् श्री सरोज पांडा की पुत्री सुश्री सोनाली पांडा को 29 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा के सौजन्य से आयोजित नराकास की 48वीं बैठक के दौरान 'हिंदी प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

दोनों छात्राओं ने कक्षा 10 में हिंदी में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए और उन्हें नराकास-नोएडा के अध्यक्ष श्री आशुतोष गौतम से पुरस्कार प्राप्त हुए। समारोह में नराकास-नोएडा की सदस्य सचिव डॉ. प्रज्ञा कांडपाल, एफडीडीआई के हिंदी अधिकारी श्री चंद्र प्रकाश और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सुश्री पूजा तिवारी पुरस्कार प्राप्त करते हुए

सुश्री सोनाली पांडा पुरस्कार प्राप्त करती हुई

सांत्वना पुरस्कार के साथ श्री मोहम्मद फैसल

इसके अतिरिक्त, नराकास, नोएडा के तत्वावधान में, आईटीसी के प्रयोगशाला विश्लेषक श्री मोहम्मद फैसल ने 20 दिसंबर 2024 को वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा में आयोजित हिंदी राजभाषा एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लिया और उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए उन्हें सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एफडीडीआई, नोएडा में राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हिंदी की प्रगति एवं प्रोत्साहन के लिए 23 दिसंबर 2024 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'टिप्पण लेखन एवं व्याकरण संबंधी त्रुटियाँ एवं निवारण' विषय पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एफडीडीआई के अन्य परिसरों के कर्मचारियों को ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया।

मुख्य वक्ता- श्रीमती सुनीता यादव 'लेखन और व्याकरण की त्रुटियों एवं निवारण' पर व्याख्यान देती हुई

प्रतिभागियों का एक दृश्य

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की सहायक निदेशक (राजभाषा) श्रीमती सुनीता यादव हिंदी कार्यशाला में मुख्य वक्ता थीं। उन्होंने टिप्पण लिखते समय उपयुक्त शब्दों के चयन और सही वर्तनी के प्रयोग पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने कार्यालय आदेश, अधिसूचनाएँ, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, सूचनाएँ और प्रेस विज्ञप्तियाँ सहित विभिन्न प्रकार के सरकारी पत्राचार की व्याख्या की और उनके उचित प्रकाशन और तैयारी पर भी चर्चा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिंदी वर्णमाला के मूल सिद्धांतों और सही वर्तनी परंपराओं पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला के दौरान एक व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों को उनके मार्गदर्शन में अभ्यास के माध्यम से अवधारणाओं को लागू करने का अवसर दिया गया।

एफडीडीआई परिसरों में 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन

एफडीडीआई के सभी बारह परिसरों में 'हिंदी पखवाड़ा' 14-28 सितंबर, 2024 तक आयोजित किया गया।

भारत सरकार की नीतियों के अनुरूप, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के बीच राजभाषा हिंदी के प्रयोग में दक्षता और कौशल को बढ़ावा देने के लिए, 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में प्रतियोगिता में भाग लेते कार्मिकगण

एफडीडीआई, बनूर परिसर में प्रतियोगिता का एक दृश्य

भारत सरकार की नीतियों के अनुरूप, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के बीच राजभाषा हिंदी के प्रयोग में दक्षता और कौशल को बढ़ावा देने के लिए, 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

एफडीडीआई, पटना परिसर में प्रतियोगिता का एक दृश्य

एफडीडीआई, पटना परिसर में प्रतियोगिता का एक दृश्य

प्रतियोगिताओं में हिंदी में संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की वक्तृत्व कला, तार्किक कौशल और साहित्यिक कुशाग्रता देखी गई।

क्र.सं.	प्रतियोगिता	के लिए आयोजित
1.	टंकण एवं टिप्पण लेखन	कार्मिकों
2.	आशु भाषण	
3.	निबंध लेखन	विद्यार्थियों
4	कविता वाचन	

सभी प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, राजभाषा विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए, एफडीडीआई ने राजभाषा प्रोत्साहन योजना लागू की, जिसके अंतर्गत शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक विभागों का वर्ष भर हिंदी में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए मूल्यांकन किया गया और उन्हें नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में प्रतियोगिता में भाग लेते कार्मिकगण

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में प्रतियोगिता का एक दृश्य

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'हिंदी पखवाड़ा' का समापन समारोह 30 सितंबर 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें सुश्री सुनीता यादव, सहायक निदेशक (राजभाषा), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, मुख्य अतिथि थीं।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में पुरस्कार प्राप्त करते हुए विजेता

हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में, इस बात पर प्रकाश डाला कि हिंदी न केवल हमारी मातृभाषा है, बल्कि हमारी राजभाषा भी है, और इसके प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रशासन की प्राथमिक भाषा के रूप में इसकी भूमिका को मज़बूत करने के लिए सभी आधिकारिक और सरकारी कार्यों में हिंदी का व्यापक उपयोग किया जाना चाहिए।

एफडीडीआई नोएडा परिसर में राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन

एफडीडीआई, नोएडा के कर्मचारियों के लिए 11 जुलाई 2024 को 'कार्यालय में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन' विषय पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके दौरान अन्य एफडीडीआई परिसर ऑनलाइन माध्यम से जोडे गए।

मुख्य वक्ता: डॉ प्रज्ञा कांडपाल

प्रतिभागियों का एक दृश्य

डॉ. प्रज्ञा कांडपाल, हिंदी अधिकारी, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, नोएडा, तथा सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), नोएडा, कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में थीं।

सत्र के दौरान, उन्होंने केंद्र सरकार की राजभाषा नीति का पालन करने और संस्थागत एवं कार्यालयी कार्यों में हिंदी के अधिकतम प्रयोग को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार, सभी पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण और संबंधित कार्यालयी कार्य हिंदी में किए जाने चाहिए। डॉ. कांडपाल ने आधिकारिक पत्राचार में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित क्षेत्रवार लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु सरल एवं स्पष्ट भाषा के प्रयोग पर भी बल दिया।

पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट के खातों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के अभिमत

अभिमत

हमने फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) के वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षा किया है, जिसमें 31 मार्च 2025 तक की तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाता और समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता, और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के साथ फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट अधिनियम, 2017 की धारा 23(2) के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के सारांश सहित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां शामिल हैं। इन वित्तीय विवरणों में अंकलेश्वर, बानूर (चंडीगढ़), चेन्नई, छिंदवाड़ा, फुरसतगंज, गुना, हैदराबाद जोधपुर, कोलकाता, नोएडा, पटना और रोहतक में एफडीडीआई के 12 परिसरों के खाते शामिल हैं।

इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूपता, लेखांकन मानकों, प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार पर टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (उपयुक्तता एवं नियमितता) और दक्षता सह प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हों, तो निरीक्षण प्रतिवेदन / सीएजी की लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से अलग से सूचित किया जाता है।

हमारी राय में फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट के संलग्न वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और उन पर टिप्पणियां तथा पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित मामलों के साथ पढ़े जाने पर, 31 मार्च 2025 तक स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष विवरण देते हैं, तथा वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए खातों के एकसमान प्रारूप के अनुसार, उसके वित्तीय निष्पादन एवं उसके नकदी प्रवाह को वर्ष के लिए समाप्त होने पर दर्शाते हैं।

अभिमत का आधार

हमने अपना लेखा-परीक्षण नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखा-परीक्षण विनियमों/मानकों/मैनुअलों/दिशानिर्देशों/अनुदेश-पत्रों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार सम्पन्न किया है। हमारे उत्तरदायित्वों का विवरण हमारे प्रतिवेदन के वित्तीय विवरणों के लेखा-परीक्षण के लिए लेखा-परीक्षक के उत्तरदायित्व शीर्षक वाले अनुभाग में दिया गया है। हम वित्तीय विवरणों के लेखा-परीक्षण से संबंधित प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं तथा इन आवश्यकताओं के अनुरूप अपने अन्य नैतिक उत्तरदायित्वों का भी निर्वहन किया है। हमें विश्वास है कि प्राप्त लेखा-परीक्षण साक्ष्य हमारे अभिमत के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त आधार प्रदान करते हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियां

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट की शासी निकाय, वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित समान लेखा प्रारूप के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी एवं उनके सत्य एवं निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण के लिए उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त, शासी निकाय उन आंतरिक नियंत्रणों के लिए भी उत्तरदायी है, जिन्हें वह इस उद्देश्य से आवश्यक मानता है कि वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण किसी भी प्रकार की महत्वपूर्ण अशुद्धि से मुक्त रहते हुए तैयार किए जा सकें।

वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य यह यथोचित आश्वासन प्राप्त करना है कि वित्तीय विवरण समग्र रूप से चाहे धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण किसी भी प्रकार की महत्त्वपूर्ण अशुद्धि से मुक्त हैं या नहीं, तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखा-परीक्षण विनियमों/मानकों/मैनुअलों/दिशानिर्देशों/अनुदेश-पत्रों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार हमारे अभिमत को सम्मिलित करते हुए एक लेखा-परीक्षक प्रतिवेदन जारी करना।

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

13/11/25
(Dr. Pawan Kumar Konda)
O S D
(Industry and Corporate Affairs)
New Delhi

Place: New Delhi
Date: 13-11-2025

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट के खातों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

क. तुलन पत्र

क.1 वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान (अनुसूची-7): ₹56.52 करोड़

क.1.1 अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची-21): ₹34.36 करोड़

(i) वित्त वर्ष 2023-24 हेतु फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) के वित्तीय विवरणों पर टिप्पणी संख्या क.1 की ओर संदर्भ आकृष्ट किया जाता है, जिसमें नोएडा प्राधिकरण द्वारा माँगे गए पट्टा किराया तथा उस पर चक्रवृद्धि ब्याज के रूप में ₹12.45 करोड़ की प्रावधानरहित राशि को उजागर किया गया था।

एफडीडीआई ने (25 फरवरी 2025) नोएडा प्राधिकरण से चक्रवृद्धि ब्याज के बजाय साधारण ब्याज के आधार पर देय ब्याज की पुनर्गणना करने या ब्याज को माफ करने का अनुरोध किया । नोएडा प्राधिकरण ने एफडीडीआई के अनुरोध को स्वीकार करने के बाद, ब्याज की पुनर्गणना की और अंत में (29 मई 2025) ₹ 4.45 करोड़ की मांग की। हालांकि, 31 मार्च 2025 तक खातों की बहियों में बकाया मांग प्रदान नहीं की गई थी, और इसका खुलासा केवल एक आकस्मिक देयता के रूप में किया गया था।

नोएडा प्राधिकरण की बकाया मांग के लिए प्रावधान न किए जाने के परिणामस्वरूप चालू देयताओं एवं प्रावधानों तथा अन्य प्रशासनिक व्ययों का कम आकलन हुआ और इसके फलस्वरूप घाटा ₹4.45 करोड़ से कम प्रदर्शित हुआ। परिणामस्वरूप, कॉर्पस/पूंजी कोष उतनी ही राशि से अधिक प्रदर्शित हो गया।

पिछले वर्ष (2023-24) की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इस मुद्दे को उठाए जाने के बावजूद, एफडीडीआई प्रबंधन द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

(ii) उपरोक्त में मध्य प्रदेश स्थित एफडीडीआई गुना परिसर के संबंध में देय पट्टा किराये के लिए ₹24.30 लाख की राशि का प्रावधान शामिल नहीं है।

एफडीडीआई ने 14 फ़रवरी 2025 को जिला कलेक्टर, गुना से वर्ष 2020 से 2025 की अवधि हेतु देय पट्टा किराया की राशि की सूचना प्रदान करने का अनुरोध किया। जिला कलेक्टर के कार्यालय ने 20 फ़रवरी 2025 को ₹29.16 लाख (₹4.86 लाख प्रति वर्ष की दर से) की राशि दर्शाते हुए उक्त राशि जमा कराने हेतु एफडीडीआई को अवगत कराया। यद्यपि एफडीडीआई ने 29 मार्च 2025 को ₹4.86 लाख का भुगतान कर दिया, तथापि 31 मार्च 2025 तक लेखा बहियों में शेष राशि अर्थात् ₹24.30 लाख का कोई प्रावधान नहीं किया गया।

पट्टा किराये की बकाया मांग के लिए प्रावधान न किए जाने के परिणामस्वरूप चालू देयताओं एवं प्रावधानों तथा अन्य प्रशासनिक व्ययों का कम आकलन हुआ और इसके फलस्वरूप घाटा ₹24.30 लाख से कम प्रदर्शित हुआ। परिणामस्वरूप, कॉर्पस/पूंजी कोष उतनी ही राशि से अधिक प्रदर्शित हो गया।

(iii) उपरोक्त में एफडीडीआई (पटना परिसर) द्वारा खरीदी गई लेड एसिड बैटरियों के संबंध में देय ₹2.82 लाख की राशि भी शामिल नहीं है। एफडीडीआई को 25 मार्च 2025 की तारीख वाला माल एलं चालान 1 अप्रैल 2025 को प्राप्त हुआ। तदनुसार, 31 मार्च 2025 तक लेखा बहियों में आवश्यक देनदारियों का प्रावधान किया जाना चाहिए था।

लेड एसिड बैटरियों की खरीद से संबंधित देयता के लिए प्रावधान न करने के परिणामस्वरूप चालू देयताओं और प्रावधानों को कम दर्शाया गया, अन्य प्रशासनिक व्ययों को कम दर्शाया गया और परिणामस्वरूप घाटे को ₹2.82 लाख कम दर्शाया गया। परिणामस्वरूप, कॉर्पस/पूंजीगत निधि को भी उतनी ही राशि से अधिक दर्शाया गया।

ख. सामान्य

ख.1 आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां (अनुसूची-26)
पूंजी प्रतिबद्धताएँ - शून्य

(i)एफडीडीआई ने सितंबर 2023 में नोएडा (उत्तर प्रदेश) स्थित आईटीसी लैब बिल्डिंग के निर्माण एवं विकास हेतु ₹27.56 करोड़ तथा बनूर परिसर (चंडीगढ़) में गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण हेतु ₹15.84 करोड़ की लागत के दो अनुबंध प्रदान किए। इन अनुबंधों में सिविल, विद्युत, प्लंबिंग, अग्निशमन, उपकरणों की आपूर्ति, परामर्श शुल्क आदि विभिन्न कार्य सम्मिलित थे। एफडीडीआई द्वारा कुल ₹13.70 करोड़ (₹8.95 करोड़ लैब बिल्डिंग एवं ₹4.75 करोड़ गर्ल्स हॉस्टल हेतु) व्यय किए गए थे। तथापि, यह देखा गया कि 31 मार्च 2025 की स्थिति में एफडीडीआई ने शेष पूंजीगत दायित्व ₹29.70 करोड़ (₹43.40 करोड़ में से ₹13.70 करोड़ घटाकर) को लेखा पुस्तकों में प्रकटीकृत नहीं किया।

इसके परिणामस्वरूप लेखांकन मानक-10 (संपत्ति संयंत्र और उपकरण) की आवश्यकताओं के अनुपालन के अलावा, उस सीमा तक अपूर्ण प्रकटीकरण हुआ।

(ii) एफडीडीआई के खिलाफ ₹2.14 लाख की वसूली का मुकदमा दायर किया गया था, जिसमें मुकदमा दायर करने की तारीख से लेकर वसूली तक बकाया राशि और 18 प्रतिशत वार्षिक दर से भविष्य में ब्याज भी शामिल था। खातों में इसका खुलासा नहीं किया गया था।

पिछले वर्ष (2023-24) की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में टिप्पणी संख्या बी के माध्यम से इस मुद्दे को उठाए जाने के बावजूद, एफडीडीआई प्रबंधन द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ग. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से प्रबंधन के ध्यान में लाया गया है।

घ. आंतरिक नियंत्रण का आकलन

(i) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

परिसंपत्तियों, व्यय और संसाधनों की निगरानी के लिए कोई प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) मौजूद नहीं है, जिसके कारण निगरानी कमज़ोर है। एफडीडीआई ने अपनी ज़मीन, इमारतों और उपकरणों जैसी परिसंपत्तियों का बीमा नहीं कराया है, जिससे उसे आग, चोरी, दुर्घटनाओं या प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले वित्तीय जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

(ii) आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक लेखा परीक्षा मेसर्स संजय मोनिका एंड एसोसिएट्स नामक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स फर्म द्वारा की जा रही थी और इसे सभी परिसरों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 तक पूरा कर लिया गया था।

(iii) अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2024-25 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया, चेन्नई, गुना और जोधपुर परिसरों को छोड़कर, जो एफडीडीआई के वित्त एवं लेखा नियमावली के अध्याय 9 की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं था, जिसमें प्रावधान था कि जीएफआर 213 (1) के अनुसार, संस्थान संबंधित परिसरों के लिए एचओ और ईडी द्वारा गठित समिति द्वारा प्रतिवर्ष संपत्तियों का भौतिक सत्यापन करेगा। इसके अलावा, रोहतक परिसर में भौतिक सत्यापन लेखापरीक्षा के समापन तक जारी रहा।

इसके अलावा, एफडीडीआई मुख्यालय द्वारा पटना परिसर में ₹28.90 लाख की अचल संपत्तियाँ हस्तांतरित की गईं। हालाँकि, मुख्यालय द्वारा हस्तांतरित संपत्तियाँ पटना परिसर के वित्तीय विवरणों में शामिल कर ली गई हैं, लेकिन वे एफडीडीआई पटना परिसर में उपलब्ध नहीं हैं। यह मामला जुलाई 2021 से लंबित है।

(iv) भंडार (इन्वेंट्री) के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एफडीडीआई में इन्वेंट्री का भौतिक सत्यापन किया गया।

(V) वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितता:

संस्थान वर्ष 2024-25 के दौरान वैधानिक बकाया राशि का भुगतान नियमित रूप से करता रहा।

च. सहायता अनुदान

1 अप्रैल 2024 तक एफडीडीआई के पास ₹14.11 करोड़ का आरंभिक अनुदान शेष था। वर्ष 2024-25 के दौरान, इसे भारत सरकार से ₹9.513 करोड़ (गैर-चमड़ा परियोजना) का अनुदान प्राप्त हुआ। कुल अनुदान में से, एफडीडीआई ने ₹23.466 करोड़ की राशि का उपयोग किया। 31 मार्च 2025 तक अनुदान का अंतिम शेष ₹0.157 करोड़ था।

इसके अलावा, एफडीडीआई ने अनुदान पर ₹0.296 करोड़ का ब्याज अर्जित किया और वर्ष के दौरान ₹0.285 करोड़ का ब्याज वापस किया।

वित्तीय रिपोर्ट

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

समेकित

31 मार्च, 2025 तक की तुलन पत्र

(राशि रु./₹ में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
कोष/ पूंजी निधि और देयताएं			
कोष/ पूंजी निधि	1	285,372,465	356,749,982
मुख्यालय/इंटर कैंपस बैलेंस	1ए	-	-
आरक्षित और अधिशेष	2	-	-
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	3	4,720,652,228	5,234,111,855
सुरक्षित ऋण और उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधार	5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	6	-	-
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	7	565,215,896	585,119,198
कुल		**5,571,240,589**	**6,175,981,035**
संपत्ति			
अचल संपत्ति	8	4,903,549,074	5,338,048,540
निवेश - निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	80,150,002	74,833,754
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	587,541,513	763,098,741
विविध व्यय (उस सीमा तक बट्टे खाते में या समायोजित नहीं किया गया है)			
कुल		**5,571,240,589**	**6,175,981,035**
		-	-
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां	26		

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

विवेक शर्मा, आईआरएस
प्रबंध निदेशक

विवेक शर्मा, आईआरएस
Vivek Sharma, IRS
प्रबंध निदेशक / Managing Director
फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
Footwear Design & Development Institute
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India

सीए. राकेश रोशन
उप-महाप्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

Rakesh Raushan
Dy. General Manager (Account & Finance)
Footwear Design & Development Institute
A-10/A, Sector-24, Noida (U.P.)

स्थान: नोएडा

दिनांक:20-06-2025

Page 1
Page 2
Page 3
Page 4

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

समेकित

आय-व्यय खाता

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए

(राशि रु./₹ में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2025	31.03.2024
आय			
विक्री/सेवाओं से आय	12	99,158,915	92,966,613
अनुदान/सब्सिडी	13	605,795,218	658,598,074
शुल्क/सदस्यता	14	477,511,603	468,799,832
निवेश से आय (निवेश पर आय, निर्धारित/अनुदानित निधि से, निधियों में स्थानांतरित)	15	5,621,957	5,313,846
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से होने वाली आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	24,949,610	27,519,006
अन्य आय	18	16,334,387	29,957,497
स्टॉक में वृद्धि/(कमी)	19	(46,010)	(919,126)
कुल (क)		**1,229,325,680**	**1,282,235,742**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	347,702,088	305,653,422
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	343,580,424	330,431,687
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	22	605,795,218	658,598,074
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन	8A	28,830,792	30,273,835
कुल (ख)		**1,325,908,522**	**1,324,957,018**
शेष व्यय ग = (क-ख) पर आय से अधिक होना		(96,582,842)	(42,721,276)
जोड़े: पूर्व अवधि की आय (घ)	24	**37,637,022**	-
कम: पूर्व अवधि व्यय (ड़)		**12,429,497**	-
अधिशेष एवं घाटा होने के कारण शेष, कोष एवं पूँजीगत निधि से लिया जा रहा है		**(71,375,317)**	**(42,721,276)**

Page 1

Page 3

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	25
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां	26

द्वारा फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

Vivek Sharma

विवेक शर्मा, आईआरएस

प्रबंध निदेशक

Vivek Sharma

Footwear Design & Development Institute

Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India

Rakesh Raushan

सीए. राकेश रोशन

उप-महाप्रबंधक (लेखा एवं वित्)

Rakesh Raushan
Dy. General Manager (Account & Finance)
Footwear Design & Development Institute
A-10/A, Sector-24, Noida (U.P.)

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

समेकित प्राप्तियां और भुगतान
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्तियां	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक	भुगतान	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
I) प्रारंभिक शेष	-		**I) व्यय**	-	
क) खाते में नगदी	125,820	150,231	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 के अनुरूप)	295,730,851	165,635,920
ख) बैंक में शेष	-		ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 के अनुरूप)	325,612,632	193,432,935
i) चालू खातों में	28,667,938	22,159,179	**II) विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधियों के विरुद्ध किए गए भुगतान**	-	
ii) जमा/बचत खातों में	256,735,941	195,560,388	क) पीएलएसडीपी	-	
iii) वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कोलकाता के बैंक बैलेंस से बाहर रखी गई सावधि जमा राशि	42,666,031	40,000,000		-	
II)अनुदान / प्राप्त धनराशि	-		ख)आईडीएलएस	-	
क) भारत सरकार से	-		ग) अन्य (सरकारी अनुदान से पार्टी को भुगतान)	228,035,554	181,111,167
ख) पूंजीगत व्यय	-		**III)किए गए निवेश और जमा**	-	
ग) पीएलएसडीपी	-		क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में से	-	
घ) आईडीएलएस	-		ख) स्वयं के धन से (निवेश-अन्य)	81,201,286	338,126,322
ङ) अन्य अनुदान	95,128,954	311,225,660	ग) ग्रेच्युटी फंड में निवेश	5,447,610	3,480,627
च) राज्य सरकार से	9		**IV) अचल संपत्तियों और पूंजीगत कार्य-प्रगति पर व्यय**	-	
छ) अन्य स्रोतों से (विवरण) (पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान अलग से दिखाया गया है)	-		क) अचल संपत्तियों की खरीद	7,203,807	3,399,820
III) निवेश पर आय	-		ख) प्रगतिशील पूंजीगत कार्य पर व्यय	-	
क) निर्धारित/अनुदानित निधि	-		**V) अधिशेष धन/ऋण की वापसी**	-	
ख) स्वयं के फंड (अन्य निवेश)	-	14,921,487	क) भारत सरकार को *	-	
IV) प्राप्त ब्याज	-		ख) राज्य सरकार को	-	
क)सरकारी अनुदान पर ब्याज	2,969,506	586,646		-	
क)बैंक जमा पर	4,884,610	10,396,460	ग) अन्य ऋण प्रदाताओं को (ब्याज वापसी)	2,851,220	1,449,439
ख) ऋण, अग्रिम आदि	3,758,399	4,387,227	**VI) वित्त शुल्क (ब्याज)**	27,860	9,541
V) अन्य आय (निर्दिष्ट करें)	-		**VII) अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**	-	
क) छात्र शुल्क	473,040,640	438,274,044	क) शाखाओं के साथ लेनदेन	300,193,782	268,546,281
ख) लेब परीक्षण शुल्क	68,894,436	44,629,837	ख) अन्य भुगतान	46,128,063	400,260,340
ग) अन्य आय	43,235,202	7,872,118	ग) कर्मचारी को अग्रिम	8,471,219	22,989,755
			घ) छात्र शुल्क की वापसी	16,473,502	5,043,895
VI) उधार ली गई राशि	-		**VIII) समापन शेष**	-	
VII) कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)	-		क) खाते में नगदी	87,169	125,820
क) वर्ष के दौरान परिपक्व हुआ निवेश	59,234,701	372,158,180	ख) बैंक में शेष	-	
ख) अन्य प्राप्तियां	3,548,787	81,833,768	i) चालू खातों में	27,202,331	18,283,071
ग) शाखा के साथ लेनदेन	300,908,113	273,253,391	ii) जमा/बचत खातों में	39,700,827	267,120,807
घ)छात्र सुरक्षा	568,627	1,607,124			
कुल	**1,384,367,714**	**1,869,015,740**	**कुल**	**1,384,367,714**	**1,869,015,740**

Page 1

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

विवेक शर्मा, आईआरएस
प्रबंध निदेशक

विवेक शर्मा, आईआरएस IRS
Vivek Sharma, IRS
प्रबंध निदेशक / Managing Director
फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
Footwear Design & Development Institute
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India

सीए. राकेश रोशन
उप-महाप्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

Rakesh Raushan
Dy. General Manager (Account & Finance)
Footwear Design & Development Institute
A-10/A, Sector-24, Noida (U.P.)

स्थान:नोएडा
दिनांक:20-06-2025

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

समेकित

31 मार्च, 2025 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि रु./₹ में)

अनुसूची 1 - संचित/पूंजी निधि:	एफएस नोट	31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
वर्ष की शुरुआत में शेष धनराशि	एन-0109	356,749,982		399,471,258	
जोड़: संचित/पूंजी निधि समायोजन के लिए योगदान	एन-0101	-		-	
जोड़/कम: पूंजी समायोजन	एन-0102	(2,200)		-	
जोड़: सामान्य आरक्षित से स्थानांतरण	एन-0103			-	
जोड़/(कटौती) : आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय/(व्यय) का शेष	एन-0104	(71,375,317)	285,372,465	(42,721,276)	356,749,982
वर्ष के अंत में शेष धनराशि			**285,372,465**		**356,749,982**

अनुसूची 1 क - मुख्यालय/ इंटर कैंपस शेष राशि:		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
प्रधान कार्यालय शेष राशि	एन-1A01	668,939,512		-	
अंतर कैम्पस शेष राशि	एन-1A02	(668,939,512)		-	
			-		-
वर्ष के अंत में शेष राशि			-		-

अनुसूची 2 - आरक्षित निधि एवं अधिशेष :		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
1. आरक्षित पूंजी :					
पिछले खाते के अनुसार					
वर्ष के दौरान वृद्धि	एन-0201				
2. आरक्षित पुनर्मूल्यांकन :					
पिछले खाते के अनुसार		-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	एन-0202	-		-	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	एन-0203	-	-	-	-
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	एन-0205				
4. जनरल आरक्षित:					
पिछले खाते के अनुसार		-		-	
वर्ष के दौरान वृद्धि	एन-0206	-		-	
जोड़: सामान्य आरक्षित में स्थानांतरण	एन-0207				
कमी: कोष/पूंजी निधि में हस्तांतरित	एन-0208		-		-
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	एन-0209	-	-	-	-
कुल			-		-

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
समेकित
31 मार्च, 2025 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 - निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	कोष-वार विभाजन			कोष-वार विभाजन	
	पूंजीगत अनुदान	पीएलएसडीपी	आईडीएलएस	31.03.2025	31.03.2024
क) निधियों का आरंभिक शेष	5,003,976,627.50	229,204,699.00	157.00	5,233,181,483.50	5,593,556,140.00
जोड़ें: बहियों का समायोजन (खाते की बहियों के अनुसार)	-1,796.00			930,372.00	930,372.00
				5,234,111,855.50	**5,594,486,512.00**
ख) निधि में वृद्धि:	-			-	311,225,660.00
i) दान/अनुदान					
ii) निधियों पर किए गए निवेश से आय				-	586,646.00
iii) अन्य परिवर्धन (पिछले वर्ष में बट्टे खाते में डाली गई अतिरिक्त राशि का बट्टे खाते में डालना)	-				
कुल (क+ख)	**5,003,974,831.50**	**229,204,699.00**	**157.00**	5,234,111,855.50	**5,906,298,818.00**
ग)निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय					
i) पूंजीगत व्यय अचल संपत्तियां					
- अचल संपत्तियां और मूल्यह्रास	-	-	-	-	658,598,074.00
अन्य					
ii) राजस्व व्यय					
- वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि और अन्य गैर पूंजीगत व्यय	-	-	-	-	12,139,450.00
- किराया					
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		
- अनुदान पर ब्याज की वापसी	-	-	-	-	1,449,439.00
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**	-	**672,186,963.00**
	5,003,974,831.50	229,204,699.00	157.00	5,234,111,855.50	5,234,111,855.00
वर्ष के अंत में शुद्ध शेष (क + ख - ग)	**5,003,974,831.50**	**229,204,699.00**	**157.00**	4,720,652,228.00	5,234,111,855.00

Page 1

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण और उधार राशि		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
1. केंद्र सरकार	एन-0401	-		-	
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	एन-0402	-		-	
3. वित्तीय संस्थान		-		-	
क) सावधि ऋण	एन-0403	-		-	
ख) अर्जित और देय ब्याज	एन-0404	-	-	-	-
4. बैंक:					
क) सावधि ऋण		-		-	
अर्जित और देय ब्याज	एन-0405	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		-		-	
अर्जित और देय ब्याज	एन-0406	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां	एन-0407	-	-	-	-
6. डिबेंचर और बॉन्ड	एन-0408	-	-	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	एन-0409	-	-	-	-
कुल			-		-

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार राशि		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
1. केंद्र सरकार	एन-0501	-		-	
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	एन-0502	-		-	
3. वित्तीय संस्थान	एन-0503	-		-	
4. बैंक:		-		-	
क) सावधि ऋण	एन-0504	-		-	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	एन-0505	-		-	
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां	एन-0506	-		-	
6. डिबेंचर और बॉन्ड	एन-0507	-		-	
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	एन-0509	-		-	
कुल		-		-	

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देनदारियां:		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
क) पूंजीगत उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों के वेधक द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां	एन-0601	-		-	
ख) अन्य	एन-0602	-		-	
कुल		-		-	

अनुसूची 7 - वर्तमान देनदारियां और प्रावधान		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
क. वर्तमान देनदारियां					
1. स्वीकृतियां	एन-0701	-		-	
2. विविध लेनदार:		-		-	
क) माल के लिए	एन-0702	-		-	
ख) अन्य	एन-0703	62,532,153		117,768,780	
ग) कर्मचारी	एन-0704	-		-	
घ) शाखा	एन-0705	-	62,532,153	-	117,768,780
3. अग्रिम प्राप्तियां				-	
क) प्रशिक्षण शुल्क अग्रिम	एन-0706	104,792,092		74,820,577	
ख) देनदारों से अग्रिम	एन-0707	5,008,010	109,800,102	4,924,586	79,745,163
4. अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं:		-		-	
क) सुरक्षित ऋण/उधार	एन-0708	-		-	
ख) असुरक्षित ऋण/उधार	एन-0709	-	-	-	-
5. वैधानिक देनदारियां:					
क) अतिदेय	एन-0710	-		-	
ख) अन्य	एन-0711	12,426,246	12,426,246	8,883,762	8,883,762
6. अन्य वर्तमान देनदारियां					
क) सुरक्षा जमा (छात्र)	एन-0712	44,875,310		43,597,007	
ख) सुरक्षा जमा (ईएमडी)	एन-0713	33,263,148		35,329,934	
ग) परियोजना देयता-परिसमापन क्षति	एन-0714	15,585,455		-	
घ) बीमा दावा/छात्र वजीफा	एन-0715	561,901		549,401	
ङ) छात्रों के लिए कोष	एन-0716	-		39,250,406	
च) अंतर्राष्ट्रीय सैंडलरी प्रौद्योगिकी एवं निर्यात प्रबंधन संस्थान	एन-0717	5,489,242		5,489,242	
छ) मृत्यु राहत कोष	एन-0718	-		613,000	
ज) छात्र शुल्क वापसी योग्य	एन-0719	4,876,446		-	
झ) होस्टल और मेस सिक्योरिटीज	एन-0720	5,664,563		4,710,810	
ट) अन्य	एन-0722	40,021,701	150,337,766	68,499,289	198,039,089
कुल (क)			**335,096,267**		**404,436,794**
ख. प्रावधान					
1. कराधान के लिए	एन-0723	-		-	
2. उपदान	एन-0724	89,005,179		80,368,694	
3. सेवानिवृत्ति/पेंशन	एन-0725	143,779		-	
4. संचित अवकाश नकदीकरण	एन-0726	72,827,098		67,142,179	
5. ईपीएफओ के देर से भुगतान पर क्षति और ब्याज शुल्क	एन-0727	14,300,000		14,300,000	
6. अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान	एन-0729	31,508,928		-	
7. अन्य - खर्चों के लिए प्रावधान	एन-0728	22,334,645	230,119,629	18,671,531	180,682,404
कुल (ख)			**230,119,629**		**180,682,404**
कुल (क + ख)			**565,215,896**		**585,119,198**

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

पॉरेसर नोएडा

31 मार्च 2025 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8क - अचल संपत्तियां		कुल संपत्तियां					मूल्यह्रास				सकल संपत्तियां	सकल संपत्तियां
क- मूर्त संपत्ति	दर(%)	01.04.2024 को लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन		विलोपन	लागत/मूल्यांकन 31.03.2025 तक	01.04.2024 तक	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	31.03.2025 तक कुल मूल्यह्रास	31.03.2025 तक डब्लूडीवी	31.03.2024 तक डब्लूडीवी
			180 दिन से अधिक	180 दिन से कम								
1. भूमि:												
भूमि		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.भवन:										-	-	-
क) भवन	10%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5,494
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट/परिसर	10%	77,891	-	-	-	77,891	3,895	7,400	-	11,295	66,596	73,996
घ) इकाई से संबंधित नहीं भूमि पर अधिसंरचनाएँ	10%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) भवन नोएडा	10%	11,585,187	-	-	-	11,585,187	1,679,852	990,534	-	2,670,386	8,914,801	9,905,335
छ) गेट नंबर 1 सुरक्षा	10%	661,667	-	-	-	661,667	95,941	56,573	-	152,514	509,153	565,726
ज) स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नोएडा	10%	6,444,604	-	-	-	6,444,604	934,467	551,014	-	1,485,481	4,959,123	5,510,137
झ) नोएडा की चारदीवारी	10%	10,109,650	-	-	-	10,109,650	1,465,899	864,375	-	2,330,274	7,779,376	8,643,751
ट) अंडर ग्राउंड टैंक नोएडा	10%	1,611,534	-	-	-	1,611,534	233,674	137,786	-	371,460	1,240,074	1,377,860
3. संयंत्र मशीनरी और उपकरण	15%	165,586,151	5,244,452	1,894,287	-	172,724,921	133,707,303	5,751,633	-	139,458,936	33,265,984	31,878,848
8. वाहनों	15%	253,712	-	-	-	253,712	188,581	9,770	-	198,351	55,361	65,131
3. फर्नीचर, फिक्सचर.	10%	35,826,864	184,640	647,365	-	36,658,869	23,861,493	1,247,373	-	25,108,867	11,550,002	11,965,371
6. कार्यालय उपकरण	15%	713,783	-	11,010	-	724,793	461,549	38,661	-	500,210	224,583	252,234
9. कंप्यूटर सहायक उपकरण	40%	12,639,889	1,014,775	5,624,704	-	19,279,368	10,646,248	2,303,102	-	12,949,350	6,330,037	1,993,658
5.विद्युत प्रतिष्ठान	15%	88,523,714	2,844	12,288	-	88,538,846	18,659,643	10,480,957	-	29,140,599	59,398,247	69,864,073
10. पुस्तकालय में पुस्तकें	40%	2,217,152	28,619	18,036	499	2,263,308	1,824,933	171,744	-	1,996,677	266,631	392,219
7. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	15%	445,718	-	-	-	445,718	108,982	33,674	-	142,656	303,062	336,736
11.अन्य अचल संपत्तियाँ	15%	78,000	-	-	-	78,000	30,096	7,185	-	37,283	40,717	47,902
ख- अमूर्त संपत्ति		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सॉफ्टवेयर	40%	557,540	107,500	-	-	665,040	443,743	88,520	-	532,263	132,777	113,797
सॉफ्टवेयर	25%	566,000	-	-	-	566,000	440,979	81,790	-	522,769	43,231	125,021
चालू वर्ष का कुल		**490,012,197**	**6,582,860**	**8,207,690**	**499**	**504,802,249**	**286,524,361**	**28,830,792**	-	**315,355,152**	**189,447,119**	**203,489,424**
पिछले वर्ष		480,209,886	5,180,201	4,722,007	99,608	**490,012,486**	256,251,169	30,273,836	-	**286,524,665**	**203,489,424**	**223,958,742**
ग- पूंजीगत कार्य-प्रगति पर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल											**189,447,121**	**203,489,424**

Page 1

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2025 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची-8ख

एफडीडीआई-सभी सरकारी परियोजना

परिसंपत्तियाँ

			कुल संपत्तियां					मूल्यह्रास				सकल संपत्तियां	
क्र.सं.	अचल संपत्तियां	दर	लागत/मूल्यांकन वर्ष की शुरुआत में	वर्षों के दौरान परिवर्धन		वर्ष के दौरान विलोपन	लागत/मूल्यांकन वर्ष के अंत में में	वर्ष की शुरुआत में	वर्ष के दौरान/जोड़ने पर	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्तमान वर्ष के अंत तक - 2025	पिछले वर्ष के अंत- 2024 की तरह
				180 दिनों से कम	180 दिनों से अधिक								
मूर्त संपत्तियां													
1	भूमि												
	क) भूमि		47,747,271	-		-	47,747,271		-	-	-	47,747,271	47,747,271
2	भवन												
	क) भवन	10	8,798,678,513	-	-	-	8,798,678,513	5,528,597,668	327,008,084	-	5,855,605,753	2,943,072,760	3,270,080,844
	ख)कुएँ और नलकूप	10	32,344,961	-	-	-	32,344,961	22,377,873	996,709	-	23,374,582	8,970,379	9,967,088
3	फर्नीचर एवं फिटिंग उपकरण												
	क) फर्नीचर एवं फिटिंग	10	547,006,487	1,799,000	3,014,464	-	551,819,951	336,388,026	21,453,413	-	357,841,440	193,978,512	210,618,461
	ख) विद्युत फिटिंग	10	493,934,730	-	-	-	493,934,730	308,405,972	18,552,876	-	326,958,848	166,975,882	185,528,758
4	मशीन एवं संयंत्र												
	क) संयंत्र एवं मशीन	15	3,752,504,575	4,333,485	144,877,413	-	3,901,715,473	2,572,329,327	199,082,835	-	2,771,412,162	1,130,303,580	1,180,175,517
	ख) संयंत्र एवं मशीन	40	637,696,726	-	-	-	637,696,726	590,304,584	18,956,459	-	609,262,038	28,434,688	47,392,143
	ग) कंप्यूटर	40	135,055,488	-	-	-	135,055,488	112,158,443	9,158,296	-	121,317,645	13,737,443	22,896,748
	घ) वाहन	15	34,801,975	-	-	-	34,801,975	28,393,466	961,276	-	29,354,743	5,447,232	6,408,510
	च) पुस्तकें	40	82,799,254	-	5,983,939	-	88,783,193	82,742,994	2,416,080	-	85,159,073	3,624,120	56,260
5	अमूर्त संपत्तियां												
	क) सॉफ्टवेयर	25	44,089,603	-	-	-	44,089,603	15,252,843	7,209,190	-	22,462,033	21,627,570	28,836,760
	कुल		14,606,659,584	6,132,485	153,875,816	-	14,766,667,885	9,596,951,196	605,795,218	-	10,202,748,317	4,563,919,471	5,009,708,360
क.प्रगति पर पूंजीगत कार्य			124,850,756	185,340,029	-	160,008,303	150,182,482	-	-	-	-	150,182,482	124,850,756
	कुल											4,714,101,953	5,134,559,116

Page 1

अनुसूची 9 - निवेश से निर्धारित/बंदोबस्ती निधि		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	एन-0901	-		-	
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां	एन-0902	-		-	
3. शेयर	एन-0903	-		-	
4. डिबेंचर और बॉन्ड	एन-0904	-		-	
5. सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम	एन-0905	-		-	
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाना है)	एन-0906	-	-	-	-
कुल			-		-

अनुसूची 10 - अन्य- निवेश		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	एन-1001	-		-	
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां	एन-1002	-		-	
3. शेयर	एन-1003	-		-	
4. डिबेंचर और बॉन्ड	एन-1004	-		-	
5. सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम	एन-1005	-		-	
6. अन्य (उपदान)		-		-	
1) उपदान फंड	एन-1006	80,150,002		74,833,754	
2) अन्य कॉर्पस निवेश	एन-1007	-	80,150,002	-	74,833,754
कुल			**80,150,002**		**74,833,754**

अनुसूची 11 - वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम राशि		31.03.2025 तक		31.03.2024 तक	
क. वर्तमान संपत्ति:					
1. इन्वेंट्री:					
क) स्टोर और पुर्जे	एन-1101	7,267,528		7,313,538	
ख) टीले उपकरण	एन-1102	-		-	
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड	एन-1103	-		-	
तैयार माल कार्य-प्रगति एवं कच्चा सामग्री	एन-1104	-	7,267,528	-	7,313,538
2. विविध देनदार:					
क) छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	एन-1105	31,877,046		25,463,229	
ख) छह महीने से कम अवधि के लिए बकाया देनदार	एन-1106	22,359,538		15,195,795	
ग) अन्य	एन-1107	-		-	
घ) शाखा	एन-1108	-	54,236,584	-	40,659,024
3. हाथ में नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	एन-1109	87,169	87,169	125,820	125,820
4. बैंक बैलेंस:					
क) अनुसूचित बैंकों के साथ:	एन-1110	-		-	
चालू खातों पर	एन-1111	27,202,331		29,355,920	
जमा खातों पर (मार्जिन मनी शामिल)	एन-1112	265,606,146		292,834,278	
बचत खातों पर	एन-1136	39,700,827		240,163,607	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ:					
चालू खातों पर	एन-1113	-		-	
जमा खातों पर	एन-1137	-		-	
बचत खातों पर	एन-1138	-	332,509,304	-	562,353,805
5. डाकघर-बचत खाते	एन-1114	-	-	-	-
कुल (क)			**394,100,585**		**610,452,187**

ख. ऋण और अग्रिम राशि					
1. ऋण					
क) कार्मिक	एन-1115	-		958,598	
ख) अन्य संस्थाएं जो संस्था के समान गतिविधियों/उद्देश्यों में संलग्न हैं	एन-1116	-		-	
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	एन-1117	-	-	-	958,598
2. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियाँ:					
क) पूंजी खाते पर	एन-1118	-		-	
ख) पूर्व भुगतान	एन-1119	-		-	
ग) अन्य (टीडीएस प्राप्य)	एन-1120	17,139,118		23,745,903	
घ) अन्य प्राप्य	एन-1121	2,232,911	19,372,029	431,832	24,177,735
3. अर्जित आय:					
क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश पर	एन-1122	-		-	
ख) अन्य पर-निवेश	एन-1123	-		-	
ग) ऋण और अग्रिम पर	एन-1124	-		-	
घ) अन्य	एन-1125	24,723,681		12,152,305	
(इसमें अप्राप्त आय शामिल है-रु.में)			24,723,681	-	12,152,305
4. प्राप्य दावे	एन-1126	-	-	-	-
5. अन्य संपत्ति					
क) लेनदारों को अग्रिम	एन-1127	8,906,975		8,293,405	
ख) सिक्योरिटी डिपॉजिट	एन-1128	11,097,195		11,980,899	
ग) मोबाइल अग्रिम	एन-1129	-		-	
(घ) इनपुट कर	एन-1130	103,233		141,624	
ङ) स्टाफ अग्रदाय	एन-1131	927,507		220,118	
च) अन्य प्राप्य	एन-1132	2,538,752		99,979	
छ) छात्र शुल्क प्राप्य	एन-1133	118,736,435		89,151,929	
ज) पीएफ से प्राप्य	एन-1134	-		-	
झ) सरकारी प्राधिकरण को अग्रिम	एन-1135	-		-	
ण) पूर्वभुगतान खर्च	एन-1139	7,035,121	149,345,218	5,469,962	115,357,916
कुल (ख)			**193,440,928**		**152,646,554**
कुल (क + ख)			**587,541,513**		**763,098,741**

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवाओं से आय	एफएस नोट्स	31.03.2025	31.03.2024
1) बिक्री से आय			
क) तैयार माल की बिक्री	एन-1201	-	1,394
ख) कच्चे माल की बिक्री	एन-1202	-	-
ग) स्क्रैप की बिक्री	एन-1203	418,287	991,706
2) सेवाओं से आय		-	-
क) श्रम और प्रसंस्करण शुल्क	एन-1204	-	-
ख) पेशेवर/परामर्श सेवाएं	एन-1205	794,658	400,908
ग) एजेंसी कमीशन और ब्रोकरेज	एन-1206	-	-
घ) रखरखाव सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	एन-1207	-	-
ङ) लैब सेवा से आय	एन-1208	70,944,642	86,238,246
च) कार्यान्वयन शुल्क से आय	एन-1210	27,001,328	5,334,359
कुल		**99,158,915**	**92,966,613**

अनुसूची 14 - शुल्क/सदस्यताएँ			31.03.2025		31.03.2024
1) प्रवेश शुल्क	एन-1401		-		-
2) वार्षिक शुल्क/सदस्यता	एन-1402		60,000		70,000
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क/अल्पकालिक प्रशिक्षण शुल्क	एन-1403		9,934,238		13,800,576
4) परामर्श शुल्क	एन-1404		-		-
5) छात्र शुल्क	एन-1405		467,517,365		454,929,256
6) अन्य	एन-1407		-		-
कुल			**477,511,603**		**468,799,832**

अनुसूची 15 - निवेश से आय			31.03.2025		31.03.2024
15क: निर्धारित निधि से निवेश					
(निवेश पर आय, निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों से निधियों में अंतरित)					
1) ब्याज					
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	एन-1501		-		-
ख) अन्य बांड/डिबेंचर	एन-1502		-		-
2) लाभांश:			-		-
क) शेयरों पर	एन-1503		-		-
ख) म्यूचुअल फंड सिक्योरिटीज़ पर	एन-1504		-		-
3) किराया	एन-1505		-		-
4) अन्य (ग्रेच्युटी फंड में निवेश)	एन-1506		5,621,957		5,313,846
कुल (क)			**5,621,957**		**5,313,846**
15क: अन्य- निवेश					
1) ब्याज					
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	एन-1507		-		-
ख) अन्य बांड/डिबेंचर	एन-1508		-		-
2) लाभांश:			-		-
क) शेयरों पर	एन-1509		-		-
ख) म्यूचुअल फंड सिक्योरिटीज़ पर	एन-1510		-		-
3) किराया	एन-1511		-		-
4) अन्य (ग्रेच्युटी फंड में निवेश)	एन-1512		-		-
कुल (ख)			-		-
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में हस्तांतरित			5,621,957		5,313,846

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन से आय			31.03.2025		31.03.2024
1) रॉयल्टी से आय	एन-1601		-		-
2) प्रकाशनों से आय	एन-1602		-		-
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)	एन-1603		-		-
कुल			-		-

अनुसूची 17 - ब्याज आय			31.03.2025		31.03.2024
1) सावधि जमा पर:					
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	एन-1701		20,711,984		21,280,189
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	एन-1711		-		-
ग) संस्थानों के साथ	एन-1702		-		324,069
घ) अन्य	एन-1703		273,163		74,993
2) बचत खातों पर:					
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	एन-1704		3,964,463		5,812,503
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	एन-1705		-		-
ग) डाकघर बचत खाते	एन-1706		-		-
घ) अन्य	एन-1707		-		-
3) ऋण पर:					-
क) कर्मचारी/कार्मिकों	एन-1708		-		-
ख) अन्य	एन-1709		-		22,156
4) टैनदारों और अन्य प्राप्तियों पर ब्याज	एन-1710		-		5,096
कुल			**24,949,610**		**27,519,006**

अनुसूची 18 - अन्य आय			31.03.2025		31.03.2024
1) परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ:					
क) स्वामित्व वाली संपत्ति	एन-1801		-		-
ख) अनुदान से प्राप्त या मुफ्त में प्राप्त की गई परिसंपत्तियां	एन-1802		-		-
2) निर्यात प्रोत्साहन प्राप्त			-		-
3) विविध सेवाओं के लिए शुल्क (सीएडी)			-		-
4) विविध आय	एन-1803		16,334,387		29,957,497
कुल			**16,334,387**		**29,957,497**

अनुसूची 19- तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि/(कमी)और कार्य प्रगति पर			31.03.2025		31.03.2024
समापन स्टॉक					
तैयार माल	एन-1901		-		-
कार्य प्रगति पर	एन-1902		-		-
उपभोग्य वस्तुएं	एन-1903		7,267,528		7,313,538
कमी: प्रारंभिक स्टॉक					
तैयार माल	एन-1904		-		-
कार्य प्रगति पर	एन-1905		-		-
उपभोग्य वस्तुएं	एन-1906		7,313,538		8,232,664
कुल			**(46,010)**		**(919,126)**

अनुसूची 20-स्थापना व्यय			31.03.2025		31.03.2024
क) वेतन और मजदूरी	एन-2001		274,119,956		240,089,276
ख) भत्ते और बोनस	एन-2002		4,427,014		3,765,955
ग) भविष्य निधि में योगदान	एन-2003		23,084,082		21,490,753
घ) अन्य निधि में अंशदान (ईएसआई)	एन-2004		71,802		114,672
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय (चिकित्सा, एलटीसी, आदि)	एन-2005		8,388,204		7,012,551
च) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और अंतिम लाभ पर व्यय	एन-2006		15,512,800		12,030,557
छ) अन्य	एन-2007		3,242,414		1,042,105
ज) कर्मचारी बीमा	एन-2008		2,822,024		3,259,115
झ) अर्जित अवकाश नकदीकरण	एन-2009		16,033,792		16,848,438
कुल			**347,702,088**		**305,653,422**

अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक व्यय आदि			31.03.2025		31.03.2024
क) खरीददारी	एन-2101		-		-
ख) श्रम और प्रसंस्करण व्यय	एन-2102		-		-
ग) अंदर की ओर माल ढुलाई	एन-2103		188,413		265,292
घ) बिजली और शक्ति	एन-2104		48,312,185		53,231,260
ङ) जल शुल्क	एन-2105		3,890,121		1,835,875
च) बीमा	एन-2106		1,081,966		890,379
छ) मरम्मत और रखरखाव	एन-2107		29,505,460		45,452,111
ज) उत्पाद शुल्क	एन-2108		-		-
झ) किराया, दरें और कर	एन-2109		2,434,908		3,539,475
ण) वाहन चलाना और रखरखाव	एन-2110		5,206,730		3,501,312
ट) डाक, टैलीफोन और संचार शुल्क	एन-2111		5,435,874		4,996,844
ठ) मुद्रण और सामग्री	एन-2112		4,438,267		5,265,325
ड) यात्रा और वाहन व्यय	एन-2113		16,167,391		14,165,819
(ढ) संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय	एन-2114		851,519		1,014,580
ण) सदस्यता व्यय	एन-2115		3,614,527		3,199,357
त) फीस/पाठ्यक्रमों पर खर्च	एन-2116		556,458		2,352,763
थ) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	एन-2117		3,286,820		5,130,654
द) आतिथ्य व्यय	एन-2118		1,303,070		400,952
ध) व्यावसायिक शुल्क	एन-2119		3,667,911		6,528,909
न) खराब और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान	एन-2120		31,508,928		4,250,800
प) अपलिखित अपरिवर्तनीय शेष-पीएफ ट्रस्ट	एन-2121		-		-
फ) पैकिंग शुल्क	एन-2122		-		-
म) माल ढुलाई और अवेषण व्यय	एन-2123		-		-
य) वितरण व्यय (इथियोपिया परियोजना विस्तार)	एन-2124		-		-
र) विज्ञापन और प्रचार	एन-2125		10,211,270		16,069,976
ल) अन्य (निर्दिष्ट करें)					
1) हाउसकीपिंग व्यय	एन-2126		43,462,842		40,392,042
2) सुरक्षा व्यय	एन-2127		46,639,148		46,342,294
3) पुस्तकें और पत्रिकाएं	एन-2128		129,814		153,613
4) कार्यालय व्यय	एन-2129		8,430,032		9,996,147

4) कार्यालय व्यय	एन-2129		8,430,032		9,996,147
5) उपभोग्य वस्तुएं	एन-2130		3,425,171		2,353,545
5) विदेशी मुद्रा का नुकसान	एन-2131		146,229		91,674
6) प्रशिक्षण व्यय	एन-2132		19,842,810		22,722,949
7) मेस शुल्क व्यय	एन-2133		28,606,980		20,021,591
8) ईपीएफओ के देर से भुगतान पर नुकसान और ब्याज	एन-2134		-		-
9) इंटरनेट परीक्षण शुल्क	एन-2135		6,458,278		5,670,652
10) एनएबीएल अभिवृद्धि लेखा परीक्षा व्यय	एन-2136		-		-
11) प्रोमोशनल गतिविधि व्यय	एन-2137		-		-
12)उत्सव व्यय (आईएनआई और संस्थापक दिवस)	एन-2138		957,585		2,618,680
13) भर्ती व्यय	एन-2139		168,000		309,051
14) पट्टा किराया व्यय	एन-2140		486,000		632,819
15) ओटीसी व्यय	एन-2141		4,828,391		5,353,880
16) जनशक्ति आउटसोर्स सेवाएं	एन-2143		6,790,449		-
17) अन्य व्यय	एन-2142		1,546,877		1,681,067
कुल			343,580,424		330,431,687

अनुसूची 22: अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय			**31.03.2025**		**31.03.2024**
(अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी प्राप्त)					
1) केंद्र सरकार (व्यय की सीमा तक)	एन-2201		605,795,218		658,598,074
2) राज्य सरकारें	एन-2202		-		-
3) सरकारी एजेंसियां	एन-2203		-		-
4) संस्थान/कल्याण निकाय	एन-2204		-		-
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन	एन-2205		-		-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	एन-2206		-		-
कुल			**605,795,218**		**658,598,074**

अनुसूची 23: ब्याज			**31.03.2025**		**31.03.2024**
क) निश्चित ऋण पर			-		-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक शुल्क सहित)					
ग) अन्य (स्पष्ट करें)			-		-
कुल			-		-

अनुसूची 24: पूर्व अवधि समायोजन			**31.03.2025**		**31.03.2024**
क. आय					
क) छात्र विकास निधि/शुल्क	एन-2401		37,637,022		-
ख) अन्य	एन-2402		-		-
कुल (क)			37,637,022		-
ख.व्यय					
क) छुट्टी यात्रा रियायतें	एन-2451		10,792,597		-
ख) अन्य	एन-2452		1,636,900		-
कुल (ख)			12,429,497		-
शुद्ध पूर्व अवधि आय/(व्यय)			**25,207,525**		-

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
नोएडा

अनुसूची-25: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

25.1 लेखांकन परिपाटी:

वित्तीय विवरणों को, अन्यथा उल्लेख किए बिना, ऐतिहासिक लागत परंपरा तथा उपार्जन-आधारित लेखांकन पद्धति के आधार पर तैयार किया गया है।

25.2 भण्डारण का मूल्यांकन

स्टोर, स्पेयर एवं उपभोग्य वस्तुएं (मशीनरी स्पेयर सहित) और स्टेशनरी वस्तुओं का मूल्यांकन लागत के आधार पर किया जाता है।

25.3 राजस्व की मान्यता

सभी आय एवं व्यय को उपार्जन आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है, सिवाय अनुदान/सब्सिडी के। अनुदान/सब्सिडी को आय के उस हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया जाता है, जो सरकारी अनुदान से क्रय की गई परिसंपत्ति पर आरोपित मूल्यह्रास की सीमा तक हो।

25.4 अनुदानों की मान्यता

मूल्यह्रास योग्य अचल संपत्तियों से संबंधित सरकारी अनुदान/सब्सिडी को आस्थगित आय माना जाता है। आस्थगित आय को आय और व्यय खातों में व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर, संबंधित संपत्ति पर मूल्यह्रास लगाए जाने की अवधि और अनुपात के अनुसार मान्यता दी जाती है।

25.5 निवेश

दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों निवेशों का मूल्यांकन तुलन पत्र की तिथि 31 मार्च 2025 के अनुसार लागत पर किया गया है।

25.6 अचल संपत्तियां और मूल्यह्रास

(i) अचल परिसंपत्तियों को उनकी मूल लागत पर दर्शाया गया है, जिसमें मालभाड़ा, शुल्क, सीमा शुल्क और अधिग्रहण एवं स्थापना से संबंधित अन्य आकस्मिक व्यय शामिल हैं, जिनमें से संचित मूल्यह्रास घटा दिया गया है।

(ii) आयकर अधिनियम-1961 के तहत निर्धारित दरों के अनुसार डब्ल्यूडीवी पद्धति पर मूल्यह्रास लगाया गया है।

(iii) यदि कोई परिसंपत्ति 30 सितंबर को या उससे पहले अर्जित की जाती है तो मूल्यह्रास निर्धारित दर के 100% पर लगाया जाएगा और यदि परिसंपत्तियां 30 सितंबर के बाद अर्जित की जाती हैं तो आयकर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दरों पर निर्धारित दर के 50% पर मूल्यह्रास लगाया जाएगा।

(iv) वर्ष के दौरान प्रगतिरत पूंजीगत कार्य से संबंधित किए गए पूंजीगत व्यय पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है, क्योंकि उन्हें तुलन पत्र की तिथि तक पूंजीकृत नहीं किया गया था।

25.7 **कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ एवं अन्य लाभ**

अवकाश नकदीकरण एवं उपदान के लिए प्रावधान, पंजीकृत मूल्यांकक द्वारा की गई बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर किया गया है। एलआईसी से सभी एफडीडीआई परिसरों, जिसमें मुख्यालय भी सम्मिलित है, हेतु समूह उपदान नीति ली गई है।

अनुसूची: 26 आकस्मिक देयताएँ और खातों पर टिप्पणियाँ

वार्षिक लेखा का हिस्सा बनने वाले टिप्पणियां में अन्य बातों के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त खुलासे भी किए गए हैं:-

26.1 **आकस्मिक देयताएं:**

संस्था के विरुद्ध दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया

क) नोएडा प्राधिकरण ने दिनांक 24-01-2024 को एक पत्र जारी कर पट्टा किराया के विलंबित भुगतान के कारण बकाया ब्याज के रूप में लगभग 12.45 करोड़ रुपये की मांग की है। तत्पश्चात, दिनांक 26-09-2024 के एक पत्र द्वारा, नोएडा प्राधिकरण ने सूचित किया कि उपरोक्त अतिदेय ब्याज देयता बढ़कर 14.14 करोड़ रुपये हो गई है। एफडीडीआई द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन के आधार पर, दिनांक 29-05-2025 के पत्र द्वारा, नोएडा प्राधिकरण ने ब्याज की पुनर्गणना के बाद मांग को घटाकर 4.45 करोड़ रुपये कर दिया। ब्याज में और छूट/कमी के लिए मामला अभी भी नोएडा प्राधिकरण के समक्ष उठाया जा रहा है।

ख) छात्रों/पूर्व छात्रों द्वारा संस्थान के विरुद्ध प्रस्तुत दावे

परिसर	स्वरूप	मामलों की संख्या	राशि (रु. में)
जोधपुर	शुल्क वापसी	2	2,66,700/-
नोएडा	परीक्षा	1	लागू नहीं
रोहतक	शुल्क वापसी	1	1,37,500/-

ग) कर्मचारियों/भूतपूर्व कर्मचारियों/संविदा कर्मचारियों द्वारा संस्थान के विरुद्ध प्रस्तुत दावे

परिसर	स्वरूप	मामलों की संख्या	राशि (रु. में)
नोएडा	एफडीडीआई में पुनर्नियोजन	1	**लागू नहीं**

घ) अन्य लोगों द्वारा संस्था के विरुद्ध दावे

परिसर	स्वरूप	मामलों की संख्या	राशि (रु. में)
फुरसतगंज	भूमि विवाद	1	50,00,000/-
फुरसतगंज	भूमि विवाद	2	**निश्चित नहीं**
बनूर	भूमि विवाद	2	**निश्चित नहीं**
बनूर	प्रोत्साहन	1	**निश्चित नहीं**

जोधपुर	अनुबंध विस्तार	1	**लागू नहीं**
जोधपुर	भूमि अतिक्रमण	1	**लागू नहीं**
नोएडा	अनुबंध विवाद	1	

च) विवादित कर मामले

परिसर	**स्वरूप**	**मामलों की संख्या**	**राशि (रु. में)**
रोहतक	हरियाणा वैट	2013-14	2,50,615/-

26.2 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम:

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का व्यवसाय के सामान्य क्रम में प्राप्ति पर मूल्य होता है, जो कम से कम उस राशि के बराबर होता है जिस पर वे उस तिथि को तुलन पत्र में दर्शाए गए हैं।

26.4 सहायता अनुदान

चालू वर्ष के दौरान एफडीडीआई को केंद्र सरकार से गैर-चमड़े के लिए 9,51,28,954 रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ और 29,69,506 रुपये के अनुदान पर ब्याज आय अर्जित की (गैर-चमड़ा 2,06,407 रुपये, बनूर गर्ल्स हॉस्टल 9,84,316 रुपये, नोएडा न्यू लैब बिल्डिंग 16,60,497 रुपये, सीएनसी प्रोजेक्ट 1,18,286 रुपये)। इस राशि में से 28,51,220 रुपये की राशि डीपीआईआईटी को वापस कर दी गई। अनुदान से खरीदी गई संपत्ति पर मूल्यह्रास 60,57,95,218 रुपये और गैर-पूंजीगत व्यय/आवर्ती व्यय 29,09,856 रुपये के विरुद्ध उपयोग/समायोजित किया गया।

26.5 संस्थान ने सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए कोष में से पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के 2669.31 लाख रुपये की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1600.08 लाख रुपये का पूंजीकृत अनुदान प्राप्त किया है।

26.6 प्रगति पर पूंजीगत कार्य

वर्ष के दौरान एफडीडीआई बन्नूर गर्ल्स हॉस्टल 4,74,98,106 रुपये, एफडीडीआई नोएडा लैब बिल्डिंग 8,94,64,959 रुपये और सीएनसी एवं आईडीएलएस-नोएडा 1,32,19,417 रुपये की स्थापना के लिए किए गए व्यय के लिए 15,01,82,482 रुपये की पूंजीगत कार्य प्रगति के रूप में दिखाई गई है।

26.7 मूल्यह्रास:

चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सरकारी अनुदान से खरीदी और सृजित सभी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास लगाया गया है। चालू वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों पर कुल मूल्यह्रास ₹60,57,95,218/- था और अनुदान को अनुसूची-13 और अनुसूची-22 में दर्शाए गए मूल्य के विरुद्ध समायोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, स्वयं की निधि से खरीदी गई परिसंपत्तियों पर ₹2,88,30,791/- का मूल्यह्रास लगाया गया है, जो आय-व्यय खाते में दर्शाया गया है।

26.8 <u>भूमि के संबंध में प्रकटीकरण</u>

निम्नलिखित भूमि संबंधित राज्य सरकारों द्वारा एफडीडीआई परिसरों के लिए निःशुल्क आवंटित की गई है तथा इन्हें लेखा बहियों में 1/- रुपये प्रति भूमि के नाममात्र मूल्य पर दर्शाया गया है।

विवरण	31 मार्च 2025 तक का बही मूल्य	पट्टा/मुक्त	भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)
एफडीडीआई नोएडा (एचओ)	1,89,84,135	पट्टा भूमि	9.86
एफडीडीआई चेन्नई परिसर	1	पट्टा भूमि	15
एफडीडीआई चेन्नई लैब	49,09,052	पट्टा भूमि	
एफडीडीआई कोलकाता	1	पट्टा भूमि	17
एफडीडीआई रोहतक	1	पट्टा भूमि	17
एफडीडीआई जोधपुर	1	मुक्त भूमि	15
एफडीडीआई हैदराबाद	1	मुक्त भूमि	14.68
एफडीडीआई पटना	1	मुक्त भूमि	10
एफडीडीआई बनूर	1	मुक्त भूमि	7.18
एफडीडीआई फुर्सतगंज	77,20,818	मुक्त भूमि	8.65
एफडीडीआई फुर्सतगंज महिला छात्रावास		मुक्त भूमि	2.68
एफडीडीआई ओटीसी निगोहा	27,14,100	मुक्त भूमि	1.25
एफडीडीआई अंकलेश्वर	40,000	पट्टा भूमि	10
एफडीडीआई गुना	78,02,791	पट्टा भूमि	20
एफडीडीआई छिंदवाडा	55,76,369	पट्टा भूमि	20

26.7 <u>कराधान:-</u>

संस्थान ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए की उपधारा (1) के खंड (एसी) के उपखंड (i) के अंतर्गत पंजीकरण प्राप्त किया है, तदनुसार, संस्थान की आय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कर मुक्त है। इसके अतिरिक्त, संस्थान को वर्ष के दौरान घाटा हुआ है, इसलिए लेखा बहियों में आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

26.8 निर्धारित/अंशदान निधि के निवेश पर ब्याज आय को संबंधित निधि में जमा किया जा रहा है तथा सरकार को वापस किया जा रहा है।

26.9 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष से संबंधित सभी ज्ञात और सुनिश्चित देयताएं, तथा सभी आय और व्यय, संस्थान द्वारा निरंतर अपनाई गई लेखांकन नीति के अनुसार लेखा बहियों में विधिवत रूप से उपलब्ध कराए गए हैं।

26.10 <u>सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान</u>

उपर्युक्त वर्ष के लिए अवकाश नकदीकरण और ग्रेच्युटी के प्रावधान हेतु दर्ज व्यय क्रमशः ₹1,59,86,892/- और ₹1,39,83,839/- था। वर्ष के अंत में अवकाश नकदीकरण और ग्रेच्युटी के लिए कुल प्रावधान क्रमशः ₹7,28,27,098/- और ₹8,90,05,179/- था, जिसमें से ₹8,01,50,002/- की राशि एलआईसी समूह ग्रेच्युटी योजना में निवेशित है।

26.11 संस्थान की नीति के अनुसार, वर्ष के दौरान संस्थान ने ब्लॉक वर्ष (कैलेंडर वर्ष) 2023-2024 के लिए एलटीसी (अवकाश यात्रा रियायत) का भुगतान किया। जनवरी-25 से मार्च-2025 तक की अवधि के लिए एलटीसी के प्रावधान सहित कुल एलटीसी व्यय 147.95 लाख रुपये था, जिसमें से 107.92 लाख रुपये का व्यय अप्रैल-2023 से मार्च-2024 तक की अवधि के लिए एलटीसी से संबंधित है, जिसे अनुसूची-24 के अंतर्गत 'पूर्व अवधि व्यय' के रूप में दर्शाया गया है।

26.12 <u>पूर्व अवधि की आय एवं व्यय:</u>

छात्र विकास शुल्क के रूप में जमा 376.37 लाख रुपये की संचित राशि, जो पिछले वर्षों के वित्तीय विवरणों में चालू देयता के अंतर्गत दर्शाई गई थी और छात्र शुल्क का हिस्सा थी, को आय के रूप में दर्ज किया गया है और अनुसूची-24 के अंतर्गत चालू वर्ष के दौरान पूर्व अवधि की आय के रूप में प्रकट किया गया है। इसी प्रकार, पूर्व अवधि के व्यय 124.29 लाख रुपये, जिनमें उपरोक्त नोट 26.11 में उल्लिखित पूर्व अवधि के एलटीसी व्यय शामिल हैं, अनुसूची-24 के अंतर्गत प्रकट किए गए हैं।

26.13 <u>संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान</u>

चालू वर्ष के दौरान संदिग्ध ऋण के लिए कुल 315.09 लाख रुपये का प्रावधान किया गया, जिसमें छात्रों से प्राप्त होने वाले शुल्क के लिए 149.97 लाख रुपये तथा प्रयोगशाला शुल्क के रूप में अन्य ऋणों के लिए 165.12 लाख रुपये का प्रावधान शामिल है, जो तुलन पत्र की तिथि तक 3 वर्ष से अधिक की अवधि के लिए बकाया थे।

26.14 <u>व्यय की तुलना में आय की अधिकता/कमी</u>

संगठन की नीति के अनुसार, पूर्व अवधि की आय/व्यय पर विचार करने के बाद आय पर व्यय की अधिकता 713.75 लाख रुपये को पूंजी/कॉर्पस फंड में स्थानांतरित कर दिया गया है।

26.15 <u>अन्य</u>

i. सभी परिसरों की परियोजनाओं से संबंधित अचल संपत्तियों का रखरखाव मुख्यालय, नोएडा में किया जाता है।

ii. स्टॉक (भंडार और उपभोग्य वस्तुएं) और नकद शेष को विभागाध्यक्षों द्वारा 31.03.2025 तक उनके द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन के आधार पर प्रमाणित माना गया है।

iii. विविध देनदारों, लेनदारों, प्राप्य, ऋण एवं अग्रिम तथा अन्य देयताओं का शेष, चाहे वे डेबिट में हों या क्रेडिट में, पुष्टिकरण और समाधान के अधीन हैं।

iv. आंतरिक लेखा परीक्षा की व्यवस्था थी और लेखा बहियों का लेखा-जोखा चार्टर्ड अकाउंटेंट की एक स्वतंत्र फर्म द्वारा किया जाता था।

v. वित्तीय विवरणों के संकलन के दौरान सभी वित्तीय आंकड़ों को निकटतम रुपए में पूर्णांकित किया गया है।

vi. जब भी आवश्यक हुआ, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत एवं पुनर्व्यवस्थित किया गया।

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

विवेक शर्मा, आई.आर.एस.
प्रबंध निदेशक

सीए राकेश रोशन
उप-महा प्रबंधक लेखा एवं वित्त

Rakesh Raushan
Dy. General Manager (Account & Finance)
Footwear Design & Development Institute
A-10/A, Sector-24, Noida (U.P.)

आभार

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेन्ट इंस्टिट्यूट की शासी परिषद (जीसी) भारत सरकार के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल जी के दूरदर्शी नेतृत्व, उद्योग-अनुकूल पहलों तथा भारतीय चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग को दिए गए सशक्त समर्थन के लिए हार्दिक आभार और गहन प्रशंसा व्यक्त करती है।

हम श्री जितिन प्रसाद, माननीय, वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार को इस क्षेत्र के प्रति उनके अटूट समर्थन और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देते हैं। शासी परिषद भारतीय चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग के विकास और प्रगति के लिए श्रीमती निर्मला सीतारमण, माननीय वित्त मंत्री, भारत सरकार के बहुमूल्य समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त करती है।

हम उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और विशेष रूप से (डीपीआईआईटी के सचिव, श्री अमरदीप सिंह भाटिया, आईएएस, को चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग को बढ़ावा देने वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी सक्रिय भूमिका तथा एफडीडीआई को उनके निरंतर सहयोग एवं सहायता के लिए विशेष धन्यवाद देते हैं। हम डीपीआईआईटी की संयुक्त सचिव, सुश्री निधि केसरवानी, आईएएस को भी एफडीडीआई की पहलों को आगे बढ़ाने एवं प्रमुख उद्योग विकास योजनाओं को सहयोग देने में उनके व्यावहारिक मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देते हैं।

शासी परिषद चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग तथा रिटेल क्षेत्र के रचनात्मक सुझावों के लिए आभारी है, जो हमारे पाठ्यक्रमों को उन्नत बनाने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार लाने और छात्रों के लिए प्लेसमेंट के अवसरों को बढ़ाने में सहायक रहे हैं। हम उद्योग के भविष्य को आकार देने में निरंतर सहयोग के लिए तत्पर हैं।

हम वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों के अधिकारियों और कर्मचारियों को भारतीय चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग को बढ़ावा देने और विकसित करने में उनके बहुमूल्य सहयोग और दृढ़ समर्थन के लिए भी सराहना करते हैं।

टीम एफडीडीआई

सूचना

फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट,

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार,

ए-10/ए, सेक्टर- 24, नोएडा – 201301

From: "Shri Pankaj Kumar Sinha" <secretary.fddi@nic.in>
To: "NidhiKesarwani" <jointsecy-nk@gov.in>, "Vivek Sharma, Managing Director, FDDI" <viveksharma@fddiindia.com>, "C S Rao" <rao.cs@nic.in>, "motilalsethi" <motilalsethi@saroj.com>, "sanjaygupta" <sanjaygupta@sandeeprubber.in>, "gautam nair" <gautam.nair@matrixclothing.in>, "Shinju Mahajan" <shinju.mahajan@nift.ac.in>, "DIRECTOR CLRI" <director@clri.res.in>, "sumer" <sumer@design.iitd.ac.in>, "alok" <alok@iimnagpur.ac.in>, "pnahar" <pnahar@nid.edu>, "VIMAL ANAND" <vimal.anand@nic.in>, "rajujalan" <rajujalan@afplglobal.com>
Cc: "ashish dikshit" <ashish.dikshit@abfrl.adityabirla.com>
Sent: Friday, June 20, 2025 4:22:54 PM
Subject: Scheduling of 88th GC meeting on 27th Jun 2025 virtually

Sir/Ma'am,
In order to ensure timely submission of the Annual Accounts to the CAG office **on or before 30th June 2025**, as per Rule 237 of GFR 2017, there is requirement of passing of the finalized accounts by the **Governing Council (GC)** before being put up to CAG office**.** As informed by the DGM (Fin) that the FSA(Final statement of accounts) of FDDI shall be ready for approval by 21st June.

In view of the above,The chairman has kindly consented to approve scheduling of the 88th GC meeting virtually on 27th of June 2025 at 11:00 AM. Link for the virtual meeting and draft financial statement dully submitted by the internal auditor shall be forwarded subsequently.

Regards,

Pankaj Kumar Sinha

Secretary, FDDI

Footwear Design & Development Institute (FDDI)

(An Institution of National Importance as per FDDI Act, 2017)

Ministry of Commerce & Industry, Government of India

A-10/A, Sector - 24, Noida - 201301

Ph. 0120-4500235

Email: secretary@fddiindia.com

Web.: www.fddiindia.com

AGENDA FOR THE

88th GOVERNING COUNCIL MEETING

OF

FOOTWEAR DESIGN & DEVELOPMENT INSTITUTE
(An "Institution of National Importance" as per FDDI Act, 2017)

SCHEDULED ON

27th June 2025

AT
11:00 AM

THROUGH ONLINE MODE

CONTENTS

Item No.	Description	Page No.
88.1	Confirmation of the Minutes of the 87th GC Meeting held on 30th May 2025	03
88.2	Discussion and Approval of the Annual Financial Statement of the accounts of FDDI for year 2024-25	03

Minutes of the 88th Governing Council (GC) Meeting of Footwear Design & Development Institute (FDDI) held on 27.06.2025 from 11:00 AM onwards in virtual mode from the Institutes premises in the Conference Hall of FDDI, Administrative Building, located at A-10/A, Sector-24, Noida-201301.

The 88th Governing Council (GC) Meeting of FDDI commenced with a warm welcome extended to all esteemed members of the Governing Council. A special welcome was extended to the newly appointed Joint Secretary, Leather & Footwear (L&F), Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), who joined the GC for the first time.The Secretary, FDDI, provided a brief overview of the key agendas scheduled for deliberation and approval during the meeting.The following members attended the meeting:

S. No.	NAME OF MEMBER	DESIGNATION
1	Shri Ashish Dikshit, Managing Director, Aditya Birla Fashion and Retail Ltd	Chairman
2	Smt. Nidhi Kesarwani Joint Secretary, L&F, Department for Promotion of Industry and Internal Trade	Member(*ex officio*)
3	Shri Vimal Anand, IRS Joint Secretary, Department of Commerce Representative Shri Y.P Dhewal, Director, EP (LSG)	Member(*ex officio*)
4	Shri. Gautam Nair, Chairman, Confederation of Indian Industry	Member
5	Shri C S Rao, Director, Department for Promotion of Industry and Internal Trade	Member(*ex officio*)
6	Shri Rajendra Kumar Jalan, Chairman, Council for Leather Export	Member
7	Shri Sanjay Gupta, President, IFCOMA	Member
8	Shri Praveen Nahar, Director, National Institute of Design	Member
9	Shri K J Shreeram, Director, Central Leather Research Institute	Member
10	Shri Vivek Sharma, IRS Managing Director, Footwear Design and Development Institute	Member(*ex officio*)

The quorum for the meeting was complete by the presence of 10 number of members listed above.

The following members were on Leave of absence:

11	Shri Motilal Sethi, President, Indian Leather Garments Association	Member
12	Prof Sumer Singh, Department of Design, Indian Institute of Technology, Delhi	Member
13	Prof. Alok Singh Professor, Indian Institute of Management, Nagpur	Member
14	Prof Dr. Shinju Mahajan, National Institute of Fashion Technology, New Delhi	Member

Item No. 88.1: Confirmation of the Minutes of the 87th GC Meeting:

The Minutes of the 87th CG Meeting held on 30th June 2025, duly approved by the Hon'ble Chairman were circulated to the GC Members on 05th June 2025 with request to confirm the minutes by 12th June 2025 to implement decisions.

As no comments were received from any member, the GC confirmed the Minutes of the 87th GC meeting held on 30th June 2025.

Item No. 88.2: Discussion and approval of the Annual Financial Statement of Accounts of FDDI

The final Annual Statement of Accounts of FDDI for the financial year 2024–25 was presented by the Accounts & Finance Department, Head Office. During the presentation, the Director Finance raised certain queries on account statement , which were duly replied by the Managing Director and DGM, Accounts & Finance Department.

After due deliberation and having heard, the Governing Council approved and passed the Financial Statement of FDDI for the year 2024–25.

The meeting concluded with a "Vote of Thanks" to the Chair.

*****

FDDI

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

पैन इंडिया १२ परिसरों

नोएडा

पटना

कोलकाता

रोहतक

छिंदवाड़ा

चेन्नई

जोधपुर

गुना

अंकलेश्वर

फुरसतगंज

हैदराबाद

पंजाब

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

अधिक जानकारी के लिए:
सम्पर्क करें
दूरभाष: 0120 - 2970087
WWW.FDDIINDIA.COM

fddiofficial fddi